2 फरीदाबाद
गाइडलाइंस का पालन कर मजबूत इम्युनिटी से कोरोना हारेगा : विनय गुप्ता

6 अभिमत
वित्तीय स्थिरता और बैंकों की स्वायत्तता

8 देश/विदेश
कमला हैरिस का चुनाव करना हैरानी भरा : ट्रंप

11 स्पोर्ट्स
राजस्थान रायल्स के क्षेत्ररक्षण कोच दिशांत याग्निक कोरोना संक्रमित

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 184
फरीदाबाद, बृहस्पतिवार, 13 अगस्त, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

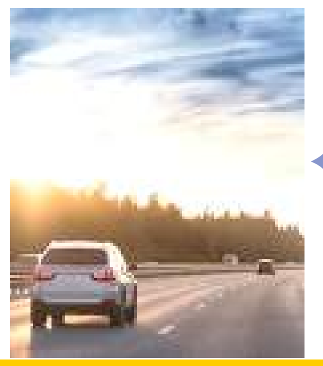

सड़क मार्ग से यात्रा के दौरान रखनी होगी महत्वपूर्ण सावधानियां
पर्यटन- 12

पायनियर एक्सक्लूसिव : डबल मर्डर के बाद जसाना गांव में दहशत का माहौल

रिक्रिएशन ऑफ सीन : तमंचे के बल पर हाथ-पैर-मुंह बांधे, जाते वक्त मारी गोली

सुधीर बैसला। फरीदाबाद

जसाना गांव में मंगलवार दोपहर को हुए मोनिका और सुखबीर मर्डर केस में क्राइम ब्रांच की तीन टीमों ने सीन-रिक्रिएट करके देखा। सुखबीर-मोनिका के घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में हत्यारोपियों के कैद होने से यह मामला सुलझने के काफी करीब है। हत्यारों की संख्या, उनकी पोशाक और मोटरसाइकिल और वारदात का सही समय सीसीटीवी कैमरे की मदद से मिल ही गया है। पुलिस को जो फुटेज मिली है, उसके अनुसार बुधवार सुबह सीन-रिक्रिएट किया गया। क्राइम ब्रांच के एक उच्च अधिकारी ने पायनियर को बताया कि ऐसा लगता है, हत्यारोपी दंपति के अच्छे खासे जानकार थे।

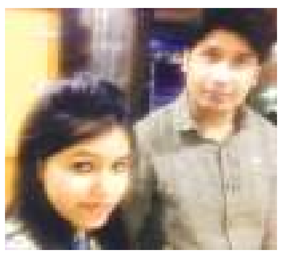

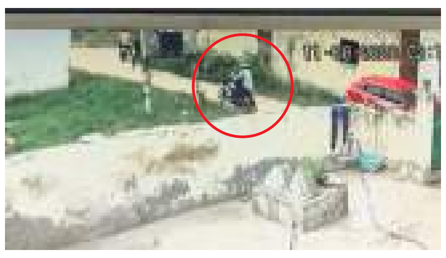

मंगलवार दोपहर 1:34:30 पर घर में घुसे, 2:18:08 पर बाहर निकले।

हत्यारोपी बदमाश सुखबीर व मोनिका के घर में करीब 44 मिनट तक अंदर रहे

सीन-रिक्रिएट के अनुसार हत्यारोपी मंगलवार दोपहर 1:34:30 बजे मोनिका-सुखबीर के घर में घुसे और गेट के साथ ही बनी सीढ़ियों को चढ़ते हुए सीधे ऊपर वाले फ्लोर पर पहुंच गए। चारों का गेट से घुसते ही सीढ़ियों के जरिए सीधे फर्स्ट फ्लोर पर जाना यह साबित करता है कि इन्हें एस्कॉर्ट (मार्गदर्शक) करने वाला शख्स लगातार दंपति के घर पर निसंकोच परिचित के रूप में आता-जाता रहा है। तीन में से एक क्राइम ब्रांच के सीन-रिक्रिएशन से पता चलता है कि जिस अवस्था में मोनिका और सुखबीर के शव बरामद हुए, उन्हें मारने से पहले पिस्तौल के दम पर काबू किया। फिर टेप से दोनों के हाथ पांव बांधे, मुंह को भी बंद किया गया। गोली मारने से पहले बदमाशों ने पति-पत्नी से नगदी-जेवरात वगैरह के बारे में जानकारी ली। सामान समेटने के बाद बदमाशों में से दो शख्स पहले घर से बाहर निकले। अंदेशा है कि भागते वक्त जो दो शख्स 2:18:08 बजे (करीब 44 मिनट अंदर रहे) बाहर निकले, उन्होंने मोनिका-सुखबीर को जाते-जाते गोली मारी होगी।

तीन एंगल्स पर काम कर रही पुलिस

- सुखबीर के घर का निर्माण कार्य प्रगति पर था। ऐसे में निर्माण कार्य संभाल रहे ठेकेदार-मजदूरों (मिस्त्री, कारपेंटर, पेंटर इत्यादि) में से कोई योजनाकार या मुख्य साजिशकर्ता हो सकता है।
- वर्कशॉप संचालक सुखबीर का व्यवसाय ठीक चल रहा था, नगदी का प्रवाह काफी था। ऐसे में वर्कशॉप पर काम करने वाले कुछ सुपरवाइजर, ठेकेदार व कर्मचारी शक के दायरे में हैं।
- पुरानी रंजिश या लेन-देन का भी एक एंगल तलाशा जा रहा है। यह कहीं से भी जुड़ा हो सकता है।

प्रारंभिक शक घर के निर्माण कार्य या वर्कशॉप में लगे मजदूर व ठेकेदारों पर

कनेक्टेड एंगल्स

- तीनों एंगल्स का लिंक सुखबीर द्वारा चार-पांच दिन पहले खरीदी गई ओडी कार से जोड़ा जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि ऑडी कार की परचेज के बाद हत्यारोपियों के दिमाग में वारदात का ख्याल आया। सुखबीर के पास ऑडी से पहले एक बलीनो कार भी है।
- हत्यारोपी दंपति के परिचित थे और पहचाने जाने के डर से घर में लगे सीसीटीवी तोड़ दिए और डीवीआर साथ ले गए।
- फुटेज में हत्यारोपियों में से एक के पास पिट्ठू बैग था, जिसमें भागते वक्त लूट का सामान समेटा गया।
- संभावना है कि फुटेज में सबसे आखिर में निकलने वाले दो बदमाशों ने सुखबीर और मोनिका को गोली मारी।

संबंधित खबर पेज-03

मेरे किसी के साथ नहीं कोई मतभेद : दुष्यंत चौटाला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने एसवाईएल के मुद्दे को सुलझाने पर जोर देते हुए कहा है कि भारत में सुप्रीम कोर्ट ही सर्वोच्च है। इसलिए पंजाब सरकार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करते हुए हरियाणा को उसके हिस्से का पानी देना चाहिए। दुष्यंत बुधवार को पंजाब के अमृतसर स्थित दरबार सिंह में माथा टेकने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

दुष्यंत ने अपनी पत्नी मेघना व भाई दिग्विजय के साथ दरबार साहिब में माथा टेकने के बाद लंगर हाल का भी दौरा किया और विश्व के सबसे बड़े लंगर को बनाए जाने की विधि के बारे में जानकारी ली। दुष्यंत ने कुछ समय कीर्तन भी सुना। इस

दौरान शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा उपमुख्यमंत्री को सिरोपा देकर सम्मानित भी किया। प्रदेश में हुए शराब घोटाले के मुद्दे पर गृहमंत्री अनिल विज के साथ किसी प्रकार के मतभेद होने से इनकार करते हुए दुष्यंत ने कहा कि पंजाब में जहरीली शराब के कारण दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। साथ ही कहा, मेरा किसी के साथ कोई मतभेद नहीं हैं।

कोरोना मीटर

	विश्व
कुल	20,405,098
मौतें	744,211
ठीक	12,624,538

	भारत
कुल	2,372,318
मौतें	46,717
ठीक	1,673,885

स्रोत: www.covid19india.org

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम $39.01^{0}C$
न्यूनतम $28.07^{0}C$

क्विक न्यूज

सोने की कीमतें दो दिनों में 4,500 रुपये नीचे

मुंबई। पिछले दो दिनों में सोने और चांदी के कीमतों में जोरदार गिरावट आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 50,441 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 61,972 रुपये प्रति किलो ग्राम पर कारोबार कर रही है। वहीं वैश्विक बाजारों में भी सोने का भाव लगातार गिर रहा है। अमेरिका में भी सोना वायदा 1900 डॉलर प्रति औंस के नीचे कारोबार कर रहा है। भारतीय बाजार में पिछले दो दिनों से सोना करीब 4,500 रुपये और चांदी लगभग 14,000 रुपये प्रति किग्रा नीचे आ गया है। इससे सोने और चांदी में निवेश के लिए इंतजार कर रहे निवेशकों को राहत मिलेगी।

कांग्रेस प्रवक्ता राजीव की दिल का दौरा पड़ने से मौत

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता राजीव त्यागी का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। बताया जा रहा है कि कुछ देर पहले ही वे एक टीवी चैनल पर डिबेट में शामिल हुए थे। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें गाजियाबाद के एक अस्पताल ले जाया गया था। 19 मार्च 1999 को गाजियाबाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने दौरा किया था। इस दौरान एक आम सभा हुई थी। इस सभा में राजीव त्यागी ने वाजपेयी को काला झंडा दिखाया था और इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था।

बेंगलुरू हिंसा में 3 की मौत 50 से पुलिसकर्मी घायल

बेंगलुरू। कांग्रेस विधायक के एक कथित रिश्तेदार द्वारा सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किए जाने के बाद हुई हिंसा को काबू करने के लिए पुलिस की गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई। बेंगलुरू के पुलिस आयुक्त कमल पंत ने कहा कि पुलिस की गोलीबारी में तीन लोग मारे गए। इस घटना में 50 से अधिक पुलिस वाले घायल हो गए हैं। घटनास्थल पर सीआरपीएफ को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि बेंगलुरू के पुलाकेशी नगर में हुई हिंसा के मामले में 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पंत ने बताया कि कथित सोशल मीडिया पोस्ट डालने वाले नवीन को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

कोरोना के बीच सामाजिक ताना-बाना खतरनाक स्थिति में पहुंचा, रिपोर्ट से खुलासा

हरियाणा का चौथा, दिल्ली का हर पांचवां व्यक्ति बेरोजगार

एजेंसी। नई दिल्ली

कोरोना के बीच एक बुरी खबर यह है कि बढ़ती बेरोजगारी के कारण सामाजिक ताना-बाना खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। समाजशास्त्रियों का आकलन है कि यदि नौकरियां इसी तरह जाती रहीं तो निश्चित तौर पर लूटमार-खून-खराबा बढ़ेगा। भाईचारे की तस्वीर बिगड़ सकती है। केंद्र व राज्य सरकारें इस बात से बेखबर हैं।

बेरोजगारी का दौर लगातार जारी रहने के कारण मौजूदा वक्त में सबसे ज्यादा खतरे में आर्थिक मध्यम वर्ग और उच्च वर्ग है, जिसे वंचित अपना टारगेट बना सकते हैं। दरअसल, लॉकडाउन खुलने के बाद बेरोजगारी दर में तेज गिरावट दर्ज की गई थी। यह एक बार फिर बढ़ती हुई दिखाई पड़ रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनोमी (सीएमआईई) के मुताबिक इस समय देश में बेरोजगारी दर 7.93 फीसदी हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी ज्यादा है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म की एक न्यूज के अनुसार इस समय शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर 9.65 फीसदी और ग्रामीण क्षेत्र में 7.13 फीसदी हो गई है। शहरों में जुलाई माह के अंत तक बेरोजारी दर 10 फीसदी के करीब थी, जिसमें कुछ कमी आई है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर एक बार घटकर यह दोबारा बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। सीएमआईई के आंकड़ों के मुताबिक राजधानी दिल्ली में बेरोजगारी दर 20.3 फीसदी तक पहुंच गई है, यानी यहां हर पांचवे व्यक्ति को नौकरी की तलाश है। हरियाणा में 24.5 फीसदी बेरोजगारी दर्ज की गई है, यानी यहां लगभग हर चौथे आदमी को नौकरी की तलाश है। पंजाब में भी 10.4 फीसदी लोगों के पास कोई नौकरी नहीं है।

प्रत्येक इंडस्ट्री सेक्टर में नौकरियों पर फिर मंडरा सकता है खतरा

किन राज्यों में कितनी बेरोजगारी

सीएमआईई के जुलाई के आंकड़ों के मुताबिक बिहार में बेरोजगारी दर 12.2 फीसदी तो उत्तर प्रदेश में 5.5 फीसदी दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ में 9 फीसदी, गोवा में 17.1 फीसदी, गुजरात में 1.9 फीसदी, हिमाचल प्रदेश में 18.6 फीसदी, जम्मू-कश्मीर में 11.2 फीसदी, झारखंड में 8.8 फीसदी, उत्तराखंड में 12.4 फीसदी, पश्चिम बंगाल में 6.8 फीसदी, केरल में 6.8 फीसदी, मध्य प्रदेश में 3.6 फीसदी, महाराष्ट्र में 4.4 फीसदी, ओडिशा में 1.9 फीसदी, पुडुचेरी में 21.1 फीसदी, राजस्थान में 15.2, तो तमिलनाडु में 8.1 फीसदी, तेलंगाना में 9.1 और त्रिपुरा में 16.4 फीसदी लोग बेरोजगार हैं। भले ही कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय भी लोगों को स्किल करने और रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास कर रहा है, लेकिन सीएमआईई के आंकड़ों से इसकी तालमेल बैठती नहीं दिखाई दे रही है।

फोटो: रौतेश कुमार कश्यप

नंदगांव में जन्मे श्रीकृष्ण, बरसाने में मंगलगीत, मथुरा-वृंदावन में सजे मंदिर

पायनियर समाचार सेवा। मथुरा

ब्रज में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही। नंदगांव में आधी रात को प्रभु श्रीकृष्ण ने जन्म ले लिया। राधा के गांव बरसाना में मंगल गीत गाए गए। परंपरा के अनुसार बुधवार को मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर जन्मोत्सव की धूम रही। यह पहला मौका है, जब भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बिना भक्तों के मनाया गया। ब्रज के मंदिरों में सिर्फ संतों और सेवायतों की मौजूदगी में सभी परंपराएं पूरी की गई। मंदिरों में भक्तों के प्रवेश पर प्रतिबंध है। बुधवार को जन्मोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में राधा-श्रीकृष्ण की पूजा हुई, जिसे कराने वाले आचार्य के साथ आयोजन से जुड़े लोग भी सीमित संख्या में ही सम्मिलित हुए।

बुधवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर होने वाले जन्मोत्सव के लाइव दर्शन श्रद्धालुओं ने टेलीविजन और सोशल मीडिया के माध्यम से ही किए। जन्मोत्सव के आलौकिक क्षणों का सजीव प्रसारण किया गया। राधा-कृष्ण की आरती भी सीमित संख्या के साथ हुई। ठाकुरजी ने पत्र-पुष्प, रत्न प्रतिकृति, वस्त्र आदि के अद्भुत संयोजन से बनाए गए पूर्णेंदु कुंज बंगले में विराजमान होकर दर्शन दिए। ठाकुरजी ने इस बार पुष्प वृंत की पीत रंग की पोशाक धारण की। जन्मस्थान पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में भजन कार्यक्रम भी आयोजित हुए। यहां भजन गायक राजीव चोपड़ा ने कृष्ण भजनों से प्रस्तुति दी।

दही हांडी: मास्क पहने गोविंदाओं ने मटकी फोड़ी

मुंबई। कोविड-19 के चलते मुंबई समेत महाराष्ट्र व देश के के ज्यादातर हिस्सों में इस साल दही हांडी कार्यक्रम नहीं हुए। जहां ये आयोजित किए गए, वहां सिर्फ सांकेतिक तरीका इस्तेमाल किया गया। 2 से 5 तक ही मटकी फोड़ने वाले (गोविंदा) मौजूद रहे। महाराष्ट्र में करीब 1200 दही हांडी मंडल हैं। यह जन्माष्टमी का साल भर इंतजार करते हैं। महामारी ने इस साल सब बदल दिया। देश भर में कुछ जगह दही हांडी उत्सव हुए। लेकिन, तरीका बिल्कुल सांकेतिक रहा। न हजारों की भीड़। न ढोल की गूंज और न लाखों रुपये के इनाम। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए 5 से 10 गोविंदाओं की टोली ने एक और दो मंजिला पिरामिड बनाकर दही मटकी फोड़ी। ज्यादातर गोविंदाओं ने मास्क पहना। उत्सव में शामिल होने से पहले सबकी स्क्रीनिंग की गई थी। आयोजकों ने सैनिटाइजर भी रखा। कुछ जगह गोविंदाओं ने ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया। माना जाता है कि नवी मुंबई के पास घणसोली गांव में यह परंपरा पिछले 104 वर्षों से चली आ रही है। यहां सबसे पहले 1907 में कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर दही हांडी शुरू हुई थी। मायानगरी में हर साल होने वाली दही हांडी उत्सव की धूम पूरी दुनिया में है। विदेश से भी लोग यहां उत्सव देखने आते हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर सरकार के खिलाफ किसानों का हल्ला बोल

चंडीगढ़। केंद्र सरकार द्वारा किसानों के मुद्दे पर तीन अध्यादेश लागू किए जाने के विरोध में हरियाणा के किसानों ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्र के अध्यादेश की प्रतियां फूंकने का ऐलान किया है। भारतीय किसान यूनियन के प्रधान गुरनाम सिंह चढ़ूनी, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह मथाना, प्रदेश प्रवक्ता राकेश बैंस ने बुधवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि केंद्र के अध्यादेश से किसान और मंडियां तो बर्बाद होंगी। साथ पूरे देश के नागरिकों को दाल और प्याज की तरह खाद्य पदार्थों की कालाबाजारी का सामना करना पड़ सकता है।

बदमाशों के झुंड से घिरा था सुशांत राजपूत, वापस आया हनी ट्रैप गैंग

मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के करीब 2 महीने बाद उनके परिवार ने पहली बार 9 पेज का बयान जारी किया है। इसमें कहा गया कि सुशांत के परिवार को सबक सिखाने की धमकियां दी जा रही हैं। एक-एक करके सबके चरित्र पर कीचड़ उछाली जा रही है। इसके अलावा सुशांत के परिवार ने रिया चक्रवर्ती और मुंबई पुलिस पर भी आरोप लगाए हैं।

यह पत्र उनके पिता की तरफ से लिखा गया है। सुशांत के परिवार ने फिराक जलालपुरी के एक शेर से पत्र की शुरुआत करते हुए लिखा है..'तू इधर-उधर की न बात कर ये बता कि काफिला क्यों लुटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं तेरी रहबरी का सवाल है।' बयान में लिखा है कि साल पहले की ही बात है। न कोई सुशांत को जानता था, न उसके परिवार को। आज सुशांत की हत्या को लेकर करोड़ों लोग व्यथित हैं और सुशांत के परिवार पर चौतरफा हमला हो रहा है।

सरकार ने आधी रात को अफसरशाही खंगाली

बदले दो एडीसी और आठ एसडीएम

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने अफसरशाही में नया तजुर्बा करते हुए प्रदेश में नगर निगमों की तर्ज नगर परिषदों व नगर पालिकाओं में जिला स्तर पर आयुक्त तैनात कर दिए हैं। जिनकी देखरेख में निकायों में विकास कार्य होंगे। हरियाणा सरकार ने बीती रात करीब 12 बजे एक आदेश जारी करके चार आईएएस अधिकारियों समेत कई एचसीएस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं।

सरकार ने 2018 बैच के चार आईएएस अधिकारियों की ट्रेनिंग पूरी होने के बाद उन्हें एसडीएम नियुक्त किया है। इसी तरह से 2016 बैच के दो आईएएस अधिकारियों को एसडीएम के रूप में उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद एडीसी नियुक्त किया है। आईएएस अखिल पिलानी को थानेसर, अपराजिता को बल्लबगढ़, आयुष सिन्हा को करनाल तथा सचिन गुप्ता को अंबाला का एसडीएम नियुक्त किया है। इसी तरह से 2016 बैच के आईएएस और बेरी एसडीएम राहुल नरवाल को भिवानी का एडीसी लगाया है। भिवानी आरटीए के सचिव का कार्यभार भी राहुल के पास रहेगा। महम के एसडीएम अभिषेक मीणा को महेंद्रगढ़ का एसडीएम व आरटीए सचिव लगाया है। 2015 बैच की आईएएस प्रीति को अंबाला की एडीसी नियुक्त किया है।

सरकार ने रेवाड़ी के एसडीएम रविंद्र यादव को यहां से बदल कर अब बेरी का एसडीएम लगाया है। बल्लबगढ़ एसडीएम बेलिना को हांसी, हांसी एसडीएम जितेंद्र सिंह को महम एसडीएम तथा मनोज कुमार को रेवाड़ी का नया एसडीएम लगाया है। प्रदेश सरकार ने नगर परिषदों व नगर पालिकाओं में विकास कार्यों को तेजी लाने के लिए नगर निगमों की तर्ज पर आयुक्त नियुक्त किए हैं। सरकार ने निकायों के लिए जिला पालिका आयुक्त नाम से नये पद सृजित किए हैं। सरकार ने आईएएस अधिकारी जयकृष्ण अभीर को महेंद्रगढ़, हरियाणा महिला विकास निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक संगीता तेतरवाल को सिरसा तथा स्मार्ट सिटी फरीदाबाद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोनिका गुप्ता को पलवल की जिला पालिका आयुक्त नियुक्त किया है। उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) और नोडल अधिकारी (ग्रीवेंसिज) दिनेश सिंह यादव को रेवाड़ी का जिला पालिका आयुक्त नियुक्त किया है।

निगमों की तर्ज पर नगर परिषदों व पालिकाओं में लगाए कमिश्नर

ये अधिकारी हुए इधर-उधर

महेंद्रगढ़ के एडीसी और आरटीए सचिव मुनीश नागपाल को नूंह, कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) और विशेष सचिव कुलबीर सिंह को कैथल, गुरुग्राम महानगरीय विकास प्राधिकरण की संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशिमा सांगवान को झज्जर, स्वास्थ्य सेवाएं, हरियाणा की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) अमृता सिंह को भिवानी, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त संवर्तक सिंह खंगवाल को फतेहाबाद, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, करनाल के जोनल प्रशासक डॉ सुशील कुमार को जींद का जिला पालिका आयुक्त लगाया है। करनाल एसडीएम नरेंद्र पाल मलिक को कुरुक्षेत्र नगर परिषद का जिला पालिका आयुक्त नियुक्त किया गया है। इन जिला पालिका आयुक्तों को कई शक्तियां दी गई है, जो वर्तमान में नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में जिला उपायुक्तों और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक को दी जा रही हैं।

आपकी रचनाएं - आपका अखबार

हरियाणा से प्रकाशित पायनियर
हमेशा सच के साथ

प्रिय पाठकों नमस्कार,

74वें स्वतंत्रता दिवस की आप सभी को हार्दिक बधाई। हर भारतीय के लिए यह दिवस हर्ष, शौर्य और शहादत का प्रतीक है। जिनके शौर्य और बलिदान ने हमें आजाद भारत में स्वतंत्र जीवन दिया, उनका हर भारतीय ऋणी रहेगा।

इस गौरवशाली दिवस के उपलक्ष्य में '**आपकी रचनाएं-आपका अखबार**' कॉलम में आपकी कविता-कहानी, लेख एवं विभिन्न प्रकार की चित्रकलाएं पायनियर अखबार में प्रकाशित करने के लिए आमंत्रित की जाती है। श्रेष्ठ रचनाओं को ही प्राथमिकता मिलेगी। आयु एवं श्रेणी के अनुसार श्रेष्ठ रचनाओं का चयन और प्रकाशन किया जाएगा। इसी आधार पर विजेताओं को भी वर्गीकृत किया जाएगा। आप अपनी रचनाएं अपनी पासपोर्ट साइज फोटो और पूरे नाम-पते, आयु एवं मोबाइल नंबर के साथ ही हमें भेजें।

निम्न आयु वर्ग के रचनाकारों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय के अलावा 100 सांत्वना पुरस्कारों से नवाजा जाएगा।

8 वर्ष से 12 वर्ष : प्रथम पुरस्कार 501 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 201 रुपये, तृतीय पुरस्कार 101 रुपये
13 से 15 वर्ष : प्रथम पुरस्कार 501 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 201 रुपये, तृतीय पुरस्कार 101 रुपये
16 से 21 वर्ष : प्रथम पुरस्कार 501 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 201 रुपये, तृतीय पुरस्कार 101 रुपये

महत्वपूर्ण नोट :-

1. फरीदाबाद जिले से बाहर के पुरस्कार विजेताओं को उनकी सम्मान राशि डाक द्वारा उनके पते पर प्रेषित की जाएगी।
2. 'आपकी रचनाएं-आपका अखबार' कॉलम में सभी आयु वर्ग के रचनाकारों की रचनाएं आमंत्रित हैं। (पुरस्कार योजना में केवल 8 से 21 वर्ष के रचनाकार ही योग्य रहेंगे)
3. इसके अलावा सुधी पाठक हमारे यू-ट्यूब चैनल Pioneer Haryana के लिए किसी भी प्रासंगिक विषय पर आधारित देशभक्ति से ओत-प्रोत वीडियो रिकॉर्ड करके हमें निम्नलिखित मेल आईडी पर भेजें। चयनित वीडियो को अपने वेब चैनल पर चलाएंगे।
4. 14 अगस्त 2020 (शुक्रवार) की शाम पांच बजे तक प्राप्त रचनाओं को ही जगह मिलेगी।

अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई-मेल आईडी पर भेजें :- pioneerhry@gmail.com sudhir.pioneer@sokkacreation.com

फरीदाबाद पायनियर

Good Morning!

हरियाणा, बृहस्पतिवार, 13 अगस्त 2020 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

गाइडलाइंस का पालन कर मजबूत इम्युनिटी से कोरोना हारेगा : विनय गुप्ता

कोरोना महामारी के कारण लगे लंबे लॉकडाउन की वजह से देश को पहले ही काफी आर्थिक नुकसान हो चुका है। ऐसे में हम ज्यादा दिनों तक घर में नहीं बैठ सकते। देश की उन्नति के लिए हमें अपने काम भी करने होंगे। इसलिए हमें अपनी इम्युनिटी पावर को बनाए रखने के लिए अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा। साथ ही वायरस से बचने के लिए हमें सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन भी करना होगा। नियम तोड़ने वाले लोग अपने साथ परिवार और समाज के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। यह कहना है कि बीएस अनंगपुरिया शिक्षण संस्थान के चेयरमैन विनय गुप्ता का। श्री गुप्ता लॉकडाउन में जरूरतमंदों की मदद भी करते रहे हैं। ***पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और विनय गुप्ता की बातचीत के अंश :-***

जीवन परिचय

नाम : विनय गुप्ता
जन्मदिन : 3 नवंबर
पिता : भवानी प्रसाद गुप्ता
माता : रामानंदी गुप्ता
पत्नी : मंजू गुप्ता
परिवार : बेटे तपेश व नितेश, पौता पार्थ
स्कूल : 10 वीं - गोवर्नमेंट स्कूल, ओल्ड फरीदाबाद
उच्चशिक्षा : बीई - मैकेनिकल इंजीनियरिंग, वाईएमसीए
रूचि : परिवार के साथ समय बिताना

सवाल : शिक्षा के बाद आपने कॅरियर की शुरू कैसे की।
जवाब : वर्ष 1983 में इंजीनियरिंग करने के बाद मैने अपने परिवार का ऑयल बिजनेस सम्भालना शुरू कर दिया था।

सवाल : आपने शिक्षा के क्षेत्र में कब और कैसे कदम रखा।
जवाब : शिक्षा का क्षेत्र सबसे सम्माननीय है। इसलिए हमने शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखने का फैसला लिया। वर्ष 2000 में हम सेक्टर तीन स्थित टेगौर पब्लिक स्कूल के साथ जुड़ गए थे।

सवाल : आपने अपने शिक्षण संस्थान की शुरूआत कब और कहां की।
जवाब : वर्ष 2001 में हमने सोहना रोड के निकट स्थित गांव आलमपुर में बीएस अनंगपुरिया शिक्षण संस्थान की शुरूआत की। जिसके बाद वर्ष 2006 में पलवल में एडवांस इंस्टियूट ऑफ एजुकेशन की शुरूआत की।

सवाल : आपके शिक्षण संस्थानों में कौन कौन से कोर्स करवाए जाते हैं।
जवाब : बीएस अनंगपुरिया शिक्षण संस्थान परिसर में टैक्निकल एजुकेशन, लॉ कॉलेज और फार्मेसी कॉलेज चल रहा है। इसी तरह एडवांस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में भी तीन तरह की शिक्षा के संस्थान चल रहे हैं।

सवाल : आपके शिक्षण संस्थान अन्य से कैसे अलग हैं।
जवाब : हम पढ़ाई के साथ साथ पर्सनल्टी डवलपमेंट, व्यावहरिक ज्ञान और अन्य गतिविधियों पर विशेष ध्यान देते हैं। उद्योगों की डिमांड के मुताबिक आधुनिक तकनीकी से प्रशिक्षण देते हैं।

सवाल : क्या शिक्षा के बाद संस्थान जॉब दिलवाने में भी मदद करता है।
जवाब : हमने आधुनिक ट्रैनिंग सेंटर बनाया हुआ है। बच्चों को जॉब की कोई दिक्कत नहीं होती। कोर्स के बाद कुछ समय के अनुभव से बच्चों को बड़े पैकेज पर नौकरी मिल जाती है।

सवाल : क्या आप सामाजिक संस्थाओं के साथ भी जुड़े रहे हैं।
जवाब : मैं प्रयास संस्था के साथ लंबे समय से जुड़ा हुआ हूं। साथ ही मैं दयानंद शिक्षण संस्थान का सदस्य हूं और तिगांव रोड स्थित साईधाम मंदिर के साथ भी जुड़ा हुआ हूं।

सवाल : शिक्षण संस्थान बंद होने पर आप स्टाफ को वेतन कैसे दे रहे हैं।
जवाब : शिक्षण संस्थान बंद होने की वजह से फीस नाममात्र के लिए ही आ रही है, लेकिन हम अपने टीचर और अन्य स्टाफ को लगातार पूरा वेतन दे रहे हैं।

सवाल : लॉकडाउन में आपने जरूरतमंदों की कैसे मदद की।
जवाब : हमारे शिक्षण संस्थानों में सरकार ने क्वॅारेंटाइन सेंटर बनाए हुए हैं। लॉकडाउन के दौरान हमने विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की हर सम्भव सहायता की है।

सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।
जवाब : हम मास्क का उपयोग, सोशल डिस्टेंसिंग और स्वच्छता अपना कर ही कोरोना को मात दे सकते हैं। साथ ही हमें अपनी इम्युनिटी पावर बढ़ाने के लिए खानपान का भी ध्यान रखना होगा।

सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ था।
जवाब : सरकार ने सही समय पर सही कदम उठाया था। यदि सरकार लॉकडाउन नहीं करती तो वायरस तेजी के साथ फैल सकता था। लॉकडाउन में सरकार ने वायरस से लड़ने की तैयारी कर ली। इसी वजह से आज स्थिति नियंत्रण में है।

संक्षिप्त समाचार

सावधान रहकर जन्माष्टमी मनाने की अपील की

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड ने प्राचार्य एवं जूनियर रेडक्रॉस और सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड अधिकारी रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में युवा दिवस पर कोरोना से सावधान रहने की अपील की। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि हर वर्ष 12 अगस्त को भारत सहित सम्पूर्ण विश्व में पूरे उत्साह और खुशी के साथ अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने फैसला सुनाया था कि 12 अगस्त अंतराराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाएगा। पहली बार इंटरनेशनल यूथ डे वर्ष 2000 में मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1985 में इंटरनेशनल यूथ ईयर की घोषणा की थी। पिछले वर्ष युवा दिवस की थीम ट्रांस्फोर्मिंग एजुकेशन रखी गई थी। जिसका अर्थ है कि युवाओं के लिए शिक्षा को ज्यादा प्रासंगिक और न्यायसंगत बनाने की कोशिशों का कार्यान्वयन करना। जब की इस वर्ष विश्व युवा दिवस की थीम 'वैश्विक कार्य के लिए युवाओं की भागीदारी' है। इस अवसर पर प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि कोरोना यद्यपि कमजोर होता जा रहा है परन्तु संक्रमित व्यक्तियों की दर निरंतर बढ़ती ही जा रही है ऐसे में युवाओं का दायित्व बढ़ जाता है कि वे न केवल स्थानीय स्टार बल्कि राष्ट्रीय तथा इंटरनेशनल स्तर पर युवाओं की भागीदारी के उपायों को सामने लाने के लिए बहुपक्षीय संस्थानों और प्रक्रियाओं को बढ़ावा दें। वहीं अध्यापकों ने भी बच्चों को स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन से परिचित कराते हुए सतर्कता रखने की अपील की। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर विद्यालय के सभी अध्यापकों, छात्राओं तथा प्रत्येक को बधाइयां और शुभकामनाएं दीं। अध्यापिका सीमा तनेजा और छात्राओं पल्लवी, पलक, सोनम यादव, रीया, दीया तथा सोनम द्वारा भगवान श्री कृष्ण के बालरूप की सुंदर छवि चित्रित करने के लिए बहुत बहुत आभार व्यक्त किया।

पांच वर्षीय रणनीतिक कार्ययोजना तैयार करेगा जेसी बोस

फरीदाबाद। नई शिक्षा नीति को लेकर शिक्षकों और अधिकारियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आज नई शिक्षा नीति में निहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा के लिए परिचर्चा सत्र का आयोजन किया। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आयोजित इस सत्र को अकादमिक मामलों के डीन डॉ. विकास तुर्क द्वारा संबोधित कियाा गया। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। डॉ. तुर्क ने नई शिक्षा नीति में निहित प्रावधानों को विस्तार से समझाया तथा विश्वविद्यालय स्तर पर इसके क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की। उन्होंने नीति के प्रावधानों को लेकर संकाय सदस्यों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर भी दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी डीन, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य और अधिकारी उपस्थित थे। सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने नीति में सुझाये गये उच्च शिक्षा से संबंधित प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए डीन और विभागाध्यक्षों से पांच वर्षीय रणनीतिक कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने नीति के प्रत्येक पहलू को लेकर बेहतर समझ एवं क्रियान्वयन को लेकर जागरूकता लाने के लिए संवाद सत्र एवं वेबिनार आयोजित करने के निर्देश दिये।

महान कवि राहत इंदौरी को दी श्रद्धांजलि

फरीदाबाद। मिशन जागृति संस्था के द्वारा हिंदुस्तान के महान कवि राहत इंदौरी की याद में श्रद्धांजलि सभा रखी गई। इसमें फरीदाबाद के जाने-माने कवि देवेन्द्र कुमार, कवि कमांडो समोद सिंह चारोरा, कवि मोहन शास्त्री, कवि यशदीप कौशिक ने श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कवि देवेन्द्र कुमार ने शायर राहत इंदौरी को श्रद्धांजलि देते हुये कहा की 'बड़े मन से बड़प्पन से बड़े सब काम होते हैं। बड़ी जो सोच दिखलायें उन्हीं के नाम होते हैं। बड़े बदनाम होते हैं जिन्होंने दर्द को पूजा। दवा को पूजते हैं जो वही गुलफाम होते है!। राहत इंदौरी जी को श्रद्धांजलि देते हुए कवि यशदीप कौशिक यस ने कहा कि राहत इंदौरी साहब की कमी को कोई पूरा नहीं कर पाएगा। उन्होंने उनको याद करते हुए कहा, ना तो जिंदगी किसी रहबर ना रहगुजर से निकलेगा। हमारे पांव का कांटा हमीं से निकलेगा। किसी गली वह बूढ़ा फकीर गाता है तलाश कीजिए। खजाना यहीं कहीं से निकलेगा। कवि मोहन शास्त्री ने भी राहत इंदौरी साहब को एक महान कवि और गजल कार बताया उन्होंने कहा कि जगत है खेल सारा और हम सारे खिलौने हैं। किसी के दाम हैं ऊंचे किसी के औने पौने हैं। यहां पे वक्त है सबका सभी आते हैं जाते हैं, नहीं पूरे सभी होते यह सपने सलोने हैं। श्रद्धांजलि सभा के अध्यक्ष कवि कमांडो सामोद चरोरा ने कहा कि आज हिंदुस्तान में एक बहुत बड़ा कवि खो दिया। जिन्होंने हिंदुस्तान का नाम पूरे देश विदेशों में किया। उन्होंने कहा कि किस तरफ रुख मोड़ ले बहती नदी का क्या पता। आज है कल हो ना हो इस जिंदगी का क्या पता।

शहर का तापमान

- अधिकतम 32.26 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 26.02 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ सेक्टर 12 में कांग्रेस का प्रदर्शन : सुबह 10 बजे
- विभिन्न मांगों को लेकर आशा वर्करों का बीके चौक पर प्रदर्शन : 10 बजे
- बीके अस्पताल की ओपीडी खुलने का समय : सुबह 9 से 2 बजे तक
- स्वतंत्रता दिवस को लेकर सेक्टर 12 में फुलड्रेस रिहर्सल : सुबह 9 बजे

निवेश गुरु

मूल्य वर्धित

उद्योग में हमारी विशेषज्ञता प्रबंधन टीमों को पूंजी से अधिक प्रदान करने में सक्षम बनाती है। एक मूल्य वधिज्त भागीदार के रूप में हम पोर्टफोलियो कंपनियों के वरिष्ठ प्रबंधन के लिए बोर्ड स्तर पर रणनीतिक और वित्तपोषण संबंधी विचारों में एक संसाधन के रूप में सक्रिय रूप से संलग्न होना चाहते हैं। इसके अलावा हम अपने पसंदीदा उद्योगों के साथ-साथ पूंजी बाजारों में स्थानीय तथा वैश्विक संबंधों के हमारे नेटवर्क के साथ हमारी कंपनियों के लिए एक संसाधन बनने के लिए प्रयासरत हैं।

यूटीलिटी न्यूज

शिक्षा नीति पर वेबिनार आयोजित

फरीदाबाद। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, दक्षिणा फाउंडेशन और मानव रचना शैक्षणिक संस्थाम की ओर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में हरियाणा के विश्वविद्यालयों के दिग्गजों को आमंत्रित किया गया। इस वेबिनार की अध्यक्षता शिक्षा संस्कृति उत्था न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने की और दक्षिणा फाउंडेशन की संस्थापक उपासना अग्रवाल ने बतौर विशेष अतिथि हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मानव रचना शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला समेत आमंत्रित किए गए अलग-अलग विश्वविद्यालयों के दिग्गजों ने अपने विचार रखे।

क्विक न्यूज

संजय बने प्रदेशाध्यक्ष

फरीदाबाद। अधिवक्ता संजय वर्मा को नेशनल कांग्रेस वर्कर कमेटी का हरियाणा का कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संजय वर्मा सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं और उनकी यह नियुक्ति नेशनल कांग्रेस वर्कर कमेटी के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वर्मा की नियुक्ति संबंधी घोषणा करते हुए नेशनल कांग्रेस वर्कर कमेटी के अखिल भारतीय अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया है कि वर्मा कांग्रेस की नीतियों व सिद्धांतों के अनुरूप जनसेवा तथा राष्ट्रहित की भावना से कार्यरत रहेंगे। इधर संजय वर्मा ने अपनी नियुक्ति के लिए नेशनल कांग्रेस वर्कर कमेटी की अखिल भारतीय अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा है

अवैध निर्माण पर प्रशासन और निगम आमने-सामने

अवैध निर्माण के बाद आसानी होती थी रजिस्ट्री

अधिकारी और कर्मचारी अपने फायदे को भूमाफियाओं को खुली दे देते हैं छूट

राजेश दास। फरीदाबाद

अवैध निर्माण, अतिक्रमण, कृषि एवं बड़े औद्योगिक जमीनों की बिना सीएलयू करवाए सब डिवीजन के मामले में नगर निगम के साथ साथ प्रशासन भी कम जिम्मेदार नहीं है। प्रशासन बिना एनओसी के इस तरह प्लॉट और अवैध रूप से बनाए गए फ्लैटों की आंखें बंद कर रजिस्ट्री कर देता है। वहीं दूसरी तरफ नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी अपने फायदे के लिए भूमाफियाओं को खुली छूट दे देते हैं। इस लापरवाही की वजह से शहर में पानी की कमी और सीवर जाम जैसी समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

ग्रीनबेल्टों पर अतिक्रमण की वजह से बरसाती पानी रिचार्ज नहीं हो पाता। हालांकि नगर निगम ने पिछले दिनों नाममात्र के लिए ही तोड़फोड़ और सीलिंग की कार्रवाई की है, लेकिन अवैध निर्माण का मामला तूल पकड़ने पर नगर निगम और प्रशासन के अधिकारी एक दूसरे के सिर पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। मंगलवार को एनआईटी इलाके में हुई तोड़फोड़ के मुद्दे पर एक जनप्रतिनिधि द्वारा बुलाई गई बैठक में प्रशासन और निगम अधिकारी अवैध निर्माण के लिए एक दूसरे पर आरोप लगाते नजर आए।

बिना एनओसी रजिस्ट्री

सरकार ने पिछले दिनों शहर में चार मंजिल तक मकान या व्यवसायिक स्थल की बिल्डिंग बनाने की अनुमति दी थी, लेकिन इसके साथ सरकार ने कई तरह की शर्ते भी रखी। लेकिन एनआईटी इलाके में सक्रिय भूमाफियाओं ने शर्तो को ताक पर रख दिया और सरकार की अनुमति को जमकर फायदा उठाने में व्यस्त हो गए। एनआईटी इलाके में पहले जहां तीन मंजिलों पर फ्लैट बनाकर बेचे जा रहे थे, वहीं अब चौथी मंजिल पर फ्लैट बनने लगे। बकायदा इस चौथी मंजिलों की रजिस्टरी भी करवाई जा रही है। यहां तक कि रिहायशी प्लॉटों पर व्यवसायिक निर्माणों की धड़ल्ले के साथ रजिस्ट्री कर दी जाती है। नगर निगम से सब डिवीजन करवाए बिना बड़े प्लॉटों की टुकड़ों में रजिस्ट्री करना भी आम बात है। इस तरह के कई मामले शहर में उजागर हो चुके हैं। रजिस्ट्री करते समय तहसील कार्यालय की तरफ से ने तो नगर निगम द्वारा जारी की जाने वाली रजिस्ट्री मांगी जाती है और सरकार द्वारा लगाई गई शर्तों पर ध्यान दिए बिना रजिस्ट्री कर दी जाती है। तहसील कार्यालयों की इन कारगुजारियों के कारण सरकार ने 17 अगस्त तक रजिस्ट्री पर रोक लगाई हुई है।

गुप्तचर विभाग बना रहा कुंडली

एनआईटी इलाके को सरकार ने बड़े ही योजनाबंद तरीके से बसाया था। चारों तरफ चौड़ी सड़के और गलियां छोड़ी गई थी। हर मकान के सामने पार्क भी बनाया गया था, लेकिन इस इलाके में में पिछले लंबे समय से भूमाफिया सक्रिय हो गए। जिन्होंने शहर की सूरत पूरी तरह बिगाड़ कर रख दी है। रिहायशी प्लॉटों का अवैध सबडिविजन, अवैध फ्लैट और रिहायशी प्लॉटों पर दुकान बनाकर बेचने लगे। इस तरह की शिकायतें लंबे समय से सरकार के पास पहुंच रही थी। पूरे मामले की जांच करने की जिम्मेदाी सरकार ने गुप्तचर विभाग को सौंपी थी। गुप्तचर विभाग ने इलाके का सर्वे करने के साथ कौन कौन लोग अवैध निर्माण कर रहे है और इसके लिए कौन कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं, इसका पता लगा लिया है। गुप्तचर विभाग ने पूरी रिपोर्ट तैयार कर अपने मुख्यालय को भेज दी है।

अब आमने सामने दो विभाग

लगातार शिकायतें आने पर नगर निगम ने पिछले दिनों एनआईटी इलाके के विभिन्न बाजारों से अतिक्रमण हटाने और अवैध निर्माणों को तोड़ने अथवा सील करने की कार्रवाई शुरू की थी। अभी निगम की तरफ से सिर्फ दो दिन ही मामूली सी कार्रवाई की गई थी कि मामला एक जनप्रतिनिधि के दरबार में पहुंच गया। उन्होंने मंगलवार को निगम और प्रशासन के अधिकारियों की बैठक बुला ली। जहां निगम अधिकारी द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई करने की बात कहने पर उनकी जन प्रतिनिधि से बहस भी हो गई। मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारी जन प्रतिनिधि का पक्ष लेते हुए अवैध निर्माण के लिए निगम अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने लगे। उनका कहना था कि निगम ने अवैध निर्माण की छूट दी हुई है। वहीं निगम अधिकारी प्रशासन पर अवैध रूप से रजिस्ट्री करवाने का आरोप लगाने लगे। निगम अधिकारी का कहना था कि तहसील कार्यालय द्वारा निगम की एनओसी और संबंधित कागजों के बिना अवैध तरीके से रजिस्टरियां की जा रही है। हालांकि बाद में जन प्रतिनिधि की मध्यस्थता के बाद मामला तो शांत हो गया है और बाजारों से अतिक्रमण हटाने की पॉलिसी भी तय कर ली गई।

मिलीभगत से अवैध निर्माण

वैसे तो पूरे शहर में ही जमीनों की अवैध सब डिवीजन के बाद निर्माण, कृषि भूमि पर रिहायशी मकान बनाने, रिहायशी जमीनों का व्यवसायिक इस्तेमाल और अवैध निर्माण का काम धड़ल्ले के साथ चल रहा है। खासकर एनआईटी इलाके में धड़ल्ले के साथ व्यवसायिक भवनों का निर्माण किया जा रहा है। जिसके कारण शहर में पार्किंग, यातायात जाम, सीवर जाम और पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है। ऐसा नहीं है कि अवैध निर्माण शुरू होने पर नगर निगम को पता नहीं चल पाता। प्रत्येक क्षेत्र में निगम ने एसडीओ और जेई तैनात किए हुए है। लेकिन निर्माण होते देख यह लोग अपने फायदे के लिए आंखें मूंद कर बैठ जाते हैं। निर्माण पूरा हो जाने पर बिल्डरों द्वारा रिहायशी प्लॉटों पर बनाई गई दुकान, फ्लैट और व्यवसायिक स्थलों की रजिस्टरी करवा देते है। सरकार अथवा कोर्ट का दवाब आने पर निगम अधिकारियों द्वारा दिखावे की तोड़फोड़ और सीलिंग की कार्रवाई कर अपना कर्तव्य पूरा कर दिया जाता है। बाद में भूमाफिया सील तोड़ कर फिर अपना काम शुरू कर देते हैं।

सिर्फ 8 मिनट में दस बीमारी बताएगी हेल्थ टैलर मशीन

विधायक त्रिखा ने किया स्वास्थ्य गणक मशीन का उद्घाटन

अपनी पहली स्मार्ट सेवा हेल्थ टैलर मशीन का प्रमोशन किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जहां भारतवर्ष में 61 प्रतिशत मृत्यु केवल जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे हृदयघात, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गुर्दे की बीमारियों की वजह से होती हैं। जरूरत है कि इन बीमारियों पर सूक्ष्म अवलोकन तथा नियंत्रण की। अत: स्वास्थ्य निवारक सेवाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पीकर हेल्थ टेक जोकि एक स्वास्थ्य निवारक सेवा प्रदाता हैं। अपनी पहली स्मार्ट सेवा हेल्थ टैलर मशीन का प्रमोशन किया हैं। जिसका उद्देश्य जीवनशैली संबंधी बीमारियों के प्रभाव को अपनी हेल्थ टैलर मशीन द्वारा नियंत्रित करना है।

स्वास्थ्य गणक मशीन का उदघाटन बड़खल विधानसभा क्षेत्र की विधायिका सीमा त्रिखा तथा डॉक्टर अनिल वाली (ऑनलाइन उपस्थित) प्रबंध संचालक फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, आईआईटी दिल्ली के द्वारा एनएच-5, मार्किट पर किया गया। स्वास्थ्य गणक मशीन (एचटीएम) में रोगी के परीक्षण नमूने डाले जाते हैं। इसके बाद मशीन 10 महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मापदंडों जैसे कि रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, रक्त शर्करा (मधुमेह), एसपीओ 2, हृदय गति, फेफड़ा नि:श्वास आयतन (पीपीएफ), फोर्स्ड नि:श्वास आयतन (एफईवी1), शरीर तापमान, कद तथा भार पर स्वास्थ्य विवरण प्रदान करती है। यह विवरण स्वत: ही वेब पर संचित हो जाता है, जिसे रोगी द्वारा कभी भी स्मार्टसेवा मोबाइल एप्प से प्राप्त किया जा सकता है। यह आश्चर्यजनक तीव्रता से (8 मिनट) सभी परीक्षण के नतीजे बेहद कम दामों पर (10 परीक्षण 100 रूपये में) दे देती है, रोगी के विवरण को सुरक्षित संचय कर लेती है, ऑनलाइन डॉक्टरी सलाह, दवाओं के लिए ई फार्मेसी उपलब्ध कराती है तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी वस्तुए ऑनलाइन मुहैया कराती है।

सीमा त्रिखा ने कहा कि स्वास्थ्य गणक मशीन एक अच्छा कदम है जिससे लोगों को एक ही छत के नीचे कई तरह से टेस्टों की सुविधा उपलब्ध होगी, वह भी वाजिब कीमतों में पीयूष गोयल, सीईओ तथा प्रबंधक अपनी पूरी टीम के साथ मिलकर अपनी स्मार्टसेवा एचटीएम आउटलेट के द्वारा पूरे देश में प्रिवेंटिव हेल्थ केअर सर्विस प्रदान करने की आशा करते है।

जोकि आमजनता की पहुंच मे सस्ती हो। कम्पनी का लक्ष्य स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी अन्य संस्थाओं के साथ जुडकर एक जबरदस्त ढांचा खड़ा करना है जो कि जनता के स्वास्थ्य से जुड़ी हर छोटी बड़ी जरूरत को पूरा करे। इस अवसर पर तरूण सिंगला, अभिषेक वार्ष्णेय, देवयांशु गौड, दीपक कुनाल, देवेन्द्र, पंकज, शशी, अंकित अभिषेक, मनीश, मोनिका, नवीन व प्रवीण मौजूद रहे।

स्लेजहैमर समूह की एक और बड़ी पहल

फ्री एम्बुलेंस सेवा

इस सेवा का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय लोगों को दिया जा रहा है।

जरूरतमंद फ्री एम्बुलेंस के लिए फोन करें।

9899885190
9899882050

SledgeHammer COMMITMENT TOWARDS PERFECTION....
।। सर्वम् शिक्षम् ।। SLEDGEHAMMER FOUNDATION
SLEDGEHAMMER CRICKET ACADEMY Run . Play . Learn . Live
पायनियर हमेशा सच के साथ

जसाना गांव में दिनदहाड़े दंपति की गोली मारकर हत्या

लूटपाट की नीयत से दंपति की हत्या किए जाने की आशंका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद के जसाना गांव में स्थित एक मकान पर मंगलवार की दोपहर को बाइक पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने धावा बोल दिया। बदमाशों ने आते ही दंपति के हाथ पैर बांध कर उन्हें बंधक बना लिया। जिसके बाद बदमाशों ने दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में चारों आते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस को घटनास्थाल पर सामान बिखरा हुआ मिला है। साथ ही कीमती सामान भी गायब है। पुलिस को संदेह है कि लूटपाट की नीयत से वारदाता को अंजाम दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक गांव फतेहपुर चंदीला निवासी सुखबीर का विवाह वर्ष 2013 में जसाना गांव निवासी मोनिका के साथ हुआ था। दोनों की अभी तक कोई संतान नहीं है। सुखबीर व उसके दो अन्य भाई वर्कशॉप चलाते हैं। कुछ समय पहले मोनिका अपने मायके के पास मकान बनाकर पति के साथ रहने लगी। सुखबीर संतान के लिए मोनिका का इलाज भी करवा रहा था। मंगलवार सुबह मोनिका का चेकअप कराने गया था। जहां से दोनों दोपहर को लौट आए थे। मोनिका हर रोज शाम को अपने पिता रामबीर की डेरी पर दूध लेने जाती थी। मंगलवार को उसके न जाने पर रामबीर ने रात करीब नौ बजे अपने बेटे मनीष को दूध देने के लिए मोनिका के घर पहुंच दिया। वहां पहुंच कर मनीष ने देखा कि मोनिका व सुखवीर खून से लथपथ मृत हालत में जमीन पर पड़े थे। दोनों की टेप और रस्सी से हाथ पैर बंधे हुए थे। जिसके बाद दोनों की गोली मारकर हत्या की गई थी। घर का सामान चारों तरफ बिखरा पड़ा था और अलमारी खुली हुई थी। घर में लगा सीसीटीवी कैमरे और डीबीआर भी गायब था। मनीष बताने पर रामवीर ने मौके पर पहुंच कर पुलिस को सूचना दे दी। सूचना मिलते ही तिगांव पुलिस के साथ डीसीपी, एसीपी क्राइम और अपराध शाखा की टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जाने पर बाइक सवार चार बदमाश आते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस को संदेह है कि इन्हीं बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। फुटैज से पता चला कि बदमाश दोपहर 1:37 बजे घर में घुसे थे और 2:18 पर फरार हुए हैं।। जांच में पता चला कि घर से कीमती सामान, नकदी और लेपटॉप गायब हैं। पुलिस ने मोनिका के पिता रामवीर सिंह की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। एसीपी धारणा यादव ने बताया कि पुलिस आयुक्त ओपी सिंह समेत अन्य अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर आरोपियों का सुराग लगाने का प्रयास कर रही है।

कोरोना से दो मौतें, 113 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 10,515 पर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बुधवार को जिले में 113 मरीजों की पुष्टि होने से कोविड-19 का आंकड़ा 10,515 पर पहुंच गया। वहीं दो कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मौत से डेथ का आंकड़ा 145 हो गया। पिछले 24 घंटे में कोरोना को 95 लोगों ने मात दी। जिले में अब तक 9427 मरीजों के ठीक होने की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग ने की है।

मृतक और पॉजिटिव

पिछले 24 घंटे में कोरोना पॉजिटिव दो मरीजों की मौत हो गई। जिसमें सेक्टर-आठ निवासी 80 वर्षीय एक पुरूष और एनएच-तीन निवासी 70 वर्षीय एक महिला शामिल है। दोनों को कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारिया थी। वहीं 113 पॉजिटिव में पल्ला, पाली, बल्लभगढ़, एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद, जवाकर कालोनी, एसी नगर, खेड़ी कला, सराय ख्वाजा, भूदत्त कालोनी, एनएस-दो, महावीर कालोनी, सुरजकुंड, संजय कालोनी, डबुआ कालोनी, सेक्टर-37, एनआईटी-पांच, मुजेसर, एसजीएम नगर, एनआईटी-एक और चावला कालोनी के मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

जांच को लिए सैम्पल	97645
रिपोर्ट आई नेगेटिव	86587
अभी रिपोर्ट आनी है बॉकी	543
अब तक पॉजिटिव मिले	10515
अब तक ठीक हुए	9427
अब तक पॉजिटिव की मौत	145
क्रिटिकल हालत में भर्ती	37
आईसीयू में भर्ती	10

संक्षिप्त समाचार

लूट और झपटमारी के चार आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच एनआईटी ने लूट और छीना झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें शिवकुमार, भीम, गुलशन, आस मोहम्मद को हथियार सहित गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी जिला पलवल के रहने वाले हैं। पुलिस प्रवक्ता एसीपी धारणा यादव ने आरोपियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच एनआईटी की टीम को सूचना मिली थी कि चार व्यक्ति लूट करने के इरादे से फरीदाबाद आए हुए हैं। जिस पर क्राइम ब्रांच एनआईटी की टीम ने कार्य करते हुए सर्च अभियान चलाकर सभी 4 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि वह लूट के इरादे से फरीदाबाद आए थे। आरोपियों ने शराब पीकर गत 9 जुलाई को सिटी थाना बल्लभगढ़ एरिया में एक कैंटर ड्राइवर को अकेला देखकर उससे 15000 रुपये कैश और एक मोबाइल फोन लूट कर फरार हो गए थे। जिस संबंध में आरोपियों के खिलाफ मामला सिटी थाने में दर्ज है। उसके बाद आरोपियों ने दो अलग-अलग आदमियों से दो मोबाइल फोन और स्नैचिंग किए थे। इसके अलावा आरोपियों ने पलवल जिला में भी छीना झपटी की वारदात को अंजाम दिया हुआ है। क्राइम ब्रांच ने आरोपियों से एक मोबाइल फोन, एक देसी पिस्तौल व एक जिंदा कारतूस, वारदात में प्रयोग टाटा टैगो कार, 4 मोबाइल फोन बरामद कर आज आरोपीयों को अदालत में पेश कर जेल भेजा है।

सांसें मुहिम करेगी सुशांत का अधूरा सपना पूरा

फरीदाबाद। सुशांत सिंह राजपूत के सपने को पूरा करने के लिए फरीदाबाद में 'सांसें' मुहिम सामने आई है, जो सुशांत सिंह राजपूत के पौधे लगाने वाले सपने को पूरा करेगी। बता दें कि सुशांत सिंह का सपना था कि वह जैविक खेती करें। 1000 पौधे लगायें फिर उनकी देखभाल करें। जो कि उनकी मौत के बाद अधूरा रह गया। अब इस सपने को पूरा करने का जिम्मा 'सांसें' मुहिम के संयोजक जसवंत पवार ने उठाया है। एनआईटी के एक निजी होटल में प्रेसवार्ता कर सांसे मुहीम के संस्थापक जसवंत पंवार ने बतया की पिछले एक माह से उनकी टीम पौधारोपण व पौधा वितरण का कार्य लगतार कर रही है। जिसके अंतर्गत अभी तक शहर में 1500 पौधे लागए जा चुके है और 2100 पौधे वितरित किये जा चुके हैं। इसी कडी में सांसें मुहिम 14 अगस्त को दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत की मौत को दो महीने होने पर उनकी आत्मशांति के लिये बीके चौक के समीप दशहरा मैदान में सुबह 7 बजे हवन यज्ञ करेंगे और फिर उन्हें श्रद्धाजंली अर्पित करेंगे। इसके बाद सुशांत सिंह राजपूत के सपने को पूरा करते हुए 1000 पौधे लगाने की शुरूआत की जायेगी। जिसमे त्रिवेणी (नीम, पीपल, बड़) और पंचवटी के पौधे लगाये जायेंगे। यह सिलसिला लगभग एक सप्ताह तक चलेगा जिसके अंतर्गत शहर के अलग अलग स्थानो पर 1100 पौधे लगाने का कार्य किया जायेगा। जिसमे एनआईटी स्थित दशहरा मैदान, सेक्टर-3 पार्क, शाहपुर कला, मोहताबाद, अरावली स्थित परसोंन मंदिर, ग्राम पनहेड़ा खुर्द मंदिर, ग्राम नारियाल, ग्राम हीरापुर आदि स्थानों पर पौधा रोपण होगा।

धनखड़ को सरदारी ने दिया आशीर्वाद

फरीदाबाद। सीबीएस कालेज फतेहपुरी (जिला झज्झर) में भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष भाई ओमप्रकाश धनखड को आशीर्वाद देने के लिए देश भर के धनखड जन पहुंचे। इस समारोह में फरीदाबाद जिले की तरफ से मच्छगर गांव की सरदारी भी प्रदेश अध्यक्ष को आशीर्वाद देने पहुंची। आशीर्वाद देने वालों में मुख्य रूप से राम सिंह धनखड़, सरपंच नरेश धनखड़, एडवोकेट जयप्रकाश धनखड़, सतवीर धनखड़, युद्धवीर धनखड़, संजय धनखड़, बीर सिंह ठेकेदार और स्वयं युवा समाजसेवी सत्यवीर धनखड़ मौजूद रहे।

तांबे से भरी गाड़ी को लूटने की कोशिश में गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर 85 ने सराहनीय कार्य करते हुए लूट की कोशिश में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अमित गांव ताजपुर छावला दिल्ली का निवासी है। पुलिस प्रवक्ता धारणा यादव ने बताया कि आरोपी अमित ने 7 अगस्त 2020 को अपने चार साथियों मुकेश, प्रदीप, पप्पू और ललित सहित फरीदाबाद आईएमटी एरिया में तांबे से भरी गाड़ी को लूटने की योजना बनाई थी। योजना के तहत सभी पांच आरोपियों ने तांबे से भरी गाड़ी का पीछा कंपनी से ही करना शुरू कर दिया था। थोड़ी दूर चलने के बाद आरोपियों ने आईएमटी एरिया में ही तांबे से भरी गाड़ी को लूटने की कोशिश की थी। गाड़ी चालक की सूझबूझ और चिल्लाने पर लोग इकट्ठे होने पर आरोपी गाड़ी को छोड़कर वहां से फरार हो गए थे। मामले की तफ्तीश कर रही क्राइम ब्रांच सेक्टर 85 की टीम ने एक सूचना पर आरोपी अमित को बदरपुर एरिया से दबोचा। पूछताछ पर आरोपी अमित ने बताया कि वर्ष 2012 में उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी। जिस संबंध में आरोपी तिहाड़ जेल में उम्र कैद की सजा काट रहा है। लूट की कोशिश में शामिल आरोपी अमित के अन्य साथी प्रदीप, मुकेश, पप्पू, और ललित भी तिहाड़ जेल में ही मिले थे। आरोपी तिहाड़ जेल से मार्च में पैरोल पर आए थे। एसीपी धारणा यादव ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ दिल्ली में करीब 9 मुकदमे दर्ज हैं, जिसमें हत्या, लूट, स्नैचिंग, अवैध हथियार, बलात्कार, अपहरण शामिल है।

मेवला फ्लाईओवर से गिरी कार

फरीदाबाद। मेवला महाराजपुर फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार से दौड़ रही एक कार अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरी। कार में सवार दोनों व्यक्ति मौके से फरार हो गए। लोगों का कहना है कि हादसा इतना भयानक था कि यदि कार ट्रक में न गिरती, तो कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। जानकारी के मुताबिक मेवला महाराजपुर के निकट स्थित पेट्रोल पम्प के पास एक ट्रक खड़ा था। उसी दौरान फ्लाई ओवर के ऊपर से एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नीचे आ गिरी। जिससे कार सीधा पेट्रोल पम्प के पास खड़े ट्रक पिछले हिस्से में जा घुसी। कार सवार चालक और सवारी दोनों मौके से फरार हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची तो किसी तरह की उन्हें कोई शिकायत नहीं दी गई। जिस पर देर शाम तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

खेल अधिकारियों के हुए तबादले

फरीदाबाद के खेल अधिकारी बने रमेश वर्मा

पायांनयर समाचार सेवा। फरीदाबाद

खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग ने हरियाणा के जिला खेल अधिकारियों के मंगलवार शाम बड़े स्तर पर ट्रांसफर किए हैं। इनमें फरीदाबाद की खेल अधिकारी मैरी मसीह का तबादला पलवल में किया गया तो वहीं उनके स्थान पर फरीदाबाद में जिला अंबाला के खेल अधिकारी रमेश वर्मा को लगाया गया है। रमेश वर्मा एक बेहतरीन बॉक्सिंग कोच के रूप में फरीदाबाद से खिलाड़ी तैयार किए। जिन्होंने देश व विदेशों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय देते हुए देश व फरीदाबाद का नाम रोशन किया है। उनके आने पर खिलाड़ियों में खुशी है। कुछ महीनों से मैरी मसीह फरीदाबाद में खेल अधिकारी रही हैं। उनका बीच-बीच में फरीदाबाद से ट्रांसफर होता रहा है, लेकिन अब वह कई महीनों से फरीदाबाद में थी। रमेश वर्मा ने भी उनके अधीन खिलाड़ियों को कोचिंग दी हैं। रमेश वर्मा की 9 मार्च को प्रमोशन हुई थी और प्रमोशन के बाद वह अंबाला में खेल अधिकारी के रूप में लगाए गए। वह तब से अंबाला में ही थे। वहीं ट्रांसफर लिस्ट में फरीदाबाद व पलवल जिले के खेल अधिकारी प्रीतम सिंह भी शामिल हैं। प्रीतम सिंह का तबादला चरखी दादरी किया गया है और प्रीतम की जगह मैरी मसीह को लगाया गया। अंबाला से रमेश वर्मा को फरीदाबाद का खेल अधिकारी नियुक्त किया गया है। रमेश वर्मा के आने पर खिलाड़ियों में खुशी हैं, क्योंकि उन्होंने फरीदाबाद से बॉक्सिग के क्षेत्र में बेहतरीन खिलाड़ी तैयार किए हैं।

स्वास्थ्य विभाग कर रहा कोरोना के नाम पर खिलवाड़

पॉजिटिव व्यक्ति को चार दिन तक नहीं दी रिपोर्ट, अब पत्नी भी हुई संक्रमित

स्वास्थ्य विभाग के पॉजिटिव और नेगेटिव के खेल से परेशान हैं लोग

कविता। फरीदाबाद

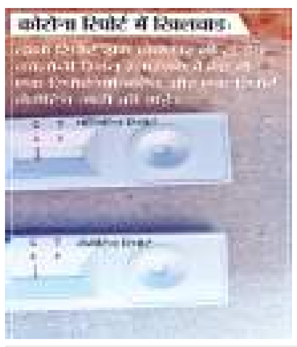

जिला स्वास्थ्य विभाग रोजाना सैकड़ों मरीजों की जांच के दावे कर रहा है, लेकिन शिविर और डिस्पेंसरियों में किए जा रहे रैपिड एंटीजन टेस्ट रिपोर्ट नेगेटिव या पॉजिटिव आ रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ आरटीपीसीआर जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव की नेगेटिव और नेगेटिव की पॉजिटिव आ रही है। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। कुछ लोगों ने एक ही दिन में दो बार जांच करवाने पर इस बात का खुलासा किया है। वहीं चार दिनों तक एक व्यक्ति की पॉजिटिव रिपोर्ट उस तक नहीं पहुंची, तो उसकी नेगेटिव पत्नी भी पॉजिटिव हो गई। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा रैपिड एंटीजन जांच किट की रिपोर्ट फेल साबित हो रही है। परेशान लोगों का कहना है कि विभाग द्वारा किए जा रहे रैपिड एंटीजन टेस्ट पूरी तरह से सरकार के पैसे की बर्बादी है।

रिपोर्ट नेगेटिव

एंटीजन टेस्ट किट में दो लाइनें आने पर पॉजिटिव की रिपोर्ट दी जाती है। लेकिन सेक्टर-23 स्थित संजय कालोनी स्थित डिस्पेंसरी के लैब टेक्नीशियन एक ही लाइन आने पर किसी को पॉजिटिव तो किसी को नेगेटिव रिपोर्ट बनाकर दे रहे हैं। रिपोर्ट के बारे में जब पीड़ितों ने अन्य सिविल अस्पतालों और निजी अस्पतालो के लैब टेक्नीशियनों से पता किया तो उन्होंने जांच किट में आई एक लाइन को देखकर रिपोर्ट को नेगेटिव बताया लेकिन स्वास्थ्य केन्द्र के द्वारा जारी की गई पॉजिटिव रिपोर्ट से पीड़ित को परेशानियां झेलनी पड़ी।

लापरवाही से महिला पॉजिटिव

सेक्टर-86 निवासी दम्पति ने अपनी कोरोना की जांच बीके सिविल अस्पताल में चार अगस्त को करवाई। जहां उन्हें आठ अगस्त तक रिपोर्ट नहीं दी गई। आठ अगस्त को सिर दर्द होने पर सैम्पल जांच के लिए दिया तो दम्पति पॉजिटिव बताए गए। जिस पर वह पुरानी रिपोर्ट लेने बीके अस्पताल पहुंचे, तो उन्हें महिला की रिपोर्ट नेगेटिव और पुरूष की रिपोर्ट पॉजिटिव बता दी गई, लेकिन आठ अगस्त को दिए गए सैम्पल के विषय में जब उन्होंने बताया तो दम्पति को होम क्वारेंटाइन कर दिया गया। महिला का कहना है कि यदि उनके पति की पॉजिटिव रिपोर्ट का पहले पता चलता तो शायद वह पॉजिटिव होने से बच सकती थी। लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण वह भी पॉजिटिव हो गई। उसी दिन की बजाय विभाग की टीम ने उनसे दस अगस्त को सम्पर्क किया। दो दिनों तक विभाग ने किसी भी तरह की कोई सुध नहीं ली।

भए प्रकट कृपाला, दीन दयाला, यशोमत के हितकारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना महामारी में चार महीने बाद जन्माष्टमी पर शहर के मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। चारों तरफ भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से शहर गूंजने लगा। मंदिरों में नंद के आनंद भयो, जय यशोदा लाल की, गोविंद बोले हरि गोपाल बोलो के जयकारे गूंज रहे थे। लाखों श्रद्धालुओं ने व्रत रखा। रात 12 बजे तक मंदिर भजन-कीर्तन व बाल-गोपाल के जयकारों से गूंजते रहे। मंदिरों में इस बार परमिशन देर से मिलने के कारण राधा कृष्ण की एक-एक ही आकर्षक झांकियां बनाई गई। कान्हा के प्रकट होने के साथ भक्तों ने दर्शन कर अपना व्रत खोला। इस दौरान न केवल प्रशासन बल्कि मंदिर समितियों की ओर से भी सुरक्षा और कोरोना से बचाव के इंतजाम किए गए थे।

झूले पर झूले राधा-कृष्ण

तिकोना पार्क स्थित महारानी श्री वैष्णव देवी मंदिर, श्रीकाली मंदिर सेक्टर-22 स्थित वैष्णो देवी मंदिर, सिद्धदाता आश्रम, सैनिक कॉलोनी शिव मंदिर सहित सेक्टर-19 के श्रीरामा कृष्णा, इस्कान मंदिर, एनआईटी स्थित जगदंबा मंदिर, शिव मंदिर, एनएच-पांच स्थित श्री राधा सर्वेश्वर मंदिर ब्रिज धाम सिद्ध पीठ में अति सुंदर स्वर्ण झूला पर राधा कृष्ण को झुला झुलाया गया। वहीं बांके बिहारी मंदिर में देश के के मशहूर गायक ने भक्तों को अपने भजनों पर झुमने को मजबूर कर दिया। इस मौके पर कुछ जगह कान्हा के नाम का केक काटा गया।

संदिग्ध व्यक्ति हथियार के साथ गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेंट्रल ने जिला हरदोई उत्तर प्रदेश निवासी दिनेश को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी फिलहाल किराए पर फरीदाबाद के बडोली गांव में रह रहा है। पुलिस प्रवक्ता एसीपी धारणा यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच सेंट्रल की टीम सेक्टर-7 बाईपास रोड पर पेट्रोलिंग कर रही थी। उपरोक्त आरोपी को क्राइम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने संदिग्ध होने पर तलाशी ली तो आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी को मौके पर ही काबू कर आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर-7 में मामला दर्ज कराया गया है। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि आरोपी ने उत्तर प्रदेश से वापस लौटने पर बीपीटीपी एरिया में चोरी की एक वारदात को अंजाम दिया था। जिस संबंध में आरोपी के खिलाफ 7 अगस्त 2020 को चोरी का मामला दर्ज है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी से 18 हजार रुपए, एक मोबाइल फोन, एक आर्टिफिशियल हार बरामद किया है।

सीटू ने की मांग, हड़ताली आशा वर्कर्स की मांगों का तुरंत हो निपटारा

फरीदाबाद। सीटू हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष सुरेखा, महासचिव जयभगवान, उपाध्यक्ष सतबीर सिंह कोषाध्यक्ष विनोद कुमार ने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण से आम जनता को बचाने के लिए आशा वर्कर्स स्वास्थ्य विभाग में बुनियादी भुमिका अदा कर रही है। संक्रमित मरीजो की पहचान करने में उनके परिवारजनों व सम्पर्क में आए लोगों को आइसोलेशन में रखवाने, अन्य तमाम तरह के कार्य आशा वर्कर्स कर रही हैं। टीकाकरण, संस्थागत डिलवरी करवाने, टीबी के मरीजों को दवा देने से लेकर चैकअप करवाने जैसे काम इस संक्रमण काल में भी आशाएं इमानदारी के साथ कर रही हैं। बड़ी संख्या में आशाएं स्वंय भी इसके चलते संक्रमित हो रही हैं। लेकिन सरकार का रूख वर्कर्स की मांगों को लेकर बेहद असंवेदन शील है।

एनएसयूआई दिल्ली के प्रदर्शन में फरीदाबाद के छात्र हुए शामिल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनएसयूआई ने एमएचआरडी कार्यालय में विरोध मार्च निकाला और छात्र विरोधी नीतियों और छात्र चिंताओं के प्रति उदासीन रवैये के जवाब में घेराव किया। एनएसयूआई ने मांग की है कि सभी स्कूलों की 6 महीने की स्कूल फीस माफ और कोविड की स्थिति में आयोजित करने के लिए परिस्थितियां उपयुक्त होने तक सभी परीक्षाओं को स्थगित किया जाए । हम दुनिया भर में प्रति दिन अधिकतम मामलों की रिपोर्ट कर रहे हैं और अभी भी एमएचआरडी परीक्षा आयोजित करने पर जोर दे रहे हैं।

इसे रोकना होगा। विरोध मार्च का नेतृत्व राष्ट्रीय महासचिव नागेश करिअप्पा, अर्जुन छपराना, राष्ट्रीय समन्वयक,अविनाश यादव राष्ट्रीय सचिव और दिल्ली राज्य कमेटी के सचिव अंकित सिंह ने किया।

आरटीआई में नहीं दिया कोविड-19 के खर्चे का ब्यौरा

58 लाख रुपये नेशनल हेल्थ मिशन के लिए केंद्र सरकार ने जारी किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सूचना के अधिकार के तहत आपदा प्रबंधन विभाग व हरियाणा के वित्त विभाग से केंद्र सरकार द्वारा जारी धनराशि के बारे में आरटीआई एक्टिविस्ट मोहन तिवारी ने एक अपील दायर की थी। जिसमें 9 बिन्दुओ पर सूचना मांगी थी। जिसके बारे में बताया गया है कि 25 मार्च 2020 को 7 करोड़ 11 लाख रुपये और 6 अप्रैल 2020 को 75 करोड़ 58 लाख रुपये नेशनल हेल्थ मिशन के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी किया गया। इसके अलावा यह भी बताया गया है कि कोविड 19 महामारी सहित राज्य आपदा प्रबंधन के मद में 3 अप्रैल को 245 करोड़, 50 लाख रुपये प्राप्त हुए। वित्त विभाग ने 20 अप्रैल 2020 को 75 करोड़ 8 लाख रुपये, 22 अप्रैल को 61 करोड़ 5 लाख रुपये नेशनल हेल्थ मिशन हरियाणा को निर्गत किया। इसके अतिरिक्त 30 जून 2020 को 3 सौ 4 करोड़ 23 लाख रुपये राजस्व एवम आपदा प्रबन्धन विभाग हरियाणा को जारी किया गया है।

एक अन्य सवाल के जवाब में बताया गया है कि हरियाणा सरकार द्वारा 14 जुलाई 2020 तक 8 सौ 99 करोड, 6 लाख रुपये कोविड 19 महामारी से निपटने के लिए विभिन्न विभागों को जारी किया गया है किन्तु आश्चर्य की बात है कि वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया है कि किस मद में कितनी रकम खर्च हुआ, मसलन तिवारी ने बिंदु संख्या-3 में पूछा था कि फरीदाबाद रेडक्रॉस सोसाइटी को फरीदाबाद जिले के लिए कब और कितनी रकम दी गयी, बिंदु संख्या 4 में खर्च का ब्यौरा मांगा गया है, साथ ही तिवारी ने अपने आवेदन पत्र में यह भी पूछा था कि रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा किन-किन स्वंय सेवी संस्थाओं को भोजन पैकेट वितरण के लिए कितनी रकम दी गयी, एक पैकेट का खर्च कितना हुआ और किन-किन क्षेत्रो में और कितने भोजन के पैकेट वितरण किये गये। किंतु वित्त मंत्रालय द्वारा इन प्रश्नों का जवाब न देने से ऐसा प्रतीत होता है कि कोविड 19 महामारी के लिए केंद्र द्वारा जारी करोड़ों रुपये के धन राशि का लाभ आम जनता को कम मिला और स्थानीय स्तर पर व्यापक पैमाने पर गोल माल की जा रही है। तिवारी ने इस सम्बन्ध में संज्ञान लेकर विस्तृत व सघन रूप से उच्च स्तरीय जांच की जरूरत बताई है।

सड़क पर उतर सीपी ने की लोगों से बातचीत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कमिश्नर ओपी सिंह लोगों से मिलने सड़कों पर उतरे। कोतवाली थाना के अंतर्गत एफ ब्लॉक में बीट के तहत आमजन से रूबरू हुए। उन्होंने हाल ही में बीट सिस्टम को रिवाइज किया था। एफ ब्लॉक बीट मे करीब डेढ घंटा तक घरों में रह रहे लोगों से और दुकानदारों से हुए मुखातिब होकर उन्होंने उनकी समस्याएं जानी।

जानकारी के मुताबिक शहर में क्राइम कंट्रोल करने और लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास जगाने के लिए पुलिस कमिश्नर खुद बुधवार को सड़कों पर उतरे हैं। उन्होंने कोतवाली थाना क्षेत्र के एफ ब्लाक में स्थित पार्क में लोगों से उस क्षेत्र के बीट इंचार्ज एएसई प्रदीप को मुखातिब कराते हुए बताया कि अब से कोई भी समस्या हो तो आप इनको पहले बताएं। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि हर थाना क्षेत्र में हर बीट इंचार्ज को 250 परिवारों की जिम्मेदारी दी जाएगी। हर बीट इंचार्ज इन परिवारों का पूरा ब्योरा रखेगा और हर परिवार के मुखिया का नंबर भी उसके पास रहेगा। ऐसे में क्षेत्र में होने वाली हर गतिविधियों से वो अवगत रहेगा। इसके साथ ही बीट इंचार्ज अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर अपना नंबर लोगों को बांटेगा जिससे कोई भी समस्या होने पर लोग उससे सीधा संपर्क करें।

बुधवार को जन्माष्टमी के मौके पर कृष्ण-राधा की भूमिका में बच्चे।

फर्रुखनगर खंड के पांच गांवों को निगम में शामिल करने पर रोष

ग्रामीण बोले, हम नहीं चाहते नगर निगम में शामिल होना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सरकार द्वारा नगर निगम गुरुग्राम का दायरा बढ़ाने के चलते खंड फर्रुखनगर के पांच गांवों को शामिल करने के चलते ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। गांवों के मौजिक लोगों ने सोशल डिस्टेंस के साथ बैठक करके सरकार से मांग करते हुए कहा है कि उनके गांवों को निगम में शामिल ना किया जाये। 14 अगस्त को चार गांव के प्रतिनिधि मंडल सदस्य उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को मांग पत्र सौंपेंगे।

बता दें कि फर्रुखनगर खंड के गांव कासन, ढाणा, बांस कुसला, बांस हरिया व भांगरोला को नगर निगम गुरुग्राम में सरकार द्वारा शामिल किए जाने की योजना तैयार की जा रही है। सरकार के इस कार्य से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि वे नगर निगम में नहीं जाना चाहते। वे पंचायती तौर पर ही गांव में रहकर अपने गांव के विकास के पक्षधर हैं।

बीती 15 जुलाई को ग्रामीणों ने बैठक करके सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके गुरुग्राम नगर निगम में शामिल किए जाने का विरोध जताया था। अमर शहीद संदीप कुमार मैमोरियल विकास कमेटी ढ़ाणा के चेयरमैन समुंद्र सिंह धनखड़, कैप्टन प्रेमपाल कासन, रमेश प्रधान कासन, सत्यदेव शर्मा सरपंच कासन, प्रहलाद पूर्व सरपंच बांस कुसला, धर्मपाल सरपंच, गब्बू सरपंच, मूलचंद पूर्व सरपंच, प्रवीण सरपंच ढाणा, पूर्व सरपंच हरिप्रकाश शर्मा, तेजू ठेकेदार, रामपाल ढ़ाणा आदि ने बताया कि चारों गांवों से 14 अगस्त को एक प्रतिनिधिमंडल अपनी मांग को लेकर उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से मुलाकात करेंगे। उनके गांवों को मारुति कम्पनी ने गोद लिया हुआ है। कम्पनी द्वारा ही गांवों में विकास कार्य एवं मूलभूत सुविधाएं मुहिया कराई जाती है।

गुरुग्राम इन चारों गांवों से करीब 22 से 23 किलोमीटर की दूरी पर है। इसलिए इन गांवों को नगर निगम में शामिल करने का कोई औचित्य ही नहीं बनता है। ग्रामीण पंचायत से ही संतुष्ट है।

चारों गांवों का विकास करने को मारुति ने ले रखा है गोद

जल्द ही उप-मुख्यमंत्री को सौंपेंगे मांग पत्र

बंधवाड़ी अनाथ आश्रम में धूमधाम से मनाई जन्माष्टमी

गुरुग्राम के गांव बंधवाड़ी स्थित द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन परिसर में जन्माष्टमी कार्यक्रम में नृत्य करतीं कृष्ण-राधा बनी महिलाएं।

गुरुग्राम। बंधवाड़ी गांव स्थित द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन अनाथ आश्रम में जन्माष्टमी का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कोरोना वायरस के भय के चलते जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में खासतौर पर झांकियां बनाई, जिसमे एक भव्य गुफा भी बनाई गई और सब लोगों ने गुफा में जाकर दर्शन किये।

सावन के फूलों के साथ श्रीकृष्ण पालकी झूला लगाया गया। सभी अनाथ वृद्ध व बेसहारा लोगों को मिठाई व लड्डू बांटे गये। सभी ने भजन कीर्तन का आनन्द उठाया। इस शुभ अवसर पर सशस्त्र सीमा बल की संदीक्षा इकाई की प्रधान सचिव अमीता नेगी मीनाक्षी जोशी और मुन्नी व सशस्त्र सीमा बल के जवानो ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की तरफ से गुरु सरबजीत सिंह भी उपस्थित रहे। दी अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन के संस्थापक रवि कालरा ने बताया की संस्था की जांबाज समर्पित समाज सेविकाओं ने कार्यक्रम के दौरान स्पेशल परम्परा के तहत सांस्कृतिक पोशाकें पहन कर श्रीकृष्ण रासलीला का आयोजन भी किया, जिसने सभी लोगों का मन मोह लिया।

गुरुग्राम: वेटनरी डॉक्टर पर किशोरी से दुष्कर्म का आरोप अब ब्लैकमेल भी कर रहा

जान से मारने की धमकी भी देने का लगाया गया है आरोप

गुरुग्राम। जिला के खंड फर्रुखनगर में एक किशोरी से दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। दुष्कर्म का आरोप एक वेटनरी डॉक्टर व उसके दोस्तों पर लगा है। आरोप यह भी है कि किशोरी को दो माह से जान से मारने की धमकी देकर यौन शोषण किया जा रहा था। पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन ने बुधवार को बताया कि आरोपी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जानकारी के अनुसार किशोरी के पिता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि डाबोदा निवासी वेटनरी डॉक्टर अजय व उसके दोस्त रणसिंह उनकी 15 वर्षीय बेटी को बहला-फुसला अपने साथ ले गए थे। जहां डॉक्टर ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी पीड़िता को घटना का किसी से न बताने की धमकी देकर घर के पास छोड़ गए। इसके बाद आरोपी फोन कर पीड़िता को ब्लैकमेल कर रहा था। मंगलवार को परेशान होकर पीड़िता ने आपबीती अपनी मां को बता दी। परिजनों की मदद से महिला थाना मानेसर में मंगलवार की देर रात पोक्सो एक्ट समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज करा दिया गया।

सीएम दरबार में पहुंचेगा तावडू की अव्यवस्था का मामला

गली खुद पड़ी है पर काम नहीं हो रहा

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

शहर की सीवरेज व पेयजल व्यवस्था को लेकर जारी कार्य में में बरती जा रही है। लापरवाही को लेकर पार्षदों का बुधवार को एक बार फिर से देखने को मिला। अभी पिछले पखवाड़े ही नपा चेयरपर्सन मनीता गर्ग के नेतृत्व में पार्षदों ने जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के एसडीई त्रिलोकचंद मंगला से बात की।

पार्षदों की समस्या सुनने के बाद एसडीई ने भरोसा दिया था कि सूचीबद्ध समस्याओं का अतिशीघ्र निवारण होगा। अब समस्याओं का निदान न होता देख एक बार फिर पार्षदों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। जिसको लेकर पार्षदों ने मुख्यमंत्री को लिखित रूप से शिकायत भेज समस्या निवारण की बात कही है। नपा चेयरपर्सन मनीता गर्ग के नेतृत्व में नपा उपाध्यक्ष कर्म सिंह, पार्षद ज्ञानीराम वर्मा, शशिबाला, सुरेंद्र प्रजापति, माया देवी, सुंदरवती, पोप सिंह व भाजपा कार्यकर्ता नरेश ढ़ल ने कहा कि जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा नगरपालिका क्षेत्र में सीवरेज व पेयजल पाइपलाइन बिछाने का कार्य वर्षों से जारी है। कछुआ गति से कार्य चल रहा है। बीच में कई बार कार्य रूका भी है। ये कार्य कब पूरा होगा नहीं मालूम।

मानसून सिर पर है व जब भी बारिश होती है पूरा शहर दलदल में तब्दील हो जाता है। शहर की कोई गली ऐसी नहीं, जोकि समुचित तरीके से हो। विभाग ने सभी गलियों को खोदकर पटक रखा है। एक गली का कार्य पूरा होता नहीं कि दूसरी में कार्य चालू हो जाता है। जनमानस के मन मस्तिष्क में यह बात बैठी पड़ी है कि ये कार्य नगरपालिका करवा रही है। जिसके चलते नपा में पूरे दिन लोगों का इन समस्याओं को लेकर तांता लगा रहता है। जिसके चलते हम भी लोगों को समुचित जवाब नहीं दे पाते व लोगों ने सीवरेज व पेयजल व्यवस्था को लेकर उनका जीना दूभर कर दिया है।

अगर इस और गंभीरता से ध्यान नहीं दिया तो मानसून में शहर बहुत ही दुर्व्यवस्था से गुजरेगा। शहर में हर और दलदल व गंदगी होगी जिससे लोग हादसों की चपेट में आने के साथ बीमारियों से भी ग्रस्त होंगे। एसडीई त्रिलोकचंद का कहना है कि जितनी समस्या पार्षदों ने सूचीबद्ध की है। दरअसल इतनी समस्याओं मूल धरातल पर नहीं है। शहर की एक-दो गलियों में जरूरत समस्या है। उनके तुरंत प्रभाव से निवारण को लेकर जेई व ठेकेदार को आदेश कर दिए हैं।

एसडीई के समक्ष अपनी बात रखते पार्षद।

धानावास गांव में चलाया साप्ताहिक सफाई अभियान

पायनियर समाचार सेवा। फर्रुखनगर

खण्ड के गांव धानावास से गन्दगीमुक्त भारत अभियान के तहत साप्ताहिक सफाई अभियान का शुभारम्भ किया गया। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के खण्ड समन्वयक सुशील यादव की अगुवाई में ग्रामीणों के साथ मिलकर शुरू किया गया।

पूरे सप्ताह अलग अलग गांव में विभिन्न कार्यक्रम कराए जाएंगे। मसलन एक बार प्रयोग में लाए जाने वाले प्लास्टिक का कचरे से अलग कराया जाएगा। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए वाल पेंटिंग का कार्य कराया जाएगा। उसके अलावा रंगाई पुताई,गांव में श्रमदान के द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम होगा। छठी से 8वीं तक के बच्चों के लिए गंदगी मुक्त मेरा गांव पर आधारित निबंध प्रतियोगिता कराई जाएगी। पीएचसी की सफाई एवं सैनिटाइज किया जाएगा।

गांव को गन्दगीमुक्त घोषित करने के लिए ग्राम सभाओं का कार्यक्रम होगा। धानावास गांव में अभियान के दौरान सरपंच जिले सिंह, ग्राम सचिव बलवान सिंह एवं गांव की स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की टीम के सदस्यो विजय सिंह, हेमलता, पिंकी, आशारानी, मंजु आदि के अलावा काफी ग्रामीणों का सहयोग रहा।

गुरुग्राम के गांव धानावास में साप्ताहिक सफाई अभियान में सफाई करते महिलाएं और पुरुष।

विशेष अभियान के तहत बांटे मास्क

पायनियर समाचार सेवा। फर्रुखनगर

कोरोना महामारी की रोक थाम के लिए नपा द्वारा मंगलवार को कस्बा के विभिन्न स्थानों पर दो गज दूरी मास्क जरूरी विशेष जागरूकता अभियान चला का लोगों को 1000 से अधिक मास्क नि:शुल्क वितरण किए गए। कार्यक्रम का शुभारम्भ नपा के मनोनित पार्षद एडवोकेट नरेश राव व पालिका सचिव केके यादव ने किया।

पालिका सचिव केके यादव ने बताया कि नगरपालिका द्वारा सभी के मास्क पहनने की अनिवार्यता के लिए विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत पालिका क्षेत्र के मुख्य बाजार, सड़क, बस अड्डे आदि पर खरीददारी करने पहुंचे लोगों व दुकानदारों जिन ने मास्क नहीं लगाए हुए थे। उन्हे नि:शुल्क मास्क बांटे गए है। साथ ही दो दिन के लिए बिना मास्क वाले लोगों के चालान काटे जाने के अभियान को स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान के बाद अगर कोई बिना मास्क के घर से बाहर निकलता है तो नपा द्वारा 500 रुपए का चालान काटा जाएगा। इस मौके पर एडवोकेट संदीप यादव, मास्टर जेपी यादव, अशोक यादव, मुनी लाल यादव आदि मौजूद थे।

गुरुग्राम के खंड फर्रुखनगर में मास्क बांटते नगर पालिका सचिव केके यादव।

सोहना का नागरिक अस्पताल बनेगा डिजिटल

सभी कार्य होंगे ऑनलाइन, मरीजों का डाटा होगा दर्ज

नरेश कुमार। सोहना

सोहना के नागरिक अस्पताल में सभी कार्य ऑनलाइन प्रणाली से होंगे। नागरिक अस्पताल में पंजीकरण से लेकर ओपीडी, सामान्य वार्ड, ऑपरेशन थिएटर वार्ड, आपातकाल वार्ड के सभी कार्य ऑनलाइन से जोड़ने की कवायद शुरू कर दी गई है। सोहना के नागरिक अस्पताल में आने वाले प्रत्येक रोगी का डाटा अब ऑनलाइन किया जाएगा।

रोगी ने कब अपना पंजीकरण कराया, किस डॉक्टर से अपनी बीमारी को लेकर परामर्श लिया। डॉक्टर ने रोगी को कौन-कौन सी दवा उपचार के दौरान दीं। इतना ही नहीं रोगी कितने समय कब और कहां रहा। दवा वितरण केन्द्र को भी ऑनलाइन से जोड़ा जाएगा। ताकि अस्पताल में कब और कौन-कौन सी दवा दी गई। इसके साथ अस्पताल में दवा का स्टॉक और उसके कब कौन सी दवा न होने की जानकारी ऑनलाइन रहेगी। जिससे रोगी द्वारा दवा लेने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन में दर्ज होगी। दूसरी बार दवा लेने के लिए आने वाला रोगी यदि किसी कारण से अपना पंजीकरण कार्ड लेकर नहीं आता है तो ऐसे हालात में रोगी डॉक्टर के पास जाकर अपना पंजीकरण नंबर बताकर परामर्श व दवा ले सकेगा।

सोहना का नागरिक अस्पताल।

डॉक्टर की लापरवाही पर होगी पैनी नजर

ऑनलाइन प्रक्रिया से आरंभ होने से डॉक्टर अब रोगी को उपचार देने या उससे सही से परामर्श न करने में कोताही नहीं बरतेंगे। क्योंकि डॉक्टर को प्रत्येक रोगी का डाटा अपनी टेबल पर रखा कंप्यूटर में दर्ज करते हुए ऑनलाइन करना होगा। ताकि किसी भी रोगी की शिकायत पर नागरिक अस्पताल का अधिकारी ऑनलाइन डॉक्टर द्वारा रोगी को दिये उपचार की जानकारी ऑनलाइन की जा सके।

डॉक्टर की कार्यप्रणाली पर नहीं उठा सकेंगे सवाल

नागरिक अस्पताल में झगड़ालू प्रवृति के रोगी अब डॉक्टर की कार्यप्रणाली पर अंगुली नहीं उठा सकेंगे। विशेषकर अस्पताल के आपातकाल वार्ड में आए दिन डॉक्टरों पर रोगी को न देखने का आरोप लगाते हुए विरोध-प्रदर्शन होते रहे हैं। कई बार उपचार के दौरान रोगी की मौत होने को लेकर झगड़े हुए हैं। ऐसे में डॉक्टर रोगी को दिये उपचार के साथ-साथ ऑनलाइन में दर्ज करेगा। डॉक्टर ने रोगी को कब और कौन सी दवा दी। डॉक्टर ने रोगी से परामर्श के बाद जरूरत पड़ने पर किस समय अन्य अस्पताल के लिए रेफर किया। यह सब डॉक्टर को ऑनलाइन करना होगा। ताकि डॉक्टर पर अंगुली उठाने वालों को तुरन्त जवाब मिल सकेगा।

एक से डेढ़ माह में होगा कार्य पूरा

नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया कि नागरिक अस्पताल की हर गतिविधि ऑन लाइन होगी। अस्पताल में ऑन लाइन प्रक्रिया चालू होने में एक से डेढ़ माह का समय लगेगा। ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने के कार्य को अंजाम दे दिया गया है।

मृतक कर्मचारी की पत्नी को सौंपा 3 लाख का चेक

फर्रुखनगर पालिका सचिव के के यादव मृतक सफाई कर्मचारी की विधवा कोमल को तीन लाख रुपये का चेक भेंट करते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। फर्रुखनगर

नगरपालिका सचिव के के यादव ने मंगलवार को मृतक सफाई कर्मचारी सिद्धू वाल्मीकि की पत्नी को सरकार द्वारा दी गई सहायता राशि के रुप में तीन लाख रुपये का चेक सौंपा। साथ ही आश्वासन दिया कि पालिका द्वारा पिड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

सचिव केके यादव ने बताया कि गत वर्ष नगरपालिका फर्रुखनगर में कार्यरत सफाई कर्मचारी सिद्धू वाल्मीकि की बिमारी के चलते मृत्यु हो गई थी। जिसके चलते पीड़ित परिवार की सहायतार्थ उन्होंने सरकार के नियमों व योजनाओं के तहत सभी जरुरी कार्रवाई को अमल में लाया गया। जिसके तहत पीड़ित परिवार की सहायता के लिए सरकार द्वारा तीन लाख रुपए की सहायतार्थ राशि स्वीकृत की गई है।

मंगलवार को नपा कार्यालय परिसर में मृतक सफाई कर्मचारी सिद्धू वाल्मीकि की विधवा कोमल को सहायता राशि का चैक भेंट किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त भी पीड़ित के परिवार की सहायता के लिए सरकार के नियमों के अनुसार व स्टाफ द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बीपीएल कॉलोनी में बिजली लगवाने की मांग

नूंह। जिले के नगीना खंड के गांव बलई में बसी बीपीएल कॉलोनी में बिजली की सुविधा न होने के कारण गरीब परिवार के लोगों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ रही है। बीपीएल परिवारों के लोगों का कहना है कि क्या हम गरीब हैं, इसलिए हमें बिजली नहीं दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले महीने नगीना एसडीओ को इस मामले में शिकायत भी दी जा चुकी है, जिस पर आज तक कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई है। समाजसेवी जुनेद ने बताया कि उनके गांव में बीपीएल कॉलोनी में दर्जनभर से अधिक परिवार रहते हैं। जिनके लिए आज तक बिजली की कोई सुविधा नहीं कराई गई है। जो मजबूरी के चलते अंधेरे में रात गुजार रहे हैं। जुनेद ने बताया कि बीपीएल परिवारों तक बिजली पहुंचाने के लिए कई बार नगीना एसडीओ व जेई को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। लोगों ने बीपीएल कालोनी में जल्द बिजली लगवाने की मांग की है। ताकि अंधेरे में रात ना गुजारनी पड़े।

अदालत ने हत्यारोपी बेटा जेल भेजा

सोहना। अदालत ने मां का कत्ल करने के आरोप में आरोपी बेटे को 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। रिमांड के दौरान पुलिस ने कुल्हाड़ी बरामद की है। भोंडसी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर धीरज कुमार ने बताया कि गांव सिहरौल की ढाणी निवासी प्रेमपाल ने जांच अधिकारी एसआई ओमप्रकाश को पूछताछ के दौरान वह कुल्हाड़ी बरामद करा दी है। जिससे प्रेमपाल ने अपनी 65 वर्षीय मां की हत्या की थी।

'गंदगी मुक्त भारत' के तहत जागरुकता अभियान शुरू

सोहना। 'गंदगी मुक्त भारत' अभियान के तहत खंड की सभी 38 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता का अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों को गंदगी मुक्त बनाने के साथ-साथ ग्रामीणों को घरेलू कूड़ा कूड़ेदान में डालने और अपने आस-पास गंदगी न फैलने को लेकर जागरूक किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आठ से 15 अगस्त तक देश भर में शुरू हुए गंदगी मुक्त भारत अभियान के तहत सोहना खंड की 38 ग्राम पंचायतों में अभियान शुरू किया है। मंगलवार को ग्राम पंचायत चूहड़पुर में रात्रि चौपाल का आयोजन कर सरपंच राजबीर और ब्लॉक कोडिनेटर गौरव कुमार ने गांव को गंदगी मुक्त बनाने के लिए योजनाओं बारिकी से समझाई। गौरव कुमार ने बताया कि उनकी टीम खंड की सभी ग्राम पंचायतों के साथ तालमेल करके यह चौपाल का आयोजन कर रही है। चौपाल बैठकों में ग्रामीण अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रमेन्द्र सिंह ने बताया कि गंदगी मुक्त भारत अभियान के तहत अलग-अलग तरीके से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है।

25 अगस्त तक करा सकते हैं ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किसान

नूंह। जवार, बाजरा, ग्वार व तिलहन आदि की फसल को मंडियों में बेचने के लिए मेरी फसल-मेरा ब्योरा पर 25 अगस्त तक किसान अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। बिना रजिस्ट्रेशन वाले किसानों की फसलों को मंडिया में सरकारी रेट पर नहीं खरीदा जाएगा। यह जानकारी नूंह के डीसी पंकज ने दी। उन्होंने बताया कि सरकारी रेट पर फसलों को बेचने के लिए किसानों को रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। जिसके लिए 25 अगस्त तक का समय दिया गया है। डीसी ने बताया कि इस संबंध में टोल फ्री नंबर 1800-180-2117 पर भी फोन करके जानकारी प्राप्त की जा सकती है। पंजीकरण करवाने के लिए किसान का खेवट, मुस्तिल व मुरब्बा खसरा नंबर आदि देख कर भरें ताकि कोई गलती ना हो। इसमें आधार कार्ड, फसल का नाम, किस्म व बुआई का समय भरना होगा। इसके अलावा बैंक के आईएफएससी कोड व बैंक अकाउंट संख्या भरनी होगी। इसके अलावा किसानों को अपना मोबाइल नंबर भी दर्ज कराना होगा। रजिस्ट्रशन के लिए सीएससी सेंटर पर संपर्क कर सकते हैं।

नवकल्प की ओर से 15 अगस्त को रक्तदान शिविर

गुरुग्राम। रक्त की कमी की पूर्ति करने को नवकल्प फाउंडेशन कोरोना काल के दौरान लॉकडाउन से ही रक्तदान शिविरों का आयोजन करता आ रहा है। थैलिसीमिया के मरीजों को ध्यान में रखकर संस्था अधिक से अधिक रक्तदान कराकर मरीजों को जीवन देने की दिशा में प्रयासरत है। इसी कड़ी में 15 अगस्त स्वाधीनता दिवस पर नवकल्प की ओर से चौथा रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। नवकल्प फाउंडेशन के महासचिव डा. सुनील आर्य ने बताया कि स्वाधीनता दिवस के मौके पर रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी व मिशन जीरो कोरोना के सहयोग से 15 अगस्त 2020 को यह रक्तदान शिविर न्यू कालोनी पुलिस थाना के निकट जतिन विरमानी बैडमिंटन कोर्ट में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगाया जा रहा है। थैलीसीमिया के मरीजों के लिए लगाए जा रहे इस शिविर में रोटरी क्लब के ब्लड बैंक की ओर से ब्लड लिया जाएगा। कोरोना काल में नवकल्प फाउंडेशन का यह चौथा शिविर है।

गुरुग्राम में बुधवार को आए 98 केस, एक की मौत

गुरुग्राम। बुधवार को जिले में कोरोना के 98 पॉजिटिव केस आए और 1 की मौत हो गई। अब जिले में कुल कोरोना पॉजिटिव 9938 हो गए हैं और कुल 127 मौतें हो चुकी हैं। अब तक 9137 ठीक हो चुके हैं। बुधवार को नगर निगम के जोन-1 में 19 केस, जोन-2 में 16 केस, जोन-3 में 17 केस और जोन-4 में 26 केस पॉजिटिव आए। इसी तरह पटौदी खंड में 16 केस, फर्रुखनगर में 0 व सोहना खंड में 4 नए कोरोना के केस आए। बुधवार को 82 मरीज ठीक हुए। अब यहां कुल पॉजिटिव केसों की संख्या 674 रह गई है। जिले में अभी तक 134909 लोगों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 105097 ने यह पीरियड पूरा कर लिया है। वहीं 29812 अभी भी सर्विलांस पर हैं। कुल 129075 के सेंपल लिए गए, जिनमें से 117317 के सेंपल नेगेटिव आए हैं।

निराशाजनक परीक्षा परिणाम देने वाले स्कूलों को नोटिस

गुरुग्राम। हरियाणा शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में संतोषजनक परीक्षा परिणाम न आने वाले जिले के 4 स्कूलों को प्रदेश के शिक्षा निदेशालय द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, जिनमें स्कूलों के मुखियाओं से स्पष्टीकरण मांगा गया है। बताया जाता है कि 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं में जहां इस बार गत वर्ष की अपेक्षा परीक्षा परिणाम बेहतर रहे हैं, वहीं कई राजकीय स्कूल ऐसे भी हैं जो 40 प्रतिशत तक भी परीक्षा परिणाम नहीं ला सके हैं। जानकारों का कहना है कि गुड़गांव ब्लॉक से ऐसे स्कूलों में एक और सोहना ब्लॉक के 3 राजकीय स्कूलों को अच्छा परीक्षा परिणाम यानि कि 40 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम आने पर इन स्कूलों के मुखियाओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे इस संबंध में स्पष्टीकरण भी मांगा है। इन स्कूलों में सोहना खंड के गांव हाजीपुर स्थित राजकीय विद्यालय का 10वीं का परीक्षा परिणाम मात्र 11 प्रतिशत रहा बताया जाता है। इसी प्रकार गांव हरचंदपुर के राजकीय विद्यालय का परीक्षा परिणाम 22 प्रतिशत और घामडोज का 39 प्रतिशत रहा है। जानकारों का कहना है कि शिक्षा विभाग ने निराशाजनक परिणाम आने वाले इन स्कूलों पर विशेष निगरानी रखने का निर्णय भी लिया है।

किराया माफी को लेकर कुविवि मार्केट रही बंद

जजपा नेता योगेश शर्मा ने दुकानदारों से की मुलाकात

दुकानदारों की समस्याओं का कराया जाएगा समाधान : योगेश शर्मा

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

जजपा नेता योगेश शर्मा को अपनी समस्या से अवगत कराते कुविवि कैंपस के दुकानदार।

किराया माफी को लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कैंपस के सभी दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रख कर रोष व्यक्त किया। दुकानदारों का कहना है कि कुविवि प्रशासन द्वारा उन पर जून, जुलाई और अगस्त महीने का किराया देने का दवाब बनाया जा रहा है।

मार्च के अंतिम सप्ताह से आंरभ हुए लॉकडाउन से लेकर अनलॉक में आज के दिन तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिसर में पढ़ाई बंद होने, विद्यार्थियों का आवागमन न होने और कुविवि में पब्लिक डीलिंग बंद होने की वजह से दुकानों पर कोई भी ग्राहक नहीं आ रहा। इसके बावजूद कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कैंपस और हॉस्टल के किरायेदार दुकानदारों का मीटर चालू है। इसी किराये को माफ कराने की मांग को लेकर कुविवि कैंपस के सभी दुकानदारों ने रोष स्वरूप अपनी दुकानें बंद रखी। दुकानदारों की मांग है कि जब तक यूनिवर्सिटी पूरी तरह खुल न जाए, विद्यार्थियों का आवागमन शुरु न हो जाए, तब तक उनका किराया माफ किया जाए। दुकानदारों की इसी समस्या और उसके समाधान को लेकर आज जजपा नेता योगेश शर्मा ने यूनिवर्सिटी मार्केट में पहुंचे। दुकानदारों ने उनके समक्ष अपनी समस्या को रखते हुए बताया कि 23 मार्च से लॉकडाउन के बाद उनकी दुकानदारी आज तक पूरी तरह से ठप पड़ी है। पब्लिक डीलिंग बंद होने के कारण ग्राहक उनकी दुकानों पर आ ही नहीं रहे। छात्रावासों में भी विद्यार्थी न होने के कारण दुकानें बंद है। सभी दुकानदार पहले से ही मंदी की मार झेल रहे हैं। उन सबकी दुकानदारी पूरी तरह ठप हो चुकी है। ऐसे में वे सब किराया देने में असमर्थ हैं। इसलिए उनका किराया यूनिवर्सिटी खुलने तक माफ किया जाना चाहिए। जजपा नेता योगेश शर्मा ने दुकानदारों की समस्या को सुनने के बाद तुरंत कुलपति नीता खन्ना से बातचीत की और दुकानदारों की समस्या का समाधान करने की मांग की। कुलपति के कार्यालय में न होने की स्थिति में कुछ दिनों बाद मुलाकात और बातचीत करने का आश्वासन दिया गया।

जजपा नेता योगेश शर्मा ने कहा कि वे दुकानदारों की इस समस्या का हल कराने के लिए तैयार हैं। इसके लिए भले ही उन्हें मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री अथवा राज्यपाल से भी क्यों न मुलाकात करनी पड़े। बता दें कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कैंपस में लगभग 55 दुकानदार हैं, जबकि कुविवि के विभिन्न छात्रावासों में भी लगभग 15 दुकानदार हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोरोना महामारी के चलते इन दुकानदारों का अप्रैल और मई माह का किराया माफ किया गया था, लेकिन अब उन पर जून, जुलाई, अगस्त का किराया भरने का दबाव बनाया जा रहा है।

कृषि यंत्रों के लिए 21 तक कराएं पंजीकरण

कैथल। उपायुक्त सुजान सिंह ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा 2020-21 के लिए फसल अवशेष प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रों को अनुदान के लिए 21 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। किसान विभाग की वेबसाइट www.agriharyanacrm.càæm पर आवेदन पंजीकरण करवा सकते हैं।

उपायुक्त सुजान सिंह ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा इन-सीटू क्रॉप रेजीडयू मैनेजमैंट स्कीम के तहत फसल अवेशष प्रबंधन के लिए सुपर स्ट्रा मैनेजमैंट सिस्टम यानि एसएमएस, हैप्पी सीडर, पैडी स्ट्रा चोपर/ शेडर, मल्चर, शर्व मास्टर, रोटरी स्लेशर, रिवर्सिबल एमबी प्लो, सुपर सीडर, जीरो टिल ड्रील मशीन, बेलर और रेक, क्रॉप रीपर (ट्रैक्टर चालित, स्वयं चालित, रीपर कम बाईडर) पर अनुदान देने के लिए ऑनलाइन आवेदन 21 अगस्त तक आमंत्रित किए गए हैं। लक्ष्यों से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर लाभार्थियों का चयन ड्रॉ या लाटरी के माध्यम से किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बिना मास्क घूम रहे लोगों को नपा की टीम ने बांटे फेस मास्क

रादौर। नगर पालिका की ओर से बुधवार को बिना मास्क के घूम रहे स्थानीय लोगों को नि:शुल्क 200 मास्क वितरित किये। नपा की टीम ने लोगों को महामारी से बचने के लिए मास्क का इस्तेमाल करने की अपील की। नगर पालिका की टीम ने शहर के मेन बाजार, अस्पताल रोड, बस स्टैंड रोड, बुबका चौक, पर लोगों को मास्क वितरित किये। इस अवसर पर नपा सफाई निरीक्षक सरदार हरजीत सिंह ने बताया कि नगर पालिका की ओर से बिना मास्क के घरों से बाहर निकले लोगों को मास्क बांटकर महामारी से बचने के लिए जागरूक किया है। उन्होंने कहा कि हम केवल मास्क पहनकर ही महामारी से बच सकते हैं और दूसरों को भी बचा सकते हैं। आपस में सामाजिक दूरी बनाये रखें और हाथों को समय समय पर धोते रहें। इस अवसर पर नपा सफाई निरीक्षक सरदार हरजीत सिंह, कंवरभान, अभिषेक, शुभम आदि मौजूद थे।

मून स्टार प्री स्कूल ने धूमधाम से मनाई जन्माष्टमी

रादौर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष पर मून स्टार प्री स्कूल ने ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। प्रतियोगिता में बच्चों ने सुंदर वेशभूषा धारण कर राधा-कृष्ण का रूप धरा। इन प्रतियोगिताओं के परिणाम में मन्नत प्रथम, सानवी द्वितीय और युक्ति तृतीय स्थान पर रही। कृष्ण वेशभूषा में गृतिक प्रथम, ध्रुव एवं अगम द्वितीय और आयुष नवयांश तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल पूजा मटिया ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण से हमें सीखना चाहिए कि किस तरह से हर परिस्थिति का सामना करें। उन्होंने कंस का संहार करके लोगों को अत्याचारों से मुक्ति दिलाई। द्रोपदी की लाज बचाकर उन्होंने दर्शाया कि हमें स्त्रियों को सम्मान करना चाहिए तथा कही भी स्त्री पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए।

विभिन्न संगठनों ने डॉ. खैहरा के पिता के निधन पर जताया शोक

कुरुक्षेत्र। जननायक जनता पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष डा. जसविंदर खैहरा के पिता रवैल सिंह के निधन पर विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, स्वयंसेवी व धार्मिक हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। थानेसर के विधायक सुभाष सुधा ने भी दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। जजपा के राष्ट्रीय महासचिव बृज शर्मा, हलकाध्यक्ष इंद्री गुरदेव रम्भा, जिला परिषद के चेयरमैन गुरदयाल सुनेहडी, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर, हल्का गुहला विधायक ईश्वर सिंह के पुत्र रणधीर सिंह, शिरोमणि अकाली दल हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता कवलजीत सिंह अजराना, सतनाम सिंह विर्क अजराना खुर्द, रणवीर सिंह गिल, सुनील गोयल, नछत्तर सिंह मल्हान, कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी विभाग कुरुक्षेत्र अमित मनुजा, उपमंडल अधिकारी पीडब्ल्यूडी पिहोवा सुरेंद्र सिंह भी शोक व्यक्त करने उनके निवास पर पहुंचे।

घोटालों के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन आज

कुरुक्षेत्र। भाजपा सरकार में हो रहे घोटालों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 13 अगस्त को लघु सचिवालय पर प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस के पूर्व संगठन सचिव सुभाष पाली ने देते हुए बताया कि प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा व विधायक मेवा सिंह करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर पूरे हरियाणा में जिला स्तरीय प्रदर्शन किए जाएंगें। उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन देकर सभी घोटालों की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला गुरुद्वारा साहिब पहुंचेंगे कल

शाहाबाद मारकंडा। हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला शाहाबाद के गांव खरींडवा में गुरुद्वारा श्री खड़ग खंडा साहिब में 14 अगस्त को शीश नवाने पहुंचेंगे। इसे लेकर श्री अकाल सहाय सेवा सोसायटी की मीटिंग चेयरमैन गुरदीप सिंह चढूनी जटान की अध्यक्षता में गुरुद्वारा श्री खड़ग खंडा साहिब खरींडवा में हुई। गुरुद्वारा साहिब के जत्थेदार सज्जन सिंह खालसा ने बताया कि दुष्यंत चौटाला 14 अगस्त को साथियों सहित गुरुद्वारा साहिब नतमस्तक होने के लिए पहुंचेंगे। इस दौरान सिख संगत द्वारा उनका अभिनंदन किया जाएगा। अभिनंदन की रूपरेखा तय करने के लिए सभी सदस्यों व पदाधिकारियों ने विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के लिए शाहाबाद के विधायक रामकरण का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। सज्जन सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में विधायक रामकरण के साथ जजपा प्रदेश सचिव कुलदीप सिंह मुल्तानी भी पहुंचेंगे। इस दौरान करनैल सिंह, बचन सिंह, जगीर सिंह, राम सिंह, कर्म सिंह, लक्ष्मण सिंह, गुरदेव सिंह और स्वर्ण सिंह अन्य मौजूद रहे।

449वें नेत्रदानी बने जग प्रकाश आर्य

शाहाबाद मारकंडा। पतासा बाजार शाहाबाद निवासी 78 वर्षीय जग प्रकाश आर्य मरणोपरांत भी इस नश्वर संसार को देख पाएंगे। ऐसा उनके द्वारा नेत्रदान करने के लिए गए संकल्प से संभव हुआ है। आर्गेन डोनेट सोसायटी शाहाबाद के प्रधान पवन सचदेवा ने बताया कि जग प्रकाश आर्य का गत दिवस देहांत हो गया था। उनके पुत्र राजीव कुमार, संजीव और दीपक ने उनसे संपर्क करके अपने पिता के संकल्प से अवगत कराया। उन्होंने माधव नेत्र केंद्र करनाल से संपर्क किया। वहां से आए नेत्र रोग विशेषज्ञों ने दिवंगत जग प्रकाश के नेत्र सुरक्षित कर लिए। सचदेवा ने बताया कि इस तरह स्वर्गीय जग प्रकाश शाहाबाद के 449वें नेत्रदानी हो गए हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे नेत्रदान, शरीर दान के संकल्प फार्म भरें, ताकि मरणोपरांत वे किसी दूसरे के भी काम आ सकें।

कैथल एसपी शशांक सावन केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सम्मानित

कैथल। केंद्रीय गृह मंत्रालय भारत सरकार ने पूरे देश से पुलिस विभाग में त्वरित कार्रवाई के दौरान उत्कृष्ट अनुसंधान करके दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने वाले कुछ अनुसंधान अधिकारियों को सम्मानित किया है। जिनमें अनुसुचित वर्ग की एक नाबालिग के साथ दुराचार करने के मामले में उत्कृष्ट जांच करके चंद दिनों के मध्य न्यायालय से आरोपी को उम्रकैद और 30 हजार रुपये जुर्माने कीह सजा कराने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कैथल शशांक सावन को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सम्मानित किया है।

ट्रस्ट ने जरूरतमंद परिवार को किया सहयोग

कुरुक्षेत्र। सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट कुरुक्षेत्र इकाई ने एक निर्धन परिवार की दो बेटियों के विवाह में सहायता मुहैया करवाई है। जिला प्रधान गुलशन कुमार ग्रोवर ने बताया कि डा. एसपी सिंह ओबरॉय (दुबई) के कुशल नेतृत्व एवं सुयोग्य मार्गदर्शन में ट्रस्ट लोक भलाई के कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के जिला उपप्रधान कैप्टन गुरमेल सिंह ने अपने जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चार राशन किट परिवार को दी है, जिसमें आटा, दाल, चावल, तेल, चीनी, मसाले इत्यादि हैं। ट्रस्ट के अन्य सदस्यों ने नकद धनराशि एकत्रित करके जरूरतमंद परिवार को दोनों कन्याओं की शादी के लिए भेंट की। इस अवसर पर महासचिव सूबेदार रविंद्र कौशिक, यूथ ब्लड डोनर ऑर्गेनाइजेशन कुरुक्षेत्र के संस्थापक सुमित खत्री, मनी सिंह एडवोकेट तथा सुभाष सैनी मौजूद रहे।

भाजपा गुपचुप तरीके से आरक्षण खत्म करने का कर रही षड्यंत्र

विमर्श करते महासभा के पदाधिकारी।

कुरुक्षेत्र। ऑल इंडिया अंबेडकर महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राकेश बहादुर ने कहा कि भाजपा गुपचुप तरीके से आरक्षण समाप्त करने का षड्यंत्र कर रही है। इसलिए दलित वर्ग से संबंधित संगठनों को अधिक चौकस रहने की जरूरत है।

वे महासभा की प्रदेश अध्यक्ष रीना वाल्मीकि के निवास पर हुई बैठक में बोल रहे थे। बहादुर ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी कोरोना की आड़ में दलित एवं पिछड़ा वर्ग विरोधी फैसले कर रहे हैं, जिसे रोकने के लिए हम सब को अपनी एकता का परिचय देना होगा।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए रीना वाल्मीकि ने कहा कि जल्द ही प्रदेश के सभी जिलों की कार्यकारिणी पूरी कर ली जाएगी। ताकि समय आने पर सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जा सके। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रदेश के सभी 90 हल्कों में सरकार के खिलाफ बिगुल बजाने से भी महासभा पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही महासभा जिला स्तरीय दलित एवं पिछड़ा सम्मेलन करने पर भी विचार कर रही है। रीना वाल्मीकि के मुताबिक यह बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक भारती के निर्देशानुसार पर की गई है, जिसमें अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में महासभा का प्रदेश स्तर पर विस्तार और जमीनी नेताओ को ईंगित कर महासभा के साथ जोडने् जैसे महत्वपुर्ण मुद्दे पर सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान महासभा के उपाध्क्ष पाला राम, जिला अध्यक्ष राजेश बीड़ कालवा, हरिचंद, अंग्रेज सिंह, बलबीर और प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

हरियाणा एंटी करप्शन सोसायटी ने किया स्वच्छ भारत कार्यक्रम का आयोजन

रादौर। हरियाणा एंटी करप्शन सोसायटी की ओर से बुधवार को स्वच्छ भारत मिशन के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कार्यक्रम में स्वछ भारत, ग्रामीण, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक बलविंद्र कटारिया मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। इस दौरान सोसायटी द्वारा पौधारोपण के तहत विभिन्न प्रकार के पौधारोपण कर स्वच्छता का संदेश दिया।

सोसायटी अध्यक्ष वरयाम सिंह ने कहा कि हमें पौधे लगाने ही नहीं चााहिए, बल्कि उनकी देखरेख कर उन्हें बड़ा करना भी हमारा ही कर्तव्य है। ताकि जिस मुहिम के लिए पौधारोपण किया है, वह मुहिम पूरी हो सके। इस अवसर पर स्वच्छ भारत ग्रामीण जिला कार्यक्रम प्रबन्धक बलविंद्र कटारिया ने कहा कि आज हमारे पर्यवन को पेड़-पौधों की बहुत आवश्यकता है। इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। इस अवसर पर राकेश वाल्मीकि, मलकीत सिंह, सर्वजीत सिंह, गुरुमुख आदि मौजूद थे।

सांडों की लड़ाई में युवक ने गंवाई जान

मोहल्ला कायस्थवाड़ा में सांड ने पैरों से कुचला, 10 मिनट में हुई मौत

पूर्व में भी आवारा गाय अथवा सांड की चपेट में आकर जा चुकी है कई जानें

रेवाड़ी। सड़क पर घूम रहे पशुओं का आतंक शहर में लगातार बढ़ता जा रहा है। सांड ने बुधवार को एक युवक की जान ले ली। पिछले दिनों भी दो बच्चों को घायल कर दिया था। संभवतया नगर परिषद अभी और लोगों के इनकी चपेट में आकर जान गंवाने का इंतजार कर रहा है।

शहर में आवारा पशुओं की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन नगर परिषद इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। सड़क पर घूम रहे गोवंश आए दिन लोगों को अपनी चपेट में लेकर उन्हें नुकसान पहुंचा रहे हैं। सांड बीच सड़क में लड़ते हुए देखे जा सकते हैं। शहर के गली मोहल्ले, रोड, चौराहा अथवा रेलवे ब्रिज इनसे अछूते नहीं है। सांड़ों की चपेट में आकर अभी तक यहां बहुत से लोग अपना नुकसान करा चुके हैं। कईयों की जान भी जा चुकी है। बुधवार, जन्माष्टमी के दिन भी ऐसा हुआ। एक युवक की जान चली गई। शहर के मोहल्ला मेहरवाड़ा निवासी संजय उर्फ डोली मोहल्ला कायस्थवाड़ा में फोटो स्टूडियो चलाता है। करीब साढ़े तीन बजे वह अपने रिश्तेदार के यहां से स्कूटी से आ रहा था। ठठेरा चौक पर सामने से लड़ते दो सांड़ आ रहे थे। एक सांड के भाग जाने के कारण दूसरा गुस्से में तेजी से भाग रहा था और इसी दौरान दूसरी ओर से स्कूटी पर आ रहे संजय उर्फ डोली के ऊपर छलांग लगा दी। संजय स्कूटी से गिर गया और सांडों के पैरों के नीचे कुचला गया। लोग उसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बाहरी कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं की कमी

सोनीपत। शहर में लगातार लोगों से संपर्क कर उनकी जनसमस्याएं सुनने के बाद उनको हल करने का भरसक प्रयास करने वाले कांग्रेसी युवा नेता एवं समाज सेवी निखिल मदान ने राठधना रोड़ पर कलावती विहार में आयोजित जलपान कार्यक्रम में शिरकत की।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोगों की जन समस्याओं को सुना। लोगों ने निखिल मदान के सामने कॉलोनी की कच्ची गलियों का मुद्दा रखते हुए बताया कि कॉलोनी की सभी गलियां कच्ची पड़ी है। बारिश के समय में उनका यहां से निकलना दूभर हो जाता है। किसी भी आपातकाल स्थिति में हस्पताल तक जाने में भी उनको भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बिजली विभाग में बार-बार शिकायत करने के बावजूद उनके ट्रांसफॉर्मर को न तो बदला जा रहा है और न ही स्ट्रीट लाइट की सुविधा निगम द्वारा दी जा रही है। नगर निगम को हॉउस टैक्स देने के बावजूद उन्हें किसी तरह की सुविधा नहीं दी जा रही है

पौधे की देखभाल करना भी जरूरी

नगर में छह सार्वजनिक स्थानों पर जण्डी के लगाए पौधे

पायनियर समाचार सेवा। असन्ध

पौधारोपण करते हुए नपा के पूर्व चेयरमैन हरिकृष्ण अरोड़ा व अन्य।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एंव नपा के पूर्व चेयरमैन हरिकृष्ण अरोड़ा ने सालवन रोड पर राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक के पास पौधारोपण किया। उन्होंने औषधीय पौधों के साथ साथ नगर में छह विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर जंडी के पौधे लगाए।

उन्होंने कहा कि नगर में सड़कों के चौड़ी करण के कारण पेड़ों का कटान किया गया। जिस कारण जंडी के एक दो पेड़ थे वो भी कट गए। लोगों को इस बार कई किलोमीटर तक जंडी पूजन के लिए जाना पड़ा। उन्होंने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हिन्दू लोग जंडी की सावन महीने में पूजा अर्चना करते हैं। व विवाह के समय भी दूल्हे द्वारा इसका पूजन किया जाता है। हरि कृष्ण ने कहा कि उचित रखरखाव के अभाव मे पौधे लगाने के कुछ समय बाद ही दम तोड देते है। उन्होंने कहा कि केवल पौधै लगाना ही हमारी जिम्मेदारी नहीं है बल्कि देखभाल करना भी हम सबका परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए हमे अधिक से अधिक पौधें लगाने चाहिए।

अरोड़ा ने कहा कि पौधारोपण बहुत जरूरी है तभी पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो हम भी सुरक्षित रहेंगे। बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट सतीश कौशिश ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन के अभिन्न अंग हैं। प्रवीण हुड्डा, पार्षद राजेंद्र ढीगडा, बार एसोसिएशन प्रधान एडवोकेट सतीश कौशिक, हिमांशु छाबड़ा, तुलसीदास, विक्की, बाबू राम, हुकम चंद और गोपाल बजाज आदि मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया ऐतिहासिक फैसला

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रीय पंजाबी महासभा के उपाध्यक्ष चरणजीत गाबा ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा बेटियों के हक में दिए ऐतिहासिक फैसले का स्वागत किया है। गाबा ने कहा कि आज बेटियों को असल सम्मान मिला है। परिवार में बेटी का भी उतना ही हक है, जितना बेटे का है। बेटी ताउम्र माता-पिता की सेवा करती है, लेकिन विवाह के बाद उसे अपने हक से महरुम कर दिया जाता था। उन्होंने केन्द्र सरकार के पक्ष को भी ऐतिहासिक बताया, जिन्होंने उन्हें उनका हक दिलवाने में मदद की। गाबा ने केन्द्र सरकार से एक ओर अपील की कि जल्द से जल्द कोरोना-19 की वैक्सीन को भी तहजीह दें।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

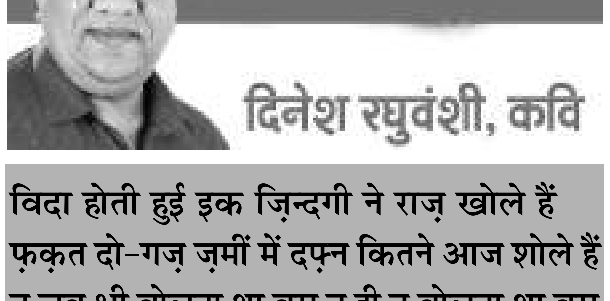

विदा होती हुई इक ज़िन्दगी ने राज़ खोले हैं
फ़क़त दो-गज़ ज़मीं में दफ़्न कितने आज शोले हैं
तू जब भी बोलता था बस तू ही तू बोलता था बस
तू अब ख़ामोश है तो सब तेरे बारे में बोले हैं

चचेरे भाइयों ने मामूली विवाद में कर दी हत्या

करनाल। टपराना गांव में चचेरे भाइयों ने मामूली विवाद में भाई की हत्या कर दी। थोड़े दिन पहले बच्चों में झगड़ा हुआ था। तब से आपसी रंजिश बनी हुई थी। गत दिवस परिजन आपस में भिड़ गए और चचेरे भाइयों ने भाई को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुछ दिन पहले गांव में खेलते वक्त बच्चों में झगड़ा हो गया।

बच्चों ने बात घर जाकर बताई और जिसके बाद बच्चों के परिजन आमने-सामने हो गए। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के ऊपर लाठी-डंडे से जमकर वार किया। जिसमें एक युवक गुलाब सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सदर थाना प्रभारी बलजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने हत्यारों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और उन्हें पकड़ने के लिए टीम भी गठित की है।

मेडिकल कॉलेज में खुला पहला प्लाज्मा बैंक

पकंज शर्मा। करनाल

कोविड-19 पेशेंट के लिए एक अच्छी खबर। शहर के कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज के भूतल पर बुधवार को प्लाज्मा बैंक की स्थापना हो गई है। मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला के भाई श्रवण बठला प्लाज्मा दान करने के प्रथम डोनर बने।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने मैडिकल कॉलेज जाकर प्लाज्मा बैंक की ऑपनिंग की और प्लाज्मा के प्रथम दानवरी श्रवण बठला को बधाई देने के साथ-साथ, कोविड-19 महामारी में मानवता के हित में प्लाज्मा दान करने पर स्मृत्ति चिह्न के साथ सम्मानित भी किया। करनाल के नवनियुक्त एसडीएम आयुष सिन्हा, केसीजीएमसी के निदेशक डॉ. जगदीश दुरेजा व ब्लड बैंक के प्रभारी डॉक्टर सचिन मौजूद रहे। प्लाज्मा बैंक की स्थापना के लिए उपायुक्त ने मेडिकल कॉलेज के निदेशक के प्रयासों की सराहना की और कोरोना दौर में कोविड-19 पेशेंट की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में काम आने वाले प्लाज्मा की अति जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में एक अच्छी शुरुआत हुई है। उन्होंने संकेत दिए कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्लाज्मा बैंक देखने के लिए यहां की विजिट कर सकते हैं या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्लाज्मा दान करने वाले डोनर व डॉक्टरों से बात कर सकते हैं। उन्होंने निदेशक से प्लाज्मा बैंक में प्लाज्मा रखे जाने के बारे में जानकारी ली। केसीजीएमसी निदेशक डॉ. जगदीश दुरेजा ने बताया कि ऐसे कोविड मरीज जिन्हें ठीक हुए दो सप्ताह हो गए हों और उनमें एंटीबॉडी मौजूद हों, ऐसे व्यक्तियों का ब्लड लेकर उसमें से प्लाज्मा सेपरेट करेंगे। सेपरेशन का काम बैंक में रखी स्पैक्ट्रो ऑपटिया मशीन करती है, ऐसी दो मशीने हैं। जैसे ही ब्लड मशीन में जाएगा, उसमें लगी छलनी के ऊपर जो द्रव्य रह जाएगा, वह प्लाज्मा है।

पायनियर क्लासीफाइड

सार्वजनिक सूचना

मैं, महावीर सरन पुत्र राम सक्सेना निवासी मकान नं0 515, गली नं0 7, ब्लॉक सी, एसजीएम नगर, फरीदाबाद ब्यान करता हूं कि मेरा पुत्र शैलेस जौहरी निवासी ग्रेटर नोएडा, पुत्रीयां सारिका, संध्या सक्सेना व स्मृति सक्सेना ये सभी मेरे व मेरे परिवार के कहने से बाहर है, अभद्र व्यवहार के कारण मैंने इन सभी को अपनी तमाम चल अचल संपत्ति से बेदखल कर सभी पारिवारिक संबंध समाप्त कर लिया है। भविष्य में इन सभी से लेनदेन करने वाले स्वंय जिम्मेदार होंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

जीवन का प्राकृत स्वरूप ही उत्सव है

जीवन क्या है? क्या नहीं है? यह तय करना सरल भी है और चुनौतीपूर्ण! एक समझ यह भी है कि जीवन केवल जीवन है, उससे कम या ज्यादा कुछ भी नहीं। लेकिन यह तो बात को बढ़ने ही नहीं देना है या शुरू होते ही खत्म करना है। जीवन सनातन होकर निरंतरता का एक ऐसा सिलसिला है, जो जन्म और मृत्यु का नियंता है। जन्म, जीवन के अंश जीव का साकार होना है और मृत्यु, जीव का निराकार में लीन हो जाना है। इस तरह जीवन को सागर की लहरों की तरह जीव के साकार से निराकार होने का अंतहीन सिलसिला भी मान सकते हैं। जीव के लिए जीवन सबसे महत्वपूर्ण समय है जिसके समाप्त होते ही जीव का साकार स्वरूप भी अनंत में व्याप्त हो जाता है। जीव, जीवन की महत्ता और उसके साकार स्वरूप का दीवाना है। इस कारण जीव की मूल चाहना प्राय: यह होती है कि वह साकार स्वरूप में रहे, अनंत निराकार में जल्दी न समाए। शायद हम में से अधिकतर जीव के प्राकृत स्वरूप में स्वयं तक ही सीमित न रहकर जीवन में हर प्रसंग का उत्सव मनाना चाहते हैं। प्रतिदिन सोना-जागना, उठना-घूमना, खाना-पीना-कमाना आदि। शायद रोजमर्रा की एकरसता को बदलने के लिए हम सब जीवन के हर प्रसंग में सदैव कुछ-न-कुछ उत्सव करने की सहज चाहना रखते हैं।

इसका नतीजा यह है कि हम में से कई मनुष्यों को यह लगता है कि बिना उत्सव का जीवन भी कोई जीवन है, लेकिन यह भी वस्तुस्थिति है कि मनुष्य के अलावा कोई अन्य जीव मनुष्यों जैसा उत्सव नहीं मनाते हैं। उन सबका जीवनक्रम ही एक तरह से उत्सव है। मनुष्येतर जीवों की अपनी भावाभिव्यक्ति तो हम महसूस कर पाते हैं, लेकिन मनुष्य द्वारा सृजित उत्सव परंपरा पर मनुष्यों का एकाधिकार जैसा लगता है, लेकिन वास्तविकता में ऐसा है नहीं। मनुष्येत्तर जीवन में उत्सव की अभिव्यक्ति का ढंग निराला है।

उसे देखने के लिए एक अलग अनुभूति और उत्सवदृष्टि होना जरूरी है। जीवन के रूप-स्वरूप, आकार-प्रकार और जीवनचक्र में बहुत अधिक विविधताएं हैं। मनुष्य के अलावा जीवन के उत्सव की अभिव्यक्ति देखने या अनुभव करने के लिए जीवन की अभिव्यक्तियों को देख पाने के लिए एक दृष्टा भाव और अनुभूतिमय धीरज जरूरी है। मनुष्येत्तर उत्सव परंपरा का एक निश्चित प्राकृतिक क्रम है। वह मनुष्य की तरह सुविधानुसार और सकारण किसी निमित्तानुसार नहीं होता। जैसे वसंत ऋतु में आम पर मौर आना या आम का बौराना आम के उत्सव का प्रारंभ है। आम पर फल आने की शुरुआत छोटी-छोटी कैरियों से लेकर लटालूम आमों से पेड़ का लद जाना आम की उत्सवधर्मिता का चरम है। छोटे-बड़े बच्चों से लेकर कई तरह के पक्षियों का 'आम फल उत्सव' में अधिकारपूर्वक भागीदारी करना यह सब आम वृक्ष की उत्सव परंपरा की धीर-गंभीर प्राकृत व्यवस्था का हम सबको अहसास कराता है। आम के मौरों पर मंडराने वाली मधुमक्खियां उत्सव की शुरुआत में ही उत्सव के सानंद समापन की आधारभूमि तय कर देती हैं। कभी किसी वर्ष आम के पेड़ पर मौर नहीं आते और उस साल केवल नए-नए पत्ते ही आते हैं और नए पत्तों को पतझड़ आने तक बिना किसी उत्सव या चहल-पहल के ही सूनेपन के सान्निध्य से ही संतोष करना होता है। हरसिंगार पर जो फूलों की बहार आती है, तो हर सुबह अपनी आधारभूमि को हरसिंगार अपने पुष्पों की चादर ओढ़ाकर जीवनदात्री धरती का अभिनंदन करता है। हरीतिमा से सराबोर गेहूं और धान के खेतों में उत्सव की शुरुआत बालियों की बारात निकलने से होती है, तो मक्का, जुवार व बाजरा के भुट्टों का आगमन अनाज उत्सव की शुरुआत कर छोटी-बड़ी चिड़ियाओं को भोजन उत्सव का खुला मौन निमंत्रण दे देता है। ठंड की शुरुआत होते ही न जाने कितने रंग-बिरंगे फूलों के खिलने पर रंग-बिरंगी तितलियों को अपने आसपास निरंतर अठखेलियां कर तितलियों का उड़ान उत्सव अपने आप समूची अवनी और अम्बर को रंगीन बना देता है। तरह-तरह की सुगंधों से सराबोर मोगरा, चमेली, रातरानी जैसे छोटे-छोटे फूल सारे वातावरण में खुशनुमा खुशबू व्याप्त कर उत्सव की सूचना हर दिशा में फैला देते हैं।

वित्तीय स्थिरता और बैंकों की स्वायत्तता

वित्तीय स्थिरता पर आरबीआई की रिपोर्ट से निष्कर्ष निकलता है कि भारतीय बैंकिंग का सकल एनपीए अनुपात चार प्रतिशत बिंदु तक बढ़ जाएगा, यानी मार्च, 2020 में जो 8.5 था, वह मार्च, 2021 में 12.5 प्रतिशत होगा।

अजीत रानाडे
(अर्थशास्त्री एवं सीनियर फेलो तक्षशिला इंस्टीट्यूशन)

पिछले हफ्ते केंद्रीय बैंक के दो पूर्व वरिष्ठ बैंकरों की पुस्तकें प्रकाशित हुईं। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल की पुस्तक 'ओवरड्रॉफ्ट' आई है, जो भारतीय बचतकर्ताओं पर केंद्रित है। यह बहुप्रतीक्षित पुस्तक ऐसे व्यक्ति की है, जो अपने कार्यकाल के दौरान बहुत मितभाषी रहे। प्रकाशन के एक हफ्ते के भीतर ही यह पुस्तक कथेतर साहित्य की सूची में उच्च स्थान पर दाखिल हो गई। इसकी चर्चाएं थीं, क्योंकि दिसंबर, 2018 में अचानक आरबीआई को छोड़ने के बाद उर्जित पटेल सार्वजनिक तौर पर चुप और लगभग अदृश्य से हो गए थे। दूसरी पुस्तक आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य की आई है, जिन्होंने छह महीने बाद ही निर्धारित कार्यकाल पूरा किए बगैर पद छोड़ दिया था।

'क्वेस्ट फॉर रिस्टोरिंग फाइनेंशियल स्टेबिलिटी इन इंडिया' नाम से प्रकाशित उनकी पुस्तक उनके लेखों और व्याख्यानों का संग्रह है, जिसमें एक लंबी भूमिका लिखी गई है। दोनों ही अधिकारी बैंकिंग व्यवस्था की सुधार के लिए तत्पर रहे। पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने अपने कार्यकाल में सुधार व्यवस्था को कई स्तरों पर जारी रखा था। आरबीआई के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल रघुराम राजन के डिप्टी भी रहे। कुल मिला कर इन दोनों की छवि ज्यादा अकादमिक, बेजोड़ बौद्धिक और तंत्र से बाहरी की रही, जिनमें लचीलापन नहीं था। आचार्य निशाने पर थे, क्योंकि पटेल के अचानक जाने से कुछ महीने पहले ही उन्होंने विवादास्पद व्याख्यान दिया था। इसमें उन्होंने केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता के महत्व पर जोर दिया था। इस मशहूर भाषण को उन्होंने एक गंभीर चेतावनी के साथ खत्म किया था, जो सरकारें केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता का सम्मान नहीं करतीं, वे शीघ्र ही वित्तीय बाजार की चुनौतियों में उलझ जाती हैं।

एक दिन उन्हें एहसास होता है कि नियामक संस्था के महत्व को कैसे नजरअंदाज किया गया। नई पुस्तक की प्रस्तावना में इसे दोहराया गया है कि इस दशक की शुरुआत में कैसे अत्यधिक मौद्रिक और ऋण प्रोत्साहन ने वित्तीय स्थिरता को खतरे में डाल दिया है। आचार्य ने यह भी कहा है कि आरबीआई की स्वायत्तता को नजरअंदाज किए जाने के कारण ही गवर्नर पटेल ने समय से पहले पद छोड़ दिया था. पटेल की पुस्तक में इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड प्रक्रिया के कमजोर किए जाने का विस्तृत विवरण है। उन्होंने इसकी शुरुआत फंसे कर्ज की समस्या के हल के लिए की थी। बैंकर और उधारकर्ता के बीच मामला-दर-मामला हल और बातचीत पर निर्भर रहने की बजाय, एक दिन का भी डिफॉल्ट किए बगैर ही आरबीआई फंसे कर्ज के मामलों को आइबीसी प्रक्रिया में स्थानांतरित करने पर जोर दे रहा था।

फरवरी, 2018 के इस मशहूर परिपत्र ने काफी हलचल पैदा कर दी थी। कड़े नियम से डिफॉल्ट प्रमोटर के सामने अपनी कंपनियों से नियंत्रण खोने का जोखिम था। इससे बैंकों पर भी दबाव बनता कि वे

> **पिछले हफ्ते केंद्रीय बैंक के दो पूर्व वरिष्ठ बैंकरों की पुस्तकें प्रकाशित हुईं। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल की पुस्तक 'ओवरड्रॉफ्ट' आई है, जो भारतीय बचतकर्ताओं पर केंद्रित है। यह बहुप्रतीक्षित पुस्तक ऐसे व्यक्ति की है, जो अपने कार्यकाल के दौरान बहुत मितभाषी रहे।**

आइबीसी प्रक्रिया में ऐसे मामलों को जाने से रोकें। इस परिपत्र को सर्वोच्च न्यायालय ने नामंजूर कर दिया। इसके बाद बैंकिंग व्यवस्था मामला-दर-मामला वाली व्यवस्था पर वापस आ गई। गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) मामलों के निस्तारण की दिशा में यह बड़ी असफलता थी। इसका मतलब था कि अगर एनपीए का हल नहीं किया गया, तो यह बढ़ेगा और ज्यादा पूंजी बैंकों की बैलेंसशीट को बिगाड़ेगी, यानी जब तक बैंकों में अतिरिक्त पूंजी नहीं डाली जाएगी, तब तक नए उधारकर्ताओं तथा नई परियोजनाओं को नए ऋण जारी करने की क्षमता बाधित होगी। अत्यधिक एनपीए अनुपात का मतलब है कि बैंकों को ऋणों के छोटे हिस्से से ही लाभ कमाना पड़ेगा, यानी उसे ऊंची ब्याज दरों को लागू करना होगा।

वित्तीय स्थिरता पर आरबीआई की रिपोर्ट से निष्कर्ष निकलता है कि भारतीय बैंकिंग का सकल एनपीए अनुपात चार प्रतिशत बिंदु तक बढ़ जाएगा, यानी मार्च, 2020 में जो 8.5 था, वह मार्च, 2021 में 12.5 प्रतिशत होगा। इसका मतलब हुआ कि इस वर्ष लगभग चार लाख करोड़ रुपये का कर्ज फंसने जा रहा है। यह महामारी और मंदी का साल है। ऋण अदायगी के लिए आसान तरलता, मौद्रिक सहजता और उदार अधिस्थगन (मॉरेटोरियम) जैसे उपायों के बावजूद आरबीआई सकल एनपीए अनुपात में वृद्धि की उम्मीद कर रहा है। कहीं यह गिरावट अपेक्षा से अधिक रही, तो आरबीआई का अनुमान है कि यह अनुपात 14.7 प्रतिशत तक हो सकता है। ऐसा उच्च एनपीए अनुपात वित्तीय स्थिरता को गंभीर संकट में डाल सकता है। चूंकि, तीन चौथाई भारतीय बैंकिंग सार्वजनिक क्षेत्र के अंतर्गत है, एनपीए बढ़ोतरी से बैंकों को पुनर्पूंजीकृत करने की आवश्यकता होगी। यह केंद्रीय वित्तीय संसाधनों से आएगा, जो पहले से ही जीएसटी संग्रहण और आयकर राजस्व में गिरावट तथा राष्ट्रीय आय के सिकुड़ते आधार की वजह से संकट में है। वित्त तंत्र को अन्य मांगें पूरी करनी है। उद्यमों को लंबित भुगतान मंजूरी, गरीब परिवारों को नकद भुगतान, सहमति फार्मूले के आधार पर राज्यों को जीएसटी भुगतान आदि शामिल है।

बैंक की बिगड़ती बैलेंस शीट जमाकर्ताओं को परेशान कर सकती है, जिससे वे दूरी बना सकते हैं। इससे बैंक की तरलता पर गंभीर संकट आ सकता है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां भी बढ़ते एनपीए से जूझ रही हैं, जिससे नई पूंजी डालना उनके लिए भी मुश्किल हो रहा है। इसका दूरगामी प्रभाव होगा, जैसा कि सितंबर, 2018 में आइएलएफएस संकट के दौरान देखा गया था। कायदे से बड़े बैंक और गैर-बैंक को बैंकिंग नियामक (जैसे आरबीआई) की तरफ से अतिरिक्त निगरानी की आवश्यकता होती है, जिससे कि ऐसे आसन्न संकट से बचाया जा सके। वित्तीय स्थिरता और जमाकर्ताओं के आत्मविश्वास को बहाल करने के उपाय आचार्य और पटेल की पुस्तक में शामिल हैं। इसमें बाजार अनुशासन (जैसे- एनपीए के लिए आइबीसी प्रक्रिया), शुरुआती जांच और डिफॉल्ट की पहचान करने के साथ-साथ अचानक झटकों से आरबीआई की बैलेंस शीट को बचाने के तरीकों, पूंजी के उलट प्रवाह या आपातकालीन बचाव के तरीकों की बात कही गई है। दोनों पुस्तकें और आरबीआई की रिपोर्ट भारतीय अर्थव्यवस्था की वित्तीय स्थिरता के बारे में रिमाइंडर की तरह हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

ऑनलाइन शिक्षा आज की हकीकत है

प्रो. संजय द्विवेदी
(लेखक भारतीय जनसंचार संस्थान, दिल्ली के महानिदेशक हैं।)

कोरोना काल ने सही मायने में भारत को डिजीटल इंडिया बना दिया है। पढ़ाई-लिखाई के क्षेत्र में इसका व्यापक असर हुआ है। प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों ने ऑनलाइन कक्षाओं का सहारा लेकर नए प्रतिमान रचे हैं। आने वाले समय में यह चलन कितना प्रभावी होगा यह तो नहीं कहा जा सकता, किंतु संकट काल में संवाद, शिक्षा और सहकार्य के तमाम अवसर इस माध्यम से प्रकट हुए हैं। यह कहा जा रहा कि ऑनलाइन कक्षाएं वास्तविक कक्षाओं का विकल्प नहीं हो सकतीं क्योंकि एक शिक्षक की उपस्थिति में कुछ सीखना और उसकी वर्चुअल उपस्थिति में कुछ सीखना दोनों दो अलग-अलग परिस्थितियां हैं। संभव है कि हमारा अभ्यास वास्तविक कक्षाओं का है और हमारा मन और दिमाग इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है कि ऑनलाइन कक्षाएं भी सफल हो सकती हैं। दिमाग की कंडीशनिंग (अनुकूलन) कुछ ऐसी हुई है कि हम वर्चुअल कक्षाओं को वह महत्ता देने के लिए तैयार नहीं हैं, जो वास्तविक कक्षाओं को देते हैं। फिर भी यह मानना होगा कि आभासी दुनिया आज तमाम क्षेत्रों में वास्तविक दुनिया को मात दे रही है। हमारे निजी जीवन में हम जिस तरह डिजिटल हुए हैं, क्या वह पहले संभव दिखता था। हमारी बैंकिंग, हमारे बाजार, हमारा खानपान, तमाम तरह के बिल भरने की प्रक्रिया, टिकिटिंग और ट्रैवलिंग के इंतजाम क्या कभी ऑनलाइन थे। लेकिन समय ने सब संभव किया है। आज एटीएम जरूरत है तथा ऑनलाइन टिकट वास्तविकता। हमारी तमाम जरूरतें आज ऑनलाइन ही चल रही हैं। ऐसे में यह कहना बहुत गैरजरूरी नहीं है कि ऑनलाइन माध्यम ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम को इस कोरोना संकट ने मजबूत कर दिया है।

ऑनलाइन कक्षाओं ने संसाधनों का एक नया आकाश रच दिया है। जो व्यक्ति आपकी किसी क्लास, किसी आयोजन, कार्यशाला के लिए दो घंटे का समय लेकर नहीं आ सकता, यात्रा में लगने वाला वक्त नहीं दे सकता। वही व्यक्ति हमें आसानी से उपलब्ध हो जाता है। क्योंकि उसे पता है कि उसे अपने घर या ऑफिस से ही यह संवाद करना है और इसके लिए उसे कुछ अतिरिक्त करने की जरूरत नहीं है। यह अपने आप में बहुत गजब समय है। जब मानव संसाधन के स्मार्ट इस्तेमाल के तरीके हमें मिले हैं। आप दिल्ली, चेन्नई या भोपाल में होते हुए भी विदेश के किसी देश में बैठे व्यक्ति को अपनी ऑनलाइन कक्षा में उपलब्ध करा सकते हैं। इससे शिक्षण में विविधता और नए अनुभवों का सामंजस्य भी संभव हुआ है। इस शिक्षा का न तो भूगोल है, न ही समय सीमा। लॉकडाउन के इन

दिनों में अनेक मित्रों ने कई विषयों में ऑनलाइन कोर्स कर अपने को ज्ञानसमृद्ध किया है। भोपाल का एक विश्वविद्यालय सुदूर अरुणाचल विश्वविद्यालय के विद्वान मित्रों के साथ एक साझा संगोष्ठी ऑनलाइन आयोजित कर लेता है। यह किसी विदेशी विश्वविद्यालय के साथ भी संभव है। यात्राओं में होने वाले खर्च, आयोजनों में होने वाले खर्च, खानपान के खर्च जोड़ें तो ऐसी संगोष्ठियां कितनी महंगी हैं। बावजूद इसके किसी व्यक्ति को साक्षात सुनना और देखना। साक्षात संवाद करना और वर्चुअल माध्यम से उपस्थित होना। इसमें अंतर है। यह रहेगा भी। बावजूद इसके जैसे-जैसे हम इस माध्यम के साथ सहज होते जाएंगे, यह माध्यम भी वही सुख देगा जो किसी की भौतिक उपस्थिति देती है। भावनात्मक स्तर पर इसकी तुलना सिनेमा से की जा सकती है। यह सिनेमा-सा सुख है। अच्छा सिनेमा हमें भावनात्मक स्तर पर जोड़ लेता है। इसी तरह अच्छा संवाद भी हमें जोड़ता है भले ही वह वर्चुअल क्यों न हो। जबकि बोरिंग संवाद भले ही हमारे सामने हो रहे हों, हम हाल की पहली पंक्ति में बैठकर भी सोने लगते हैं या बोरियत का अनुभव करने लगते हैं।

शिक्षा का असल काम है विषय में रूचि पैदा करना। अच्छा शिक्षक वही है जो आपमें जानने की भूख जगा दे। इसलिए प्रेरित करने का काम ही हमारी कक्षाएं करती हैं। पुरानी पीढ़ी शायद इतनी जल्दी यह स्वीकार न करे, किंतु नई पीढ़ी तो वर्चुअल माध्यमों के साथ ही ज्यादा सहज है। हमें दुकान में जाकर सैंकड़ों चीजों में से कुछ चीजें देखकर, छूकर, मोलभाव करके खरीदने की आदत है। नई पीढ़ी ऑनलाइन शापिंग में सहज है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें नई पीढ़ी की

> **आज ऑनलाइन शिक्षा एक वास्तविकता है, जिसे हम मानें या न मानें स्वीकारना पड़ेगा। कोरोना के संकट ने हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े किए हैं। जिसमें क्लास रूम टीचिंग की प्रासंगिकता, उसकी रोचकता और जरूरत बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है।**

चपलता, सहजता देखते ही बनती है। शायद हम जैसे शिक्षकों को इस माध्यम के साथ वह सहजता न महसूस हो रही हो, संभव है कि आपकी वर्चुअल कक्षा में उपस्थित छात्र या छात्रा उसके साथ ज्यादा सहज हों। हमारा मन यह स्वीकारने को तैयार नहीं है कि कोई स्क्रीन हमारी भौतिक उपस्थिति से ज्यादा ताकतवर हो सकती है। किंतु आवश्यक्ता और मजबूरियां हमें नए विकल्पों पर विचार के लिए बाध्य करती हैं। आज ऑनलाइन शिक्षा एक वास्तविकता है, जिसे हम मानें या न मानें स्वीकारना पड़ेगा। कोरोना के संकट ने हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े किए हैं। जिसमें क्लास रूम टीचिंग की प्रासंगिकता, उसकी रोचकता और जरूरत बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। ज्ञान को रोचक अंदाज में प्रस्तुत करने और सहज संवाद की चुनौती भी सामने है। आज का विद्यार्थी नए वर्चुअल माध्यमों के साथ सहज है, उसने डिजिटल को स्वीकार कर लिया है। इसलिए डिजिटल माध्यमों के साथ सहज संबंध बनाना शिक्षकों की भी जिम्मेदारी है। कक्षा के अलावा असाईनमेंट, नोट्स और अन्य शैक्षिक गतिविधियों के लिए हम पहले से ही डिजिटल थे। अब कक्षाओं का डिजिटल होना भी एक सच्चाई है। संवाद, वार्तालाप, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों को डिजिटल माध्यमों पर करना संभव हुआ है। इसे ज्यादा सरोकारी, ज्यादा प्रभावशाली बनाने की विधियां निरंतर खोजी जा रही हैं। इस दिशा में सफलता भी मिल रही है। गूगल मीट, जूम, जियो मीट, स्काइप जैसे मंच आज की डिजिटल बैठकों के सभागार हैं। जहां निरंतर सभाएं हो रही हैं, विमर्श निरंतर है और संवाद है। कहते हैं डिजिटल मीडिया का सूरज कभी नहीं डूबता। वह सदैव है, सक्रिय है और चैतन्य भी। माध्यम की यही शक्ति इसे खास बनाती है। यह बताती है कि प्रकृति सदैव परिर्वतनशील है और कुछ भी स्थायी नहीं है। मनुष्य ने अपनी चेतना का विस्तार करते हुए नित नई चीजें विकसित की हैं। जिससे उसे सुख मिले, निरंतर संवाद और जीवन में सहजता आए। डिजिटल मीडिया भी मनुष्य की इसी चेतना का विस्तार है। इसके आगे भी वह नए-नए रूप लेकर आता रहेगा। नया और नया और नया। न्यू मीडिया के आगे भी कोई और नया मीडिया है। उस सबसे नए की प्रतीक्षा में आइए थोड़ा डिजिटल हो जाएं।

आप की बात

कोरोना नियंत्रण के जतन

कोरोना वायरस से उपजी महामारी कोविड-19 के असर की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री ने यह सही कहा कि अगर अधिक मरीजों वाले राज्य कोरोना को हराने में सफल हो जाएं, तो देश भी जीत जाएगा। उनकी इस बात पर संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को न केवल गौर करना चाहिए, बल्कि अपने स्वास्थ्य ढांचे की हर कमजोरी को दूर करने में जुटना चाहिए। यदि आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब, बिहार, गुजरात, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामले देश के कुल सक्रिय मामलों का 80 प्रतिशत हैं तो फिर यह स्वाभाविक सी बात है कि उन्हें अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए। कम से कम यह तो अवश्य होना चाहिए कि बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना टेस्टिंग बढ़ाने पर जोर दें। चूंकि खुद प्रधानमंत्री ऐसा कह रहे हैं, इसलिए यह काम प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। अच्छा हो कि सभी राज्यों के बीच ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग करने की होड़ कायम हो। यह ठीक है कि टेस्टिंग लगातार बढ़ रही है और अब देश में उसकी संख्या बढ़कर हर दिन करीब सात लाख तक पहुंच चुकी है, लेकिन बावजूद इसके इसकी जरूरत महसूस की जा रही है कि बड़ी आबादी और अधिक जनसंख्या घनत्व वाले राज्यों में और अधिक टेस्ट किए जाएं। इसमें कोई कठिनाई आए तो राज्य केंद्र से मदद मांगें, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि टेस्टिंग और बढ़े। वास्तव में यही वह उपाय है जिसके सहारे कोरोना के संक्रमण पर लगाम लगाई जा सकती है। यह उपाय तभी कारगर साबित होगा, जब आम लोग सावधानी का भी परिचय देंगे।

यह चिंताजनक है कि संक्रमण फैलते जाने के बावजूद तमाम लोग मास्क लगाने और शारीरिक दूरी के नियम का पालन करने में आनाकानी कर रहे हैं। यह एक किस्म की आपराधिक लापरवाही है। आखिर इससे खराब बात और क्या हो सकती है कि लोग इस तथ्य से परिचित होने के बाद भी सतर्कता का परिचय नहीं दे रहे हैं कि इस महामारी का कोई सीधा इलाज नहीं और इसका कोई भरोसा नहीं कि कारगर वैक्सीन कब आएगी। सार्वजनिक स्थलों पर न जाने कितने ऐसे लोग दिखते हैं, जो न तो मास्क लगाए होते हैं और न ही शारीरिक दूरी बनाए रखने की परवाह करते हैं। आखिर मास्क का सही से इस्तेमाल और शारीरिक दूरी के नियम का पालन करने के साथ साफ-सफाई और सेहत का ध्यान रखना हर किसी की प्राथमिकता क्यों नहीं बन सकता? ऐसा करना केवल नागरिक कर्तव्य ही नहीं, राष्ट्रीय दायित्व भी है। इसकी पूर्ति होने लगे तो कोरोना वायरस के संक्रमण की रफ्तार को जल्द ही काबू में करके जन-जीवन को पटरी पर लाया जा सकता है।

आत्मनिर्भरता की मुहिम

जब हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की पहल की जा रही तब आवश्यक है कि भारत अपनी जरूरत की रक्षा सामग्री का उत्पादन खुद करे। आयुध सामग्री के मामले में आत्मनिर्भर बनने के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की ओर से की गई यह घोषणा समय की मांग थी कि कुछ हथियारों और रक्षा उपकरणों के आयात पर रोक लगाकर उन्हें देश में ही तैयार किया जाएगा। सही दिशा में उठाए गए इस कदम का स्वागत होना चाहिए। जब हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की पहल की जा रही है तब फिर यह आवश्यक है कि भारत अपनी जरूरत की रक्षा सामग्री का उत्पादन खुद करे। ध्यान रहे आज के युग में किसी देश की महत्ता का आकलन इससे भी होता है कि वह अपनी जरूरत की रक्षा सामग्री का निर्माण स्वयं करता है या नहीं? रक्षामंत्री की ओर से की गई घोषणा के अनुसार करीब सौ हथियारों और रक्षा उपकरणों का निर्माण अब देश में ही किया जाएगा। इस फैसले से हर चीज का आयात करने की प्रवृत्ति पर लगाम लगने के साथ ही अगले छह-सात साल में हथियार और रक्षा उपकरण बनाने वाले स्वदेशी उद्योग को करीब चार लाख करोड़ रुपये के ठेके मिलेंगे।

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

"अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत अपने जीवनकाल के दौरान उतने प्रसिद्ध नहीं थे, जितना कि वह मरने के बाद हो गए हैं।

- माजिद मेमन
एनसीपी नेता

जनता को सुशासन देना वर्तमान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है और इसके लिए वर्ष 2016 में मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कार्यक्रम (सीएमजीजीए) शुरू किया गया।

-मनोहर लाल खट्टर
मुख्यमंत्री, हरियाणा

भारत की जीडीपी कम से कम पांच फीसद कम होने की उम्मीद है। ऐसी आशंका है कि हम 1947 में आजादी के बाद सबसे कम जीडीपी पर पहुंच सकते हैं।

- एन आर नारायण मूर्ति
इन्फोसिस के संस्थापक"

... डोली-डंडा पालकी जय कन्हैया लाल की

मंदिरों के कपाट भी खुले श्रद्धालुओं के लिए

कोरोना के भय से श्रद्धालु घरों में ही त्योहार मनाना समझा बेहतर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व दूसरे दिन भी बुधवार को श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान के अनुसार मनाया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व 2 दिनों तक मनाया गया।

अधिकांश श्रद्धालुओं ने तो गत दिवस ही जन्माष्टमी का पर्व मनाया था, लेकिन बुधवार को भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर इस पर्व को मनाया। जिला प्रशासन द्वारा गत दिवस बुधवार से जिले के सभी मंदिरों को कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन कराने की शर्तों के साथ खोलने की अनुमति दे दी थी। शहर के विभिन्न क्षेत्रों स्थित घंटेश्वर, सिद्धेश्वर, भूतेश्वर, प्रेम मंदिर, गुफावाला मंदिर, सुदर्शन मंदिर, सैक्टर 4 के श्रीकृष्ण व श्रीराम मंदिर, सूर्य विहार के वैष्णोदेवी मंदिर, शीतला माता मंदिर, बाबा प्रकाशपुरी आश्रम 5 माह के बाद बुधवार से पूजा-अर्चना करने के लिए खुल गए हैं।

मंदिर कमेटियों द्वारा फेस मास्क लगाने व सैनिटाइज कराने तथा सामाजिक दूरी का पालन कराने की पूरी व्यवस्था भी की हुई है। जिला प्रशासन ने सभी मंदिर कमेटियों को हिदायत देते हुए कहा है कि वे दिशा-निर्देशों का पालन कराने में किसी प्रकार की कोताही न बरतें, अन्यथा कानूनी कार्यवाही भी अमल में लाई जा सकती है। बुधवार में दोपहर 12 बजे के बाद अधिकांश मंदिरों के कपाट बंद ही दिखाई दिए। जन्माष्टमी को लेकर मंदिरों को भव्य रुप से सजाया हुआ भी है। मंदिरों में पुजारी पूजा-अर्चना करते भी दिखाई दिए। इन पुजारियों का कहना था कि मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करने के लिए देर सायं श्रद्धालु आएंगे। मंदिरों में दर्शनों की व्यवस्था मंदिर कमेटियों ने पूरी तरह से कर ली है। कुछ श्रद्धालुओं ने कोरोना के भय के कारण अपने घरों में ही भगवान श्रीकृष्ण के बाल्य रुप की आराधना की। इन श्रद्धालुओं का कहना है कि कोरोना अभी गया नहीं है। कोई भी इसकी चपेट में आ सकता है, इसलिए सावधानी रखनी जरुरी है।

नगर भ्रमण के दौरान श्रीकृष्ण की पालकी लेकर चलते राजीव जैन।

भगवान श्रीकृष्ण के अकाट्य भाव आज भी प्रासंगिक : जैन

सोनीपत। भाजपा नेता राजीव जैन ने कहा कि दिव्य गीता के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने हजारों वर्ष पूर्व ही मानव जीवन के लिए अकाट्य सत्य वचन कहते हुए मर्म समझाने की कोशिश की थी। आज भी हमारा समाज उनके द्वारा दिए गए मर्म ज्ञान को ही अपना आधार मानता है और देश एवं समाज की मजबूती के लिए काम करता है। बुधवार को जन्माष्टमी के अवसर पर बड़ा बाजार स्थित श्री ठाकुर द्वारा पंचायती मंदिर समिति द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम, प्रभु आरती तथा उसके बाद नगर भ्रमण के आगाज अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ही थे, जिन्होंने अर्जुन को कायरता से वीरता, विषाद से प्रसाद की ओर जाने वाला संदेश अपने दिव्य वचनों से दिया था। उन्होंने कहा कि आज के युवा को भगवान श्रीकृष्ण से प्रेरणा लेनी चाहिए कि किस प्रकार हम क्रोध को संयम की भावना से ठंडा करते हुए परेशानियों का समाधान निकालें। इससे न केवल जीवन प्रगति पथ पर आगे बढ़ेगा, अपितु लक्ष्य प्राप्ति भी सरल होगी। इस अवसर पर बालकिशन शर्मा, महेंद्र वर्मा, राजकुमार गोयल, महेंद्र मंगला, विजय गौतम, कैलाश चंद कुच्छल, निर्मल जैन, गजेंद्र मंगला, बृजमोहन कुच्छल, वीरेंद्र कटारिया, अंकित जैन, रजत जैन आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत की।

गुरुग्राम के बादशाहपुर स्थित इस्कॉन मंदिर में सजी राधा-कृष्ण मूर्ति।

वैष्णव सम्प्रदाय ने मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

भिवानी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूरे देश में धूम धाम से मनाई जा रही है। तिथि और नक्षत्र अलग-अलग दिन पड़ने के चलते यह पर्व दो दिन मनाया गया है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को रोहणी नक्षत्र में हुआ था। हालांकि, इस वर्ष यह तिथि और नक्षत्र एक साथ एक दिन नहीं पड़ रहे हैं। बल्कि अलग-अलग दिन पड़ रहे हैं। ऐसे में कई जगहों पर जन्माष्टमी 11 अगस्त को मनाई गई है। वहीं, कई जगहों पर यह 12 अगस्त को मनाई गई है। भिवानी हनुमान जोहड़ी धाम नरसिंह मंदिर में वैष्णव संप्रदाय के द्वारा 12 अगस्त को जन्माष्टमी पर्व मनाया गया है।

कोविड-19 के चलते हैं इस बार मंदिर परिसर में बड़ा कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया है। जन्माष्टमी पर्व पर मंदिर परिसर में होने वाले सभी बड़े उत्सव रद्द कर दिए गए। बाल योगी महंत चरण दास महाराज ने बताया कि मंदिर परिसर में हर वर्ष भगवान श्री कृष्ण का जन्म उत्सव बड़े चहल-पहल के साथ मनाया जाता है । लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते इस प्रकार का बड़ा कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया है। कहा कि मंदिर परिसर के अंदर भगवान के दरबार को सजाया गया है, साथ में भगवान का पालना और कावड़ को सजाया है। महंत चरण दास महाराज ने कहा कि बाल गोपाल श्री कृष्ण के जन्म उत्सव पर मंदिर परिसर में जलवा पूजन, कान्हा बधाई, ठाकुर जी के दर्शन यह सब कार्यक्रम सामाजिक दूरी को बनाते हुए कम संख्या में रहे और इसी के साथ 18 दिवसीय गीता पाठ का आयोजन भी मंदिर परिसर में आज से शुरू किया गया है।

प्रेरणा वृद्धाश्रम में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार

प्रेरणा वृद्धाश्रम में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर भजन कीर्तन के कार्यक्रम में शामिल बुजुर्ग एवं अन्य लोग।

पायनियर समाचार सेवा। कुरूक्षेत्र

प्रेरणा वृद्धाश्रम में श्री कृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई गई

भारतीय संस्कृति के अन्य त्योहारों की भांति भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव श्री कृष्ण जन्माष्टमी प्रेरणा वृद्धाश्रम में धूमधाम, श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया गया। मौके पर जहां भगवान श्री कृष्ण की सुंदर प्रतिमा राधा के साथ सजाई गई। भजनों के कार्यक्रम में तो नजारा ही कुछ अलग था। वृद्धाश्रम में सभी ने भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना की और उसके उपरांत सभी श्री कृष्ण भजनों पर नाचे और झूमे। वृद्धाश्रम में रहने वाले बुर्जुर्गों का उत्साह तो देखते ही बनता था। अपनों द्वारा ठुकराए बुजुर्ग मानों भूल गए कि वे वृद्धाश्रम में रहते हैं, वे तो बस भगवान श्री कृष्ण की मस्ती में डूबे नजर आये। प्रेरणा वृद्धाश्रम के संस्थापक जयभगवान सिंगला ने कहाकि कुरुक्षेत्र की भूमि से तो भगवान श्रीकृष्ण का गहरा लगाव है। इस धरती के हर कण में भगवान श्री कृष्ण का वास है। उन्होंने कहाकि इस धरती पर तो भगवान श्रीकृष्ण का तो बार बार आगमन हुआ है। सिंगला ने कहाकि आज के दिन तो सभी भगवान श्रीकृष्ण से कामना कर रहे हैं कि कोरोना से मुक्ति मिले और भगवान श्री कृष्ण की कृपा बरसे।

झुग्गी झोपड़ी के बच्चों के साथ मिलकर मनाया हीरामणि आहूजा का जन्म दिन : रक्तदान के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही नगर की अग्रणी समाजसेवी संस्था यूथ ब्लड डोनर ऑर्गेनाइजेशन ने अपने पूर्व सचिव सुमित अहूजा की चाची हीरामणि आहूजा का जन्मदिन झुग्गी झोपड़ी के लोगों के साथ मिठाइयां व बिस्किट बांट कर मनाया।

उल्लेखनीय है कि संस्था अपने प्रत्येक सदस्य व उनके संबंधियों के जन्मदिन इसी प्रकार मनाया करती है संस्था की चेयर पर्सन भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला मंत्री अनच माल्यान ने कहा कि जब जरूरतमंद लोगों में खाद्य सामग्री वितरित की जाती है तो उनके खिले हुए चेहरे देखकर हमें भी प्रसंता होती है। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष सुमित खत्री ने कहा कि संस्था रक्तदान के अतिरिक्त बहुत से सामाजिक कार्य भी कर रही है कोषाध्यक्ष विजय माल्या तथा सचिव दिव्यांशु ने बताया की संस्था का उद्देश्य है कि हर जरूरतमंद को यथासंभव सहायता पहुंचाई जाए

गुरुग्राम में महा-महोत्सव बन गई डिजिटल जन्माष्टमी

हजारों लोगों ने लिया डिजिटल जन्माष्टमी में भाग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

इस्कॉन मंदिर बादशाहपुर गुरुग्राम में डिजिटल जन्माष्टमी उत्सव बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। डिजिटल तरीके से इस महोत्सव में हजारों लोगों ने अपने घरों से बैठे ही भाग लिया। तकनीक-प्रेमी युवा भक्तों की टीम की भावना को जन्म दिया, जो इन व्यवस्थाओं को संभाल रहे थे। डिजिटल प्लेटफार्म पर भी जन्माष्टमी को भक्तों ने सराहा।

इस्कॉन मंदिर कार्यालय में पिछले कुछ दिनों से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की डिजिटल रूप से दर्शन और पूजा करने के लिए तैयारी की जा रही थी। यहां की तकनीकी-प्रेमी युवा भक्त टीम, जो इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं, उन्होंने इसे संभव बनाया है। यहां तक ??कि प्रतिष्ठित कॉपोरेट घरानों के सीईओ कृष्ण भक्त पूरी व्यवस्था की निगरानी के लिए आगे आए। जिनके पास दर्शन और आरती हुई वे बहुत खुश थे। इस्कॉन बादशाहपुर के अध्यक्ष रामबदन दास ने कहा कि भक्त भावनात्मक रूप से अपने आराध्य भगवान के साथ जुड़े हुए हैं और यदि वे उनके दर्शन और आरती करने में सक्षम नहीं थे। इस तरह से वे दर्शन करके बहुत खुश हुए।

अपने घर से डिजिटल रूप से आरती और पूजा करने वाले लोग बहुत खुश थे और इसे कोरोना महामारी पर जीत करार दिया। एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के सीईओ कपिल शर्मा ने कहा कि आज सब कुछ डिजिटल था। यह एक अद्भुत अनुभव था। पिछले साल भी वे इस्कॉन में जन्माष्टमी मनाने के अवसर से चूक गए थे, क्योंकि वे विदेश यात्रा पर थे। इस साल वे परेशान थे कि जन्माष्टमी मना पाएंगे या नहीं। उन्हें पता चला कि इस्कॉन में डिजिटल उत्सव डिजिटल हो रहा है तो प्रबंधकों से संपर्क करके जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह आपदाओं पर प्रौद्योगिकी की जीत है। अध्यक्ष रामबदन दास ने कहा कि यह उपाय कोरोना वायरस की वर्तमान स्थिति के कारण लिया गया है। हमारी मुख्य चिंता यह है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुरक्षा में बाधा न आए। इस वर्ष जन्माष्टमी तीन दिन के कार्यक्रम के साथ मनाई जा रही है।

पहले दिन 11 अगस्त को, कोरोना से कृष्ण भक्तों और मानवता की रक्षा के लिए एक नरसिंह अग्नि यज्ञ का आयोजन किया गया था। दूसरे दिन को आम तौर पर आरती, अभिषेक और महाभिषेक के साथ सुबह से मध्य रात्रि तक जन्माष्टमी दिवस के रूप में मनाया जाता था। तीसरे दिन को दुनिया भर में इस्कॉन के संस्थापक प्रभुपाद के रूप में मनाया गया।

संक्षिप्त समाचार

घोटालों के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन आज

भिवानी। पूर्व विधायक सोमवीर सिंह की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस भाजपा-जजपा सरकार में शराब घोटाले, रजिस्ट्री घोटाले और प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में प्रदर्शन करेंगी। यह जानकारी कांग्रेस प्रवक्ता धीरज अखरिया ने देते हुए बताया कि कल 13 अगस्त क्राउन प्लाजा, पुराना बस स्टैंड से उपायुक्त कार्यालय तक विरोध प्रदर्शन के उपरांत उपायुक्त को ज्ञापन दिया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गण, अग्रिम संगठन और कार्यकर्ता भाग लेंगे।

भिवानी में कोरोना फिर हुआ आक्रामक

भिवानी। भिवानी जिले में कोरोना फिर से आक्रामक हो गया है। बीती रात को 28 नये कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए है। जिनमें से 4 पुराना हाउसिंग बोर्ड कालोनी से, 3 राय सिहं कालोनी भिवानी से, 3 विकास नगर से, एक पुराना बस स्टैण्ड से, एक कृष्ण कालोनी से, एक आदर्श कालेज भिवानी से, 4 घोसियान चौक भिवानी से एक गांव देवसर से, एक किशोरीलाल सेवा सदन से, 3 पटेल नगर से, एक बैंक कालोनी से, एक चटोरी गली से, 3 बुवानी खेड़ा से तथा एक एसबीआई बैंक भिवानी से है। अब तक जिले में कुल 897 कोरोना पॉजिटिव हो चुके है जिसमें से 794 ठीक हो चुके है। अब जिले में कोरोना के 95 एक्टिव केस है। बुद्धवार को जिले से 500 सैम्पल लिए जा चुके है। जबकि जिले में बुद्धवार को 4 कोरोना पॉजिटिव ठीक हुए है। सिविल सर्जन डाक्टर जितेन्द्र कादयान ने बताया कि भिवानी जिले में बीती रात को 28 नये कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए हैं।

शायरों व रंगकर्मियों ने डा. राहत इंदौरी को दी श्रद्धांजलि

गुरुग्राम। वर्ष 2020 पूरे विश्व व भारत के लिए शुभ प्रतीत होता दिखाई नहीं दे रहा है। कोरोना महामारी से हर वर्ग सहित देश व विश्व की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हुए बिना नहीं रही है। फिल्म जगत के कई चमकते सितारे इस महामारी के दौरान संसार ही छोड़कर चले गए। गत दिवस प्रसिद्ध शायर डा. राहत इंदौरी का इंदौर में कोरोना संक्रमण से पीड़ित होने के कारण उनका भी निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार भी इंदौर में कर दिया गया बताया जा रहा है। इस शायर को साईबर सिटी के रंगकर्मियों व शायरों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा है कि तरन्नुम से पढ़ी जाने वाली शायरी को डा. राहत इंदौरी राहत दे गए। राहत साहब सभी के दिलों के बहुत करीब थे। हर किसी को वह अपना समझते थे। उनका कहना है कि जब वे अपनी शायरी पढ़ते थे तो लगता था कि किसी दूसरे शायर की मुशायरे में जरुरत ही नहीं है और उन्होंने सदैव लोगों की खूब तालियां बटोरी हैं। राहत साहब ने उर्दू शायरी का समूचा मिजाज ही बदलकर रख दिया। उन्होंने शायरी के कहने का जो अदभुत संसार रचा, उनके चाहने वाले उसके कायल हो गए। चाहे देश के मंच हों या विदेशों के राहत साहब ने अपनी जिंदादिली और नटखट अंदाज से शायरी को जो मुकाम दिया, उसे दोहराना नामुमकिन है। हर मजहब और तबके के लोग उनकी शायरी के दिवाने थे। जिस शहर में भी वे मुशायरों में गए वहां के लोगों को उन्होंने अपना मुरीद बना लिया। रंगकर्मियों का कहना है कि उन्होंने शायरी के साथ-साथ कई फिल्मों के गाने भी लिखे थे।

व्यापार मंडल ने काठमंडी के व्यापारियों की सुनी समस्याएं

सोनीपत। व्यापार मंडल आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जिला व्यापार मंडल के प्रधान संजय सिंगला, संयोजक संजय वर्मा, उपप्रधान रामनारायण गोयल आदि बुधवार को काठमंडी में व्यापारियों की समस्याओं को सुनने पहुंचे। टिम्बर एसोसिएशन प्रधान पवन तनेजा ने काठमंडी में व्यापारियों को माल उतरवाने में आ रही दिक्कत से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि पत्थर, लकड़ी, लोहे, सीमेंट की गाड़ी उतरवाते समय ट्रैफिक कर्मचारी परेशान करते हैं और जबरन चालान काटते हैं, जिससे व्यापारी वर्ग परेशान है। नुकीला सामान होने के कारण लोहे, पत्थर व लकड़ी के माल की गाड़ी को रात को नहीं उतरवाया जा सकता। जिला प्रधान संजय सिंगला ने एसएचओ ट्रैफिक शिव दर्पण से फोन कर मौके पर पहुंच कर व्यापारियों की समस्या का निदान करने की अपील की। एसएचओ शिव दर्पण ने उच्चस्तरीय आदेश के अनुपालन का हवाला देते हुए शीर्ष अधिकारियों से बातचीत करने को कहा। जिला व्यापार मंडल 15 अगस्त के बाद अधिकारियों से मिलकर समस्या को हल करवाएगा। इस मौके पर बिजेंद्र गोयल, चन्द्रप्रकाश लूथरा, पंकज मित्तल, नरेश खतरेजा, भगत सिंह धनेरवाल आदि व्यापारी मौजूद रहे।

सोनीपत में कोरोना के 21 नये पॉजिटिव केस

सोनीपत। उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कहा कि सोनीपत में बुधवार को सांयकाल तक कोविड-19 कोरोना वायरस के 21 नये पॉजिटिव केस दर्ज किये गये हैं।

ऐसे में अब जिला में कोरोना वायरस के पोजिटिव मामलों का कुल आंकड़ा बढ़कर 3398 हो गया है। उपायुक्त ने यह जानकारी जिला स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर दी। उपायुक्त पूनिया ने कहा कि कोरोना वायरस के नये पॉजिटिव मामलों में 11 महिला मरीज भी सम्मिलित हैं। नये मामले जिला के शहरी व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में मिले हैं।

शहरी क्षेत्र के अंतर्गत सिक्का कालोनी सोनीपत में एक नया कोरोना संक्रमित मरीज, एलआईसी ऑफिस सोनीपत में दो, उत्तम नगर में दो, मॉडल टाउन में दो, सेक्टर-27 में एक, विकास नगर में एक, प्रभू नगर में एक तथा सेक्टर-15 में एक पॉजिटिव मरीज पाया गया है।

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सबके लिए आदर्श

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

समाजसेवी एवं युवा कांग्रेस नेता निखिल मदान ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सब लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। भगवान श्रीकृष्ण के दिखाए सत्य और न्याय के रास्ते पर हम सबको चलना चाहिए।

मौके पर कृष्णा चैरिटेबल सोसाइटी और टीम दीपेंद्र सोनीपत ने शहर के लोगों के लिए चलाई जा रही निःशुल्क पानी टैंकर की सुविधा में दो नए टैंकर और जोड़े। निखिल

कॉलोनी में पेजयल के लिए टैंकर भेजते समाजसेवी निखिल मदान।

मदान ने बताया कि उनके द्वारा काफी पहले से ही पानी के टैंकर की सुविधा लोगों को दी जा रही है और अब लोगों की मांग देखते हुए दो नए टैंकर शुरू किए हैं। निखिल मदान ने बताया की जिस भी व्यक्ति को पानी के टैंकर की आवश्यकता है वो सोसाइटी कार्यालय जाकर या टैंकर पर दिए गए मोबाइल नम्बर 9813167796 और लैंडलाइन 01302981200 पर फोन करके पानी का टैंकर मंगवा सकता है। मदान ने बताया कि शहर में लोगों से मुलाकात के दौरान उनके सामने पीने के पानी की किल्लत और सीवरेज जाम होने की समस्या निकल कर सामने आई थी, जिस पर निजी तौर से उन्होंने संज्ञान लेकर पानी टैंकर और सीवरेज सफाई के लिए भी गाड़ी लगा दी गयी है। जिस भी कॉलोनी में सीवरेज की समस्या है वो उनके हेल्पलाइन नम्बर पर फोन करके अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है, जिसे तुरंत प्रभाव से दूर किया जाएगा।

प्रॉपर्टी डीलर से 25 लाख की फिरोती मांगी

बदमाशों के हौसले हो रहे बुलंद, आए दिन हो रही हैं ऐसी घटनाएं

सुरेंद्र इंदौरा। रेवाड़ी

जिले में बदमाशों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। लगता है जैसे बदमाशों को अब पुलिस का कोई खौफ नहीं है। यही कारण है कि बदमाश लोगों को सरेआम फोन पर अपना नाम बताकर धमकी दे रंगदारी मांग रहे हैं। अब शहर का एक प्रॉपर्टी डीलर इसका शिकार हुआ है।

पांच स्टेट की पुलिस के लिए वांटेड दर्जनों केस में संलिप्त एक बदमाश ने 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी है। हालांकि पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर को सुरक्षा प्रदान कराते हुए तीन टीमों का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू करने की बात कही है,

लेकिन डीलर के पिता ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाया है।

शहर के प्रॉपर्टी डीलर धीरज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उसके मोबाइल पर एक फोन आया। फोन करने वाले ने उससे कुछ रुपयों का इंतजाम करने की बात कही। उसके यह कहने पर कि पैसों का इंतजाम नहीं होगा तो उसे दूसरी ओर से धमकी ली। पहले धीरज ने उसे अपने किसी मित्र की शरारत माना, लेकिन तुरंत ही युवक ने अपना नाम बताया और कहा कि उन्हें उससे ओर उसके दो साथियों से 25-25 लाख रुपये चाहिए। पैसे नहीं देने पर उसे देख लेने की धमकी भी दी।

शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे सुरक्षा मुहैया करा दी ओर उसकी गिरफ्तारी के लिए तीन अलग-अलग टीमों का गठन कर दिया। धीरज के पिता ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस ने उन्हें बताया है कि बदमाश अपने घर से करीब पांच सालों से गायब है। उसके पीछे पांच राज्यों की पुलिस लगी हुई है और उसके खिलाफ कई संगीन मामले दर्ज हैं। ओमप्रकाश ने कहा कि जब बदमाश इतना खतरनाक है तो संदेह होता है कि सुरक्षा कब तक उन्हें सुरक्षित रखेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस को बदमाशों के खिलाफ तुरंत एक्शन लेना चाहिए, ताकि वे अन्य लोगों का इस प्रकार अपना शिकार नहीं बना सके।

सुपरवाइजरों ने ऑनलाइन ट्रांसफर रद्द कराने को किया प्रदर्शन

भिवानी। आईसीडीएस सुपरवाइजर्स वेलफेयर एसोसिएशन सम्बद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के तत्वावधान में आज मंगलवार को ऑनलाइन ट्रांसफर रद्द करवाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कार्यक्रम अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि विभाग द्वारा 5 अगस्त 2020 को सुपरवाइजरों को ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए, जिनमें 78 सुपरवाइजरों का ट्रांसफर 150-350 किलोमीटर दूर कर दिया गया। इसको लेकर आईसीडीएस सुपरवाइजरों ने सरकार व विभाग के प्रति गहरा रोष है। एसोसिएशन की जिला अध्यक्ष बिमला, सचिव उषा ने बताया कि एक वर्ष से पहले सेवानिवृत्त होने वाली अविवाहित, विधवा व बीमार सुपरवाइजरों को भी काफी दूर भेजा गया है।

पंजाब से अपना हक मांग रहे हैं भीख नहीं : ज्ञान चंद गुप्ता

हरियाणा विधानसभा स्पीकर ने इमारत में हिस्सेदारी पर दिखाई तलखी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने एक बार फिर से हरियाणा विधानसभा परिसर में पंजाब से हिस्सेदारी की मांग को दोहराते हुए कहा है कि हरियाणा अपना हक मांग रहा है, कोई भीख नहीं। इस मामले में हर पहलू को आधार बनाकर लड़ाई लड़ी जाएगी और पंजाब से अपना हिस्सा लिया जाएगा।

बुधवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में स्पीकर ने कहा कि पहले इस संबंध में पंजाब के स्पीकर से सकारात्मक बातचीत करते हुए सचिव स्तर पर वार्ता करने की पहल के लिए तैयार हो गए थे। इसके बाद वह अपने वायदे से मुकर गए। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि हरियाणा को उसके हिस्से के कमरे और जमीन मिले, इसके लिए वह अपने प्रयास जारी रखेंगे। ज्ञानचंद गुप्ता का कहना है कि हरियाणा को बंटवारे के दौरान जो जगह देने की बात तय हुई थी, वो सारा बंटवारा लिखित में हुआ था। आज भी काफी कमरे पंजाब के कब्जे में हैं। पंजाब के स्पीकर से इसी क्रम में मुलाकात कर एक प्रयास किया गया था, ताकि मामले का शांतिपूर्वक हल निकल सके। बाद में मजबूर होकर यूटी प्रशासक और पंजाब राज्यपाल को भी लिखा गया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह इस मामले में पूरी तरह से गंभीर हैं।

पायनियर
हरियाणा, बृहस्पतिवार, 13 अगस्त, 2020

हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुने जाने का फैसला ऐतिहासिक

वाशिंगटन। अमेरिका में मुख्यधारा के मीडिया ने राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन द्वारा भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने को ऐतिहासिक करार दिया है।

मीडिया ने इस फैसले का कुछ उसी तरह स्वागत किया, जैसा बराक ओबामा को 2008 में राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने पर किया गया था। हैरिस के पिता अफ्रीकी हैं और मां भारतीय हैं। उनके पिता जमैका के मूल निवासी हैं। हैरिस को उम्मीदवार बनाए जाने का फैसला जमैका में भी पहले पन्ने की सुर्खियां बन गया है। बाइडेन ने हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार (अपना रनिंग मेट) चुना है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब कोई अश्वेत महिला देश की किसी बड़ी पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी हैं। यदि हैरिस उपराष्ट्रपति बन जाती हैं, तो वह इस पद पर काबिज होने वाली अमेरिका की पहली महिला होंगी और देश की पहली भारतीय-अमेरिकी एवं अफ्रीकी-अमेरिकी उपराष्ट्रपति होंगी।

हैरिस अमेरिका के कैलिफोर्निया से सीनेटर हैं

हैरिस (55) इस समय अमेरिका के कैलिफोर्निया से सीनेटर हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा हैरिस को अकसर पथ-प्रदर्शक बताते रहे हैं। द वाशिंगटन पोस्ट ने बुधवार के अपने संस्करण में शीर्षक दिया, ऐतिहासिक कदम: बाइडेन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए हैरिस को चुना। समाचार पत्र ने लिखा, किसी बड़ी पार्टी के टिकट से पहली अश्वेत महिला और पहली एशियाई-अमेरिकी महिला को ऐसे समय में उम्मीदवार बनाया गया है, जब देश नस्ली अतीत और भविष्य से जूझ रहा है। हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार

बनने की दावेदार रह चुकी हैं।

न्यूयार्क टाइम्स ने शीर्षक दिया, बाइडेन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस को चुना है, किसी बड़ी पार्टी के टिकट पर पहली अश्वेत महिला को चुना गया। द वाल स्ट्रीट जर्नल ने शीर्षक दिया, बाइडेन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए हैरिस को नामित कर इतिहास रचा। इसने कहा कि भारतीय एवं जमैका के प्रवासियों की बेटी हैरिस 2016 में सीनेट में चुने जाने के बाद से डेमोक्रेटिक पार्टी की उभरती सितारा हैं। द लॉस एंजिलिस टाइम्स ने लिखा, कमला हैरिस उपराष्ट्रपति पद के लिए जो बाइडेन का ऐतिहासिक चयन हैं।

जमैकन टाइम्स ने शीर्षक दिया, बाइडेन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए कैलिफोर्निया की सीनेटर कमला हैरिस को चुना। इस बीच, उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के चयन की प्रक्रिया से अवगत डेमोक्रेटिक पार्टी के एक पदाधिकारी ने सीएनएन को बताया कि हैरिस को उनके अनुभव और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की सलाह पर उम्मीदवार चुना गया। ओबामा ने कहा कि हैरिस इस जिम्मेदारी के लिए पूरी तरह तैयार हैं और यह हमारे देश के लिए शुभ दिन है। इस बीच, पार्टी के एक अन्य उच्च पदाधिकारी ने बताया कि बाइडेन ने देश में नस्ली भेदभाव के खिलाफ चल रहे प्रदर्शनों के मद्देनजर उपराष्ट्रपति पद (अपनी रनिंग मेट) के उम्मीदवार के लिए कमला हैरिस को चुना। इससे पहले, जो बाइडेन डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के लिए मिशिगन की गवर्नर ग्रेचन व्हिटमर को चुनना चाहते थे। व्हिटमर ने मिशिगन में लोकप्रियता और कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ अपने आक्रामक रवैए के कारण बाइडेन और उनकी चुनाव प्रचार मुहिम टीम का ध्यान खींचा था, लेकिन इसी बीच पुलिस कार्रवाई में काले व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद नस्ली भेदभाव और असमानता के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन शुरू हो गए।

फ्लॉयड और अन्य काले अमेरिकियों की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन बढ़ने के बीच डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सदस्यों ने बाइडेन से अपील की कि वे चुनाव में अश्वेत लोगों की महत्ता के मद्देनजर इस पद के लिए किसी अश्वेत महिला का चयन करें। उन्होंने बताया कि इन सभी बातों पर विचार करते हुए बाइडेन ने कैलिफोर्निया की सीनेटर कमला हैरिस को चुना।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने की अश्वेत महिला की सिफारिश

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के चयन की प्रक्रिया से अवगत डेमोक्रेटिक पार्टी के उच्च अधिकारी ने बताया कि इन प्रदर्शनों के बीच व्हिटमर ने बाइडेन की टीम को लिखे पत्र में कहा था कि वह अपने नाम पर विचार किए जाने से सम्मानित महसूस कर रही हैं, लेकिन अब वह इस पद की उम्मीदवारी की दावेदार नहीं बनना चाहतीं। उन्होंने इस पद के लिए किसी अश्वेत महिला को उम्मीदवार बनाए जाने की सिफारिश की थी। अधिकारी ने बताया कि बाइडेन ने व्हिटमर से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनसे अपने फैसले पर पुनः विचार करने को कहा था और वह उम्मीदवार बनने के लिए राजी हो गई थीं, लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी के अन्य सदस्य चाहते थे कि बाइडेन किसी अश्वेत महिला को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनें।

कमला हैरिस का चुनाव करना हैरानी भरा : ट्रंप

बाइडेन ने कमला हैरिस को उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना है

ललित के झा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इस बात से काफी हैरान हैं कि उनके डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन ने भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार (अपना रनिंग मेट) चुना है जबकि वह लगातार उनका अनादर करती रही हैं।

बाइडेन ने मंगलवार को भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार (अपना रनिंग मेट) चुना। ऐसा पहली बार हुआ है, जब कोई अश्वेत महिला देश की किसी बड़ी पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनी

हैं। यदि हैरिस उपराष्ट्रपति बन जाती हैं, तो वह इस पद पर काबिज होने वाली अमेरिका की पहली महिला होंगी और देश की पहली भारतीय-अमेरिकी और अफ्रीकी उपराष्ट्रपति होंगी। हैरिस (55) के पिता अफ्रीकी और मां भारतीय हैं। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया की सीनेटर हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा हैरिस को अकसर पथप्रदर्शक बताते हैं।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम देखेंगे वह कैसे काम करती हैं। उन्होंने प्राइमरी में बेहद खराब प्रदर्शन किया था। उनके बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, वह कई चीजों को लेकर चर्चा में थीं, इसलिए मुझे बाइडेन द्वारा उनका चयन करने पर थोड़ा अचम्भा हो रहा है। ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा, इतना अनादर करने वाले व्यक्ति का चयन करना कठिन काम है। डेमोक्रेट प्राइमरी डिबेट के दौरान उन्होंने बाइडेन के बारे बेहद खराब बातें कहीं। मुझे लगा था कि वह उनका चयन नहीं करेंगे। वहीं उप राष्ट्रपति माइक पेंस का कहना है कि उन्हें हैरिस के चयन से कोई हैरानी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, जैसा आप सभी को पता है कि कट्टरपंथी वाम बाइडेन और डेमोक्रेट पर हावी हो गए हैं। इसलिए उच्च कर, खुली सीमाओं, मांग पर गर्भपात आदि उनके वादों को देखते हुए, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उन्होंने सीनेटर हैरिस को चुना है। पेंस और हैरिस के बीच सात अक्टूबर को उप राष्ट्रपति के पद के लिए डिबेट होगी।

रिलायंस फाउंडेशन की यूएसएआईडी के साथ साझेदारी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की परोपकार शाखा रिलायंस फाउंडेशन ने बुधवार को कहा कि उसने लैंगिंग डिजिटल खाई को कम करने के लिए अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) और डब्ल्यू-जीडीपी के साथ साझेदारी की है। रिलायंस फाउंडेशन द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक इस साझेदारी की घोषणा महिलाओं के वैश्विक विकास एवं समृद्धि (डब्ल्यू-जीडीपी) के एक कार्यक्रम में की गई। इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति की बेटी इवांका ट्रंप विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद थीं। इसके अलावा अमेरिकी उप-मंत्री स्टीफन बेजगुन, यूएसएआईडी के उप-प्रशासक बोनी ग्लिक भी मौजूद थे। डोनाल्ड ट्रंप ने 2019 में दुनिया भर में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए डब्ल्यू-जीडीपी पहल की शुरुआत की थी। इस पहल के तहत रिलायंस फाउंडेशन और यूएसएआईडी साथ मिलकर काम करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंस में रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता अंबानी ने कहा, हम 2020 में पूरे भारत में एक साथ डब्ल्यू-जीडीपी महिला संपर्क चुनौती की शुरुआत करेंगे।

तुर्की के ड्रोन हमले में दो वरिष्ठ कमांडरों की मौत : इराकी सेना

बगदाद। इराक की सेना ने मंगलवार को कहा कि तुर्की के ड्रोन हमले में देश के दो वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की मौत हो गई। ऐसा पहली बार हुआ है जब इराक के उत्तरी हिस्से में कुर्द विद्रोहियों को खत्म करनेवाले तुर्की के अभियान में इराक के उच्च सुरक्षा अधिकारी मारे गए हैं। इराक की सेना के बयान के अनुसार इरबिल के उत्तरी हिस्से के ब्राडोस्ट क्षेत्र में ड्रोन ने बॉर्डर गार्ड्स के एक वाहन को निशाना बनाया। इस हमले में दो कमांडर और वाहन के चालक की मौत हो गई। ब्राडोस्ट के मेयर ने बताया कि बॉर्डर गार्ड्स के दूसरे ब्रिगेड के कमांडर जनरल मोहम्मद रूश्दी और तीसरे रेजिमेंट के कमांडर ब्रिगेडियर जुबैर हाली की इहसान चेलेबी में हमले में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि ये क्षेत्र में नई चौकियां बना रहे थे।

तुर्की की सेना के अधिकारियों से इस संबंध में टिप्पणी लेने के लिए संपर्क नहीं हो सका। इराक के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस हमले की निंदा करते हुए कहा गया कि यह इराक की संप्रभुता का उल्लंघन है और इस तरह के लगातार हमले द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने के लिए उकसा रहे हैं। तुर्की के रक्षा मंत्री की बृहस्पतिवार को होने वाली यात्रा को इराक ने रद्द कर दिया है। इराक के दो सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बॉर्डर गार्ड्स के ए कमांडर गुप्त तरीके से कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के सदस्यों से मिल रहे थे और इसी दौरान यह हमला हुआ। तुर्की पीकेके को आतंकवादी संगठन मानता है और उसने कई अभियानों में उत्तरी इराक में इनके ठिकानों के ऊपर बमबारी की है।

सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में पांच अन्य लोगों की मौत हुई। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वे सैन्य कर्मी थे या असैन्य नागरिक थे। उत्तरी इराक में पीकेके के एक अधिकारी ने बताया कि बैठक ब्राडोस्ट में हुई और इस बैठक का उद्देश्य क्षेत्र में स्थिरता लाना था।

श्रीलंका में नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण हुआ, राजपक्षे परिवार के चार सदस्य बने मंत्री

कोलंबो। श्रीलंका के नए मंत्रिमंडल ने बुधवार को शपथ ली, जिसमें शक्तिशाली राजपक्षे परिवार के चार सदस्य शामिल हैं। राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने रक्षा मंत्रालय अपने पास ही रखा है, जबकि वित्त मंत्रालय का प्रभार नव निर्वाचित प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को दिया गया है।

कैंडी शहर में मंत्रिमंडल के सदस्यों ने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे और उनके बड़े भाई एवं प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे की उपस्थिति में शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति के बड़े भाई महिंदा राजपक्षे को वित्त मंत्रालय सहित तीन मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महिंदा के बड़े बेटे नमल राजपक्षे को युवा मामले एवं खेल मंत्री बनाया गया है, 2010 में उनके संसद में प्रवेश करने के बाद पहली बार उन्हें मंत्रिमंडल में जगह मिली है। श्रीलंका की मीडिया में आई खबर के मुताबिक राष्ट्रपति के सबसे बड़े भाई चमल राजपक्षे को भी मंत्रिमंडल में जगह मिली है। साथ ही वह आंतरिक सुरक्षा मामलों के राज्य मंत्री भी रहेंगे। उनके बेटे, शीषेंद्र राजपक्षे को राज्य मंत्री पद दिया गया है।

मंत्रिमंडल की एक मुख्य विशेषता यह है कि प्रख्यात नेता दिनेश गुनवर्द्धना को फिर से विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है, जबकि क्षेत्रीय सहयोग का एक राज्य मंत्रालय भी सृजित किया गया है जो विदेश मंत्रालय से संबद्ध होगा। राजपक्षे नीत एसएलपीपी ने पिछले हफ्ते हुए संसदीय चुनाव में 225 सदस्ईय संसद की रिकार्ड 145 सीटों पर जीत दर्ज की। संसद का प्रथम सत्र 20 अगस्त को होने वाला है। सिंगापुर के अलावा श्रीलंका एशिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल है, जहां कोरोना वायरस महामारी के बीच आम चुनाव हुए हैं।

वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी ने रूस के कोविड-19 टीके की सुरक्षा परीक्षण का आग्रह किया

मियामी। रूस द्वारा घोषित कोविड-19 टीके के विनिर्माण और वितरण के लिए क्षेत्र के संस्थानों द्वारा बातचीत किए जाने की खबरों पर पैन अमेरिकन हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने चिंता जताई है और कहा ह कि मानक, सघन सुरक्षा और प्रभाव को लेकर इस टीके के अभी परीक्षण किए जाने चाहिए।

संगठन के उपनिदेशक जरबास बरबोसा ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में वाशिंगटन से कहा कि किसी टीके की सुरक्षा और प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए उसका बड़े ध्यान से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। ब्राजील में पारना राज्य की सरकार ने कहा कि वह कोविड-19 के टीके के विकास में भागीदारी के लिए रूस के दूतावास से बातचीत कर रही है और बुधवार को रूसी राजदूत के साथ एक तकनीकी बैठक होगी।

लश्कर में शामिल होने की योजना बनाने पर अमेरिकी को 15 वर्ष का कारावास

न्यूयार्क (अमेरिका)। न्यूयार्क के एक व्यक्ति को पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा में शामिल होने और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने का मंसूबा रखने के जुर्म में 15 साल कारावास की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन को मदद मुहैया कराने की कोशिश करने के कारण उसकी सजा पूरी होने के बाद भी उस पर आजीवन नजर रखी जाएगी।

न्याय मंत्रालय ने बताया कि जीसस विलफ्रेडो एनकानार्सियॉन (30) को 2008 में नवंबर में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले समेत कई हाई प्रोफाइल हमले करने वाले लश्कर को मदद मुहैया कराने की कोशिश के मामले में 15 साल कारावास की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा एनकानार्सियॉन पर रिहाई के बाद भी नजर रखी जाएगी। एनकानार्सियॉन ने अमेरिका के डिस्ट्रिक्ट जज रोनी

अब्राम्स के सामने इस साल जनवरी में अपना अपराध स्वीकार किया था। न्यूयार्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट अमेरिका के कार्यवाहक अटॉर्नी औड्रे स्ट्रास ने कहा कि एनकानार्सियॉन की विदेश जाने, लश्कर में शामिल होने एवं प्रशिक्षण लेने और आतंकवादी संगठन की ओर से गोलीबारी, बमबारी और लोगों के सिर काटने जैसे काम करने की मंशा थी।

आपराधिक शिकायत और अभियोग के अनुसार एनकानार्सियॉन ने नवंबर 2018 में एक समूह के साथ ऑनलाइन बातचीत के दौरान आतंकवादी संगठन में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी। चैट में एक अन्य व्यक्ति ने एनकानार्सियॉन को एक ऐसे व्यक्ति से मिलाया, जो गुप्त रूप से एफबीआई का एक कर्मी था। एनकानार्सियॉन ने इस व्यक्ति से बातचीत के दौरान कई बार बताया कि वह लश्कर का समर्थन करता है और उससे जुड़ना चाहता है। उसने कहा था कि वह अल्लाह के नाम पर मर भी सकता है और मार भी सकता है। उसने कहा था, मैं मारना चाहता हूं। मैं लोगों के सिर काटना चाहता हूं। मैं गोली मारना चाहता हूं। एनकानार्सियॉन ने कहा था कि वह अमेरिका में आतंकवादी हमले करना चाहता है, लेकिन उसके पास इसके लिए मार्ग दर्शन और बंदूकें नहीं हैं।

मोदी ईमानदार करदाताओं के लिए एक विशेष मंच की करेंगे शुरुआत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को ईमानदारी से कर चुकाने वालों के लिए पारदर्शी कराधान-ईमानदार का सम्मान नामक एक मंच का शुभारंभ करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से होने वाले इस आयोजन में केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य राज्य मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर भी उपस्थित रहेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि आयकर विभाग के अधिकारियों एवं पदाधिकारियों के अलावा विभिन्न वाणिज्य मंडलों, व्यापार संघों एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट संघों के साथ-साथ जाने-माने करदाता भी इस आयोजन में शामिल होंगे। बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री पारदर्शी कराधान - ईमानदार का सम्मान के लिए जो प्लेटफॉर्म लॉन्च करेंगे वह प्रत्यक्ष कर सुधारों की यात्रा को और भी आगे ले

जाएगा। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने हाल के वर्षों में प्रत्यक्ष करों में कई प्रमुख या बड़े कर सुधार लागू किए हैं। पिछले वर्ष कॉरपोरेट टैक्स की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया गया एवं नई विनिर्माण इकाइयों के लिए इस दर को और भी अधिक घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। लाभांश वितरण कर को भी हटा दिया गया। बयान में बताया गया कि कर सुधारों के तहत टैक्स की दरों में कमी करने और प्रत्यक्ष कर कानूनों के सरलीकरण पर फोकस रहा है। आयकर विभाग के कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए भी सीबीडीटी द्वारा कई पहल की गई हैं। लंबित कर विवादों का समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से आयकर विभाग ने प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास अधिनियम, 2020 भी प्रस्तुत किया है जिसके तहत वर्तमान में विवादों को निपटाने के लिए घोषणाएं दाखिल की जा रही हैं। करदाताओं की शिकायतों व मुकदमों में प्रभावकारी रूप से कमी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न अपीलीय न्यायालयों में विभागीय अपील दाखिल करने के लिए आरंभिक मौद्रिक सीमाएं बढ़ा दी गई हैं। डिजिटल लेन-देन और भुगतान के इलेक्ट्रॉनिक मोड या तरीकों को बढ़ावा देने के लिए भी कई उपाय किए गए हैं और आयकर विभाग इन पहलों को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉयचे बैंक भारतीय परिचालन के विस्तार के लिए 2,700 करोड़ रुपये की पूंजी लगाएगा

मुंबई। जर्मनी स्थित डॉयचे बैंक ने बुधवार को कहा कि वह सभी खंडों में अपने भारतीय परिचालन के विस्तार के लिए 2,700 करोड़ रुपये की पूंजी लगाएगा। बैंक पिछले दो साल के भीतर दूसरी पर स्थानीय परिचालन में पूंजी निवेश कर रहा है। इससे पहले डॉयचे बैंक ने 2019 की शुरुआत में 3,800 करोड़ रुपये का निवेश किया था। भारत में उसकी 17 शाखाएं हैं।

बैंक को प्रत्येक नए ऋण के लिए और जब ऋण गैर-निष्पादित आस्तियों में चला जाता है, तो उनके लिए पूंजी का प्रावधान करना पड़ता है। बैंक ने एक बयान में कहा कि भारतीय परिचालन के तहत कॉरपोरेट बैंकिंग, निवेश बैंकिंग और अंतरराष्ट्रीय निजी बैंकिंग सहित अपने सभी व्यवसायों में विस्तार के लिए ताजा पूंजी का इस्तेमाल किया जाएगा।

आईएलओ के सर्वेक्षण के मुताबिक आधे युवा अवसाद चिंता का शिकार

संयुक्त राष्ट्र। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के एक सर्वेक्षण के मुताबिक कोविड-19 महामारी के प्रकोप के चलते दुनिया के आधे युवा अवसाद, चिंता के शिकार हैं, जबकि एक-तिहाई से अधिक भविष्य में अपने करियर को लेकर अनिश्चित हैं।

आईएलओ के युवा और कोविड-19: नौकरियों, शिक्षा, अधिकारों और मानसिक कल्याण पर प्रभाव नामक सर्वेक्षण में पाया गया कि अगर तत्काल कदम नहीं उठाए गए तो युवाओं के ऊपर इस महामारी का गंभीर और लंबे समय तक चलते वाले प्रतिकूल प्रभावों का खतरा है। यह रिपोर्ट मंगलावर को जारी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, कोविड-19 महामारी ने हमारे जीवन के हर पहलू को बाधित कर दिया है। संकट की शुरुआत से पहले भी, युवाओं के सामाजिक और आर्थिक एकीकरण को लेकर लगातार चुनौती थी और यदि अब तत्काल कार्वाई नहीं की गई, तो युवाओं के महामारी से गंभीर रूप से पीड़ित होने की आशंका है, जिसका असर लंबे समय तक रहेगा।

आईएलओ के इस सर्वेक्षण में 18 से 29 वर्ष तक उम्र वाले लोगों पर महामारी के कारण रोजगार, शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, अधिकारों और सामाजिक सक्रियता से संबंधित असर के बारे में पता लगाया गया। सर्वेक्षण के तहत 112 देशों के 12,000 से अधिक लोगों की प्रतिक्रियाएं ली गईं, जिसमें बड़ा हिस्सा इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले शिक्षित युवाओं का है। सर्वेक्षण के तहत अनुमान जताया गया कि दुनिया भर में दो में एक (यानी 50 प्रतिशत) युवा चिंता या अवसाद का शिकार हैं, जबकि इनमें से 17 प्रतिशत शायद काफी अधिक प्रभावित हैं। इसके मुताबिक महामारी के कारण सीखने और काम करने को लेकर गंभीर व्यवधान पैदा हुआ है, जिसके युवाओं की मानसिक स्थिति कमजोर हुई है।

संक्षिप्त समाचार

विक्टोरिया में कोरोना संक्रमण से 21 लोगों की मौत

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत में कोरोना वायरस संक्रमण से बुधवार को रिकॉर्ड 21 लोगों की मौत हो गई और संक्रमण से बेहद प्रभावित शहर मेलबर्न में संक्रमण के 410 नए मामले सामने आने के बाद यहां कड़ा लॉकडाउन लगाया गया है। राज्य के प्रीमियर डेनियल एंड्रूज ने बताया कि मरने वाले 25 लोगों में से 16 लोग वृद्धाश्रमों से हैं। हालांकि विक्टोरिया में नए मामलों में कमी आई है जिसकी वजह से अधिकारियों में थोड़ी उम्मीद जगी है कि महामारी का प्रसार कम हो रहा है। ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) की एक खबर के मुताबिक मेलबर्न के तीन लोगों पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के लिए जुर्माना लगाया गया है। इन लोगों ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें ये सभी रात का कर्फ्यू तोड़ते हुए मैक्डॉनल्ड्स की ओर जाते हुए दिख रहे हैं। एबीसी ने बताया कि पांच मिनट के इस वीडियो में विद्यार्थी सड़कों पर चलते, चालाकी से पुलिस अधिकारियों से छुपते हुए और रेस्त्रां के भीतर नाचते हुए दिखाई दे रहे हैं। विक्टोरिया पुलिस ने पुष्टि की है कि प्रत्येक विद्यार्थी पर 1,178 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया गया है।

एनएमडीसी ने लौह अयस्क की कीमत 300 रुपये प्रति टन बढ़ाई

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी एनएमडीसी ने बुधवार को खनिज की दरों में तत्काल प्रभाव से 300 रुपये प्रति टन की बढ़ोतरी की। इसके साथ लौह अयस्क की कीमत 2,950 रुपये प्रति टन हो गई है। लौह अयस्क इस्पात बनाने में इस्तेमाल होने वाला प्रमुख कच्चा माल है। इसकी कीमतों में कोई भी बदलाव इस्पात की दरों पर सीधा असर डालता है। एनएमडीसी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने उच्च श्रेणी के लौह अयस्क की कीमत 300 रुपये बढ़ाकर 2,950 रुपये प्रति टन कर दी है। इसी तरह दोयम श्रेणी के अयस्क की कीमत 300 रुपये की वृद्धि के साथ 2,660 रुपये प्रति टन हो गई है।

ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था आधिकारिक स्प से मंदी की चपेट में

लंदन। ब्रिटेन में कोरोना वायरस महामारी पर काबू पाने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के चलते दूसरी तिमाही में जीडीपी में 20.4 प्रतिशत की कमी आई, जिसके साथ ही अर्थव्यवस्था आधिकारिक रूप से मंदी की चपेट में आ गई है। ब्रिटेन में लगातार दो तिमाही के दौरान नकारात्मक विकास दर होने पर अर्थव्यवस्था को आधिकारिक रूप से मंदी की चपेट में माना जाता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2020 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था 2.2 प्रतिशत घटी थी। दूसरे देशों के विपरीत ब्रिटेन की सांख्यिकी एजेंसी तिमाही आंकड़ों के साथ ही मासिक आंकड़े भी जारी करती है और इन आंकड़ों से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद दिख रही है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था जून में गैर-मूलभूत वस्तुओं की दुकानों को फिर से खोलने की इजाजत देने के बाद 8.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी। ब्रिटेन की सरकार को उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था में आगे सुधार होगा।

लेमन ट्री होटल्स ने गुजरात में नए होटल की शुरुआत की

नई दिल्ली। आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी लेमन ट्री होटल्स ने बुधवार को बताया कि उसने गुजरात के द्वारिका में नए होटल की शुरुआत की है। कंपनी ने बताया कि इस होटल में 109 कमरे और सुइट्स हैं, और इसका प्रबंधन कार्नेशन होटल्स द्वारा किया जाएगा, जो लेमन ट्री होटल्स की सहायक इकाई और होटल प्रबंधन शाखा है। यह होटल गुजरात में द्वारकाधीश मंदिर के पास है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस होटल को लेमन ट्री प्रीमियर ब्रांड नाम के साथ शुरू किया गया है। लेमन ट्री होटल्स के इस समय भारत में और विदेशों में 49 स्थानों में 81 होटलों का संचालन करती है।

सिंगापुर में ज्यादातर विदेशी श्रमिक कोरोना संक्रमण मुक्त

सिंगापुर। सिंगापुर की सरकार ने कहा है कि ज्यादातर विदेशी श्रमिक अब काम पर लौट सकते हैं क्योंकि महीनों चले लॉकडाउन और जांच के बाद डॉर्मिट्री में अब कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा नहीं है। सिंगापुर में संक्रमण के 55,353 मामलों में से ज्यादातर मामले डॉर्मिट्री में रहने वाले लोगों के थे। देश में अब तक कोविड-19 से केवल 27 मौतें हुई हैं। मानव संसाधन मंत्रालय की ओर से मंगलवार देर रात जारी एक वक्तव्य में कहा गया कि 17 एकल ब्लॉक को छोड़कर सभी डॉर्मिट्री को संक्रमण रहित कर दिया गया है। एकल ब्लॉक का इस्तेमाल पृथक-वास के लिए किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि डॉर्मिट्री में रहने वाले सभी विदेशी श्रमिक या तो ठीक हो चुके हैं या संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि 22,500 श्रमिकों को पृथक-वास में रखा गया है। अधिकांश श्रमिक अब निर्माण, शिपयार्ड और अन्य कारखानों में काम पर लौटने के लिए तैयार हैं।

फेसबुक से हानिकारिक एवं निषिद्ध सामग्री हटाने में आई बाधा

आकलैंड (अमेरिका)। फेसबुक ने कोविड-19 के कारण सोशल मीडिया मंच से हानिकारक और निषिद्ध सामग्री हटाने में बाधा उत्पन्न होने की बात स्वीकार की है। महामारी के मद्देनजर घर से काम करने की वजह से कर्मचारियों का सामग्री भेजने में आई परेशानियों के कारण कम्पनी आत्महत्या, खुद को नुकसान पहुंचाने, बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री, यौन उत्पीड़न आदि से जुड़ी कम ही सामग्री फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटा पाई। अपने समीक्षकों को सामग्री घर भेजने का मतलब यह था कि फेसबुक अपने नियमों का उल्लंघन करने वाली लोगों की पोस्ट, तस्वीरें और अन्य सामग्री खोजने के लिए प्रौद्योगिकी पर अधिक निर्भर हो रही है। प्रमाणिकता के मामलों पर फेसबुक के उपाध्यक्ष गॉय रोजेन ने अपने ब्लॉग में लिखा, आज की रिपोर्ट में हमारी सामग्री पर कोविड-19 के पड़े असर का पता चला, जबकि उल्लंघन करने वाली सामग्री को पहचानने और हटाने की हमारी तकनीक में सुधार हो रहा है लेकिन साथ ही कुछ क्षेत्रों में हम अब भी लोगों की समीक्षा की गई सामग्री पर भरोसा करते हैं और साथ ही अपनी तकनीक को भी बेहतर कर रहे हैं। कम्पनी ने मंगलवार को कहा कि अधिकतर समीक्षक घर से काम कर रहे हैं क्योंकि यह सुरक्षित है और केवल थोड़े लोग ही कार्यालय से काम कर रहे हैं।

भारत में मानसून से प्रभावित समुदायों को सहायता देगा संरा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र भारत में मानसून के कारण हो रही भारी बारिश की वजह से सर्वाधिक प्रभावित और वंचित समुदायों को मानवीय सहायता मुहैया कराएगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, ऐसा बताया जा रहा है कि भारत में मानसून ने 770 से अधिक लोगों की जान ले ली है। प्राधिकारियों के अनुसार, पांच लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। संयुक्त राष्ट्र भारत में सबसे वंचित और प्रभावित समुदायों को मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए तैयार है। दुजारिक ने एशिया में बाढ़ की स्थिति के बारे में कहा कि बांग्लादेश में पिछले कुछ वर्षों का सबसे भयंकर एवं सबसे लंबा मानसून आया है और एक चौथाई देश बाढ़ से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि कम से कम 54 लाख लोग भीषण बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, 11,000 परिवार विस्थापित हो गए हैं और 135 लोगों की मौत हो गई है। प्रवक्ता ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र सहयोगी भोजन, आश्रय, साफ जल, स्वच्छता संबंधी एवं अन्य आपूर्ति उपलब्ध कराने में सहायता कर रहे है।

पाकिस्तान में कोविड-19 मामलों की संख्या 2,85,921 हुई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 730 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर 2,85,921 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि वायरस से 17 और लोगों की जान जाने से मृतक संख्या बढ़कर 6,129 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि अभी तक 2,63,193 लोग ठीक हो चुके हैं। वहीं, 785 मरीजों की हालत गंभीर है। मंत्रालय के मुताबिक सिंध में सबसे अधिक ।,24,556 मामले सामने आए हैं जबकि पंजाब में 94,715, खैबर पख्तूनख्वा में 34,859, इस्लामाबाद में 15,296, बलूचिस्तान में 11,956, गिलगित बल्तिस्तान में 2,382 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2,157 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अभी तक देश में 21,86,442 नमूनों की जांच हो चुकी है, जिनमें से 20,631 नमूनों की जांच पिछले 24 घंटे में की गई।

फोर्ड इंडिया ने फ्रीस्टाइल का उत्कृष्ट संस्करण पेश किया

नई दिल्ली। फोर्ड इंडिया ने अपने कॉम्पैक्ट यूटिलिटी वाहन फोर्ड फ्रीस्टाइल का उत्कृष्ट संस्करण फ्रीस्टाइल फ्लेयर बुधवार को पेश किया। त्योहारी मौसम के चलते इसकी शुरुआती कीमत 7.69 लाख रुपये और शोरूम कीमत 8.79 लाख रुपये है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि फ्रीस्टाइल फ्लेयर पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन संस्करण में उपलब्ध है।

रूस के टीके के असरदार, सुरक्षित होने को लेकर संशय : सीसीएमबी

पर्याप्त डेटा उपलब्ध नहीं होने के चलते असरदार सुरक्षित होने के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता

सीसीएमबी निदेशक बोले, यदि लोग भाग्यशाली रहे तो टीका होगा असरदार

हैदराबाद। सीएसआईआर-कोशिकीय एवं आणविक जीव विज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 के उपचार के लिए विकसित किए गए रूस के टीके संबंधी पर्याप्त डेटा उपलब्ध नहीं होने के कारण इस टीके के असरदार होने और इस्तेमाल के लिए सुरक्षित होने के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। सीसीएमबी के निदेशक राकेश के मिश्रा ने कहा कि यदि लोग भाग्यशाली रहे तो रूस का टीका असरदार साबित होगा।

मिश्रा का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को घोषणा की थी कि उनके देश ने कोरोना वायरस के खिलाफ पहला टीका विकसित कर लिया है, जो कोविड-19 से निपटने में बहुत प्रभावी ढंग से काम करता है। एक स्थाई रोग प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण करता है। इसके साथ ही उन्होंने खुलासा किया था कि उनकी एक बेटी को यह टीका पहले ही दिया जा चुका है।

मिश्रा ने कहा, टीके के असरदार होने और उसके इस्तेमाल के लिए सुरक्षित होने के बारे में अब भी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने उचित परीक्षण नहीं किए, जो तीसरे चरण में किए जाते हैं। इसी चरण में आपको टीके के असरदार होने के बारे में पता चलता है। इस चरण में बड़ी संख्या में लोगों को टीका लगाया जाता है और दो महीने इंतजार किया जाता है और पता लगाया जाता है कि वे संक्रमित हैं या नहीं। मिश्रा ने पीटीआई भाषा से कहा, ऐसा लगता नहीं कि उन्होंने यह (बड़े स्तर पर परीक्षण) किया है, क्योंकि यदि आपने ऐसा किया है, तो हमें डेटा दिखाइए। आप इसे गोपनीय नहीं रख सकते।

उन्होंने कहा कि टीके को लोगों तक पहुंचाने से पहले उसका सावधानी से आकलन किया जाना चाहिए और कोई देश या कंपनी टीके के संबंध में डेटा जारी नहीं कर रही है, तो यह गलत बात है। मिश्रा ने कहा, यह सुरक्षित नहीं है... पहले, दूसरे और तीसरे चरण के परीक्षण से गुजरने से पहले टीका उपलब्ध नहीं कराया जाना चाहिए।

सुदीक्षा को न्याय दिलाने को धरने पर बैठे सपा नेता अतुल प्रधान

नोएडा। समाजवादी पार्टी के नेता अतुल प्रधान ने मृतका सुदीक्षा भाटी के घर पहुंचकर उनके परिवार से मुलाकात की। परिवार वालों को मुआवजा दिए जाने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए। प्रधान पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ डेरीस्कनर गांव में धरने पर बैठे हैं। प्रधान ने कहा कि जब तक मृतका के परिवार को न्याय नहीं मिल जाता उनका संघर्ष जारी रहेगा। गौरतलब है कि बीबीए की छात्रा सुदीक्षा भाटी की जनपद बुलंदशहर के औरंगाबाद थाना क्षेत्र में दो दिन पहले एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी।

मुख्यमंत्री गहलोत ने ऑपरेशन लोटस का ही ऑपरेशन करके भाजपा को सबक सिखाया

यह राजनीतिक घमंड की हारः शिवसेना

सामना में कहा, अन्य पार्टियों में कथित तौर पर दलबदल की कोशिश है आपरेशन लोटस

मुंबई। शिवसेना ने बुधवार को कहा कि राजस्थान में ऑपरेशन लोटस की विफलता राजनीतिक घमंड की हार है। शिवसेना की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है। जब कुछ दिन पहले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सचिन पायलट की बैठक के बाद राजस्थान में राजनीतिक संकट के मैत्रिपूर्ण समाधान के संकेत मिले हैं।

शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा गया है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ऑपरेशन लोटस का ही ऑपरेशन करके भाजपा को सबक सिखाने का काम किया है। ऑपरेशन लोटस भाजपा द्वारा अन्य पार्टियों में कथित तौर पर दलबदल कराने की कोशिश है।

शिवसेना ने चुटकी लेते हुए कहा, महाराष्ट्र में तड़के किया गया यह ऑपरेशन विफल हो चुका है। कम से कम अब तो भाजपा को इससे सबक लेनी चाहिए। कुछ फर्जी डॉक्टरों द्वारा महाराष्ट्र में ऑपरेशन करन का नई तारीख अब सितबर में है।

मुखपत्र में प्रत्यक्ष तौर पर पिछले साल राजभवन में तड़के जल्दबाजी में आयोजित शपथग्रहण समारोह का हवाला दिया गया है। शिवसेना और भाजपा के बीच मुख्यमंत्री पद की साझेदारी को लेकर एकमत नहीं बनने पर गठबंधन से शिवसेना बाहर हो गई थी। इस समारोह में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। शिवसेना ने बाद में राकांपा और कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार का गठन किया।

शिवसेना ने भाजपा पर आरोप लगाया कि जहां उसकी सरकार नहीं है, वहां वह राज्यों में सरकारों को अस्थिर करने में इस कदर व्यस्त है कि जैसे देश के सामने दूसरी कोई परेशानियां ही नहीं है। मुखपत्र में यह कहा गया, कोरोना वायरस महामारी के जाने का कोई संकेत नहीं है। बेरोजगारी बढ़ रही है और अर्थव्यवस्था रसातल में है। इन सभी को पटरी पर लाने के बजाय भाजपा दूसरे राज्यों की सरकारों को गिराने में व्यस्त है। क्या यह राजनीतिक मानसिक बीमारी का संकेत नहीं है?

उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने कहा, शोले फिल्म के गब्बर सिंह की तरह ऑपरेशन लोटस का डर पैदा किया गया है, लेकिन राजस्थान में इस ऑपरेशन का विफल होना राजनीतिक घमंड की विफलता को दिखाता है।

शिवसेना ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ बैठक के बाद कांग्रेस नेता सचिन पायलट पार्टी के हित में काम करने के लिए सहमत हो गए। गहलोत ने एक महीने के लंबे गतिरोध के बाद अपनी सरकार बचा ली है।

मुखपत्र में कहा गया कि पायलट गहलोत के सामने कमजोर खिलाड़ी साबित हुए हैं। मराठी भाषा के मुखपत्र में कहा गया, गहलोत ने अपनी सरकार बचाने के लिए सबकुछ किया। गहलोत के खिलाफ करीब एक महीने तक बगावत के बाद पायलट जयपुर लौट आए हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पार्टी से किसी भी पद की मांग नहीं की और प्रतिशोध की कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

बागियों के खिलाफ कांग्रेस विधायकों की नाराजगी स्वभाविक: अशोक गहलोत

सोनिया से मुलाकात के बाद पार्टी में लौटे 19 विधायकों से एक माह से होटलों में रुके विधायकों को है खासी नाराजगी

जैसलमेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट व अन्य बागी विधायकों की वापसी को लेकर कांग्रेस विधायकों में नाराजगी की ओर इशारा करते हुए बुधवार को कहा कि उनकी नाराजगी स्वाभाविक है, लेकिन मैंने इन विधायकों को समझाया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब सब मिलकर राज्य के विकास के लिए काम करेंगे। गहलोत ने जोधपुर के लिए रवाना होने से पहले यहां संवाददाताओं से कहा, उनकी नाराजगी स्वाभाविक है। जिस रूप में यह एपिसोड हुआ उन्हें इतने दिन होटलों में रहना पड़ा, उनकी नाराजगी होना स्वाभाविक था।

गहलोत ने कहा, उनको मैंने समझाया है कि देश प्रदेश व प्रदेशवासियों के लिए और लोकतंत्र को बचाने के लिए कई बार हमें सहन भी करना पड़ता है। इसके साथ ही गहलोत ने उम्मीद जताई कि अब सब मिलकर राज्य के विकास के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, हम सब आपस में मिलकर काम करेंगे। जो हमारे साथी चले गए थे वे भी वापस आ गए हैं मुझे उम्मीद है कि सब गिले शिकवे दूर करके सब मिलकर प्रदेश की सेवा करने का संकल्प पूरा करेंगे। उल्लेखनीय है कि सचिन पायलट की अगुवाई में गहलोत से नाराजगी जताने वाले 19 विधायक नई दिल्ली में प्रियंका गांधी व राहुल गांधी से मुलाकात के बाद लगभग एक महीने बाद मंगलवार को जयपुर लौट आए। हालांकि इनकी वापसी से कांग्रेस के वे कुछ विधायक नाराज बताए जा रहे हैं। जो लगभग एक महीने से जयपुर व जैसलमेर के होटलों में रुके हुए हैं, बताते हैं कि कांग्रेस विधायक दल की मंगलवार रात यहां हुई बैठक में भी इन विधायकों ने अपनी नाराजगी जाहिर की।

नर्सिंग की छात्रा ने की आत्महत्या की कोशिश

शाहजहांपुर। जिले के एक मेडिकल कालेज की नर्सिंग छात्रा ने कालेज भवन की छत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश की है। घायल छात्रा को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

पुलिस अधीक्षक एस आनंद ने बुधवार को भाषा को बताया कि तिलहर थानाक्षेत्र के बंथरा स्थित वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज की छात्रा मंगलवार को कॉलेज भवन की छत से कूद गई थी। छात्रा के परिजन बुधवार को उनसे मिले और इस संबंध में शिकायत की। परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी ने कोविड-19 अस्पताल में ड्यूटी नहीं की, जिसके चलते उसका मानसिक शोषण किया गया। आनंद ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर थाना तिलहर पुलिस को तत्काल मुकदमा दर्ज करने के आदेश दे दिए गए हैं। उधर, इस संबंध में जानकारी हासिल के लिए मेडिकल कॉलेज के प्रधानाध्यापक के. शुक्ला तथा निदेशक आशक अग्रवाल से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

दरोगा की गाड़ी से 11 लाख रुपये और शराब की 21 बोतलें बरामद

जयपुर (राजस्थान)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने राजस्थान पुलिस के एक उपनिरीक्षक की कार से 11.36 लाख रुपये की कथित अघोषित नकद राशि एवं शराब की 21 बोतलें बरामद की हैं। आरोपी उपनिरीक्षक केशर सिंह नरूका अभी तक नागौर के खींवसर पुलिस थाने का प्रभारी था। उसे कुछ दिन पहले ही नागौर में लाइन हाजिर किया गया था। यह मंगलवार रात अजमेर स्थित अपने घर जा रहा था, तभी खुफिया सूचना के आधार पर एसीबी ने नरूका को एक टोल नाके पर रोक कर उसकी तलाशी ली।

ब्यूरो के सूत्रों के अनुसार नरूका की कार से 11.36 लाख रुपये की कथित अवैध नकदी एवं 21 बोतल शराब बरामद की गई। नकदी एवं शराब जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस बीच, नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल ने मांग की है कि इस अधिकारी के पिछले एक साल के कार्यकाल में किए गए कार्यों की जांच होनी चाहिए। बेनीवाल ने ट्वीट किया, भ्रष्टाचार में डूबे इस थाना अधिकारी पर सतर्कता विभाग में भी कार्रवाई विचाराधीन है।

बेंगलुरु में भड़की हिंसा पर भाजपा ने साधा कांग्रेस पर निशाना

नई दिल्ली। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के पुलाकेशी नगर में मंगलवार रात भड़की हिंसा के लिए भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। इस पूरे मामले में उसकी चुप्पी पर सवाल उठाए। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष ने ट्वीट कर कांग्रेस पर आरोप लगाया कि तुष्टिकरण ही उसकी एकमात्र आधिकारिक नीति है।

उन्होंने ट्वीट कर कहा, कल बेंगलुरु में अपने दलित विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति पर हमला और उनके आवास पर तोड़फोड़ की घटना के बावजूद कांग्रेस और कर्नाटक कांग्रेस ने पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। दंगे के अधिकार को उसका पूरा समर्थन... ? उनके लिए तुष्टिकरण ही एकमात्र आधिकारिक पार्टी नीति है।

ज्ञात हो कि मंगलवार रात हिंसक भीड़ ने थाने और कांग्रेस विधायक श्रीनिवास मूर्ति के आवास में तोड़फोड़ की। यह घटना विधायक के एक कथित संबंधी द्वारा सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक मुद्दे से जुड़े एक पोस्ट साझा किए जाने के बाद हुई।

पुलिस के मुताबिक बड़ी संख्या में लोग विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति के आवास के निकट जमा हुए और तोड़फोड़ की तथा वहां खड़े वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हिंसा को रोकने की कोशिश कर रहीं पुलिस टीमों के वाहनों को भी भीड़ ने क्षतिग्रस्त कर दिया। भाजपा महासचिव पी मुरलीधर राव, जोकि कर्नाटक मामलों के प्रभारी भी है, ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्वाई की मांग की। उन्होंने एक ट्वीट कर कहा, बेंगलुरु में भीड़ द्वारा केजी हल्ली और डीजे हल्ली पुलिस थानों में भयावह हमला किया गया। इसमें 60 पुलिसकर्मी घायल हो गए। दोषियों को माफ नहीं किया जा सकता। हिंसा के लिए उत्तरदाई लोगों के खिलाफ सख्त कार्वाई की जानी चाहिए। विधायक श्रीनिवास मूर्ति ने मंगलवार को ही एक वीडियो संदेश जारी कर समुदाय के लोगों से हिंसा नहीं करने की अपील की थी।

भगवान मेरे पिता के लिए सब कुछ अच्छा करेगा: शर्मिष्ठा मुखर्जी

शर्मिष्ठा ने ट्वीट कर कहा, पिछले साल आठ अगस्त को मेरे पिता को मिला था भारत रत्न

पूर्व राष्ट्रपति सैन्य हास्पीटल में मस्तिष्क के आपरेशन के बाद हैं जीवनरक्षकप्रणाली पर

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि ईश्वर उनके लिए सबकुछ अच्छा करेगा। मस्तिष्क के ऑपरेशन के बाद से मुखर्जी की हालत नाजुक बनी हुई है।

कांग्रेस नेता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा कि देश का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान भारत रत्न मिलने के मात्र एक साल बाद उनके पिता गंभीर रूप से बीमार हो गए। उन्होंने ट्वीट किया, पिछले साल आठ अगस्त का दिन मेरे लिए सबसे खुशी के दिनों में से एक था, क्योंकि मेरे पिता को भारत रत्न मिला था। ठीक एक साल बाद 10 अगस्त को वह गंभीर रूप से बीमार हो गए।

शर्मिष्ठा ने कहा, ईश्वर उनके लिए सबकुछ अच्छा करे और मुझे जीवन की खुशियों एवं दुखों को समान भाव से स्वीकार करने की ताकत प्रदान करे। मैं मेरे पिता के लिए चिंता करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं।

सेना के रिसर्च एंड रेफरल (आर एंड आर) अस्पताल ने मंगलवार को बताया था कि प्रणब मुखर्जी की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा गया है। इससे एक दिन पहले उनके मस्तिष्क की सर्जरी की गई थी। मुखर्जी (84) को सोमवार दोपहर के वक्त सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था और सर्जरी से पहले उनमें कोविड-19 की भी पुष्टि हुई थी।

अस्पताल की ओर से मंगलवार को जारी नए मेडिकल बुलेटिन में कहा गया था, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा गया है। खून का थक्का बनने के कारण सोमवार को पूर्व राष्ट्रपति के मस्तिष्क की सर्जरी की गई थी।

सपा संरक्षक मुलायम की सेहत में सुधार

लखनऊ। पूर्व रक्षा मंत्री और समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की सेहत में अब सुधार हो रहा है। मेदांता अस्पताल के निदेशक डॉक्टर राकेश कपूर ने बुधवार को बताया कि मुलायम की तबियत में सुधार हो रहा है और उनकी स्थिति अब यह पहले से काफी बेहतर है। हालांकि अभी वह पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हैं। यादव (80) को शुक्रवार को मूत्र नली में संक्रमण की शिकायत पर लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी कोविड-19 रिपोर्ट निगेटिव आई थी। उन्होंने कहा कि सभी चीजें ठीक होने के बाद ही उन्हें छुट्टी दी जाएगी। फिलहाल उनकी हालत में लगातार सुधार हो रहा है।

नारायणमूर्ति की आशंका पर राहुल का तंज: मोदी है तो मुमकिन है

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इन्फोसिस के संस्थापक एन आर नारायणमूर्ति की ओर से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आजादी के बाद की सबसे बड़ी गिरावट की आशंका जताए जाने को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार पर कटाक्ष किया।

उन्होंने नारायणमूर्ति के बयान वाली एक खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, मोदी है तो मुमकिन है। गौरतलब है कि नारायणमूर्ति ने मंगलवार को आशंका जताई कि कोरोना वायरस महामारी के चलते इस वित्त वर्ष में देश की आर्थिक गति आजादी के बाद सबसे खराब स्थिति में होगी। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को जल्द से जल्द पटरी पर लाया जाना चाहिए। उन्होंने यह आशंका भी जताई कि इस बार जीडीपी में स्वतंत्रता के बाद सबसे बड़ी गिरावट दिख सकती है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बुधवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। परिणाम की चिंता किए बिना कर्म पर ध्यान केंद्रित करने के भगवान श्रीकृष्ण के संदेश को दोहराया। राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, जन्माष्टमी के अवसर पर शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि निष्काम कर्म के अपने संदेश में योगेश्वर श्री कृष्ण ने परिणाम की चिंता किए बिना कर्म पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया है। कोविंद ने अपने संदेश में कहा, यह भावना हमारे सभी कोरोना योद्धाओं के कार्य में झलकती है। यह पर्व सभी के जीवन में स्वास्थ्य और समृद्धि का संचार करे।

मुख्यमंत्री योगी ने मनाया भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में वैदिक मंत्र, सोहर और कृष्ण भजन के बीच जन्माष्टमी का त्योहार मनाया। बुधवार सुबह योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोरखनाथ, महंत दिग्विजय नाथ और महंत अवैद्यनाथ का आशीर्वाद लेने के बाद मंदिर परिसर में स्थित गोशाला में कुछ समय बिताया। मंदिर के पुजारी द्वारका तिवारी ने बताया कि मंगलवार की आधी रात को योगी ने बाल कृष्ण (नंद गोपाल) की मूर्ति को झूले में रखा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद करीब आधे घंटे तक भजन गाए गए। इसके बाद योगी, मुख्य पुजारी कमलनाथ, मुख्य पुरोहित आचार्य रामानुज त्रिपाठी सहित अन्य लोगों ने पूजा अर्चना की। तिवारी ने बताया कि भजन का कार्यक्रम रात आठ बजे से आरंभ हो गया था।

महिला मित्र से संबंध के शक में हुई युवक की हत्या

नोएडा। नोएडा में महिला मित्र के किसी और से संबंध होने के संदेह पर दो युवकों ने मिलकर एक युवक की हत्या कर दी। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) अंकुर अग्रवाल ने बताया कि थाना फेस-2 क्षेत्र के इलाबास गांव में अजीत (23) अपने दोस्त मोहित व विपिन के साथ एक ही मकान में किराए पर रहता था। उन्होंने बताया कि मोहित व विपिन की दो महिला मित्र थीं। उन्हें शक था कि उनका मित्र अजीत भी उनसे बातचीत करता है, तथा उसके भी उनसे संबंध है। उन्होंने बताया कि अजीत को रास्ते से हटाने के लिए मोहित और विपिन ने षड्यंत्र रचा, तथा मंगलवार सुबह इन लोगों ने सोते समय अजीत के सिर पर भारी पत्थर से वार किया और इसके बाद दोनों ने अजीत के रिश्तेदार कपिल के घर पर जाकर उसको सूचना दी कि उसका एक्सीडेंट हो गया है, तथा उसे अस्पताल में भर्ती कराना है। उन्होंने बताया कि मोहित ने 112 नंबर पर फोन करके मौके पर एंबुलेंस बुलाई। सूचित किया कि उसके दोस्त अजीत का एक्सीडेंट हो गया है। उन्होंने बताया कि एंबुलेंस अजीत को लेकर यथार्थ अस्पताल पहुंची। वहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अपर उपायुक्त ने बताया कि इस दौरान मोहित भी अस्पताल से भाग गया। शव का पोस्टमार्टम करने पर यह बात सामने आई कि अजीत की हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजन कसराम की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया। बुधवार सुबह पुलिस ने एक सूचना के आधार पर मोहित को गिरफ्तार कर लिया।

सिद्धरमैया की दूसरी जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं

बेंगलुरु। कोरोना वायरस संक्रमण का एक निजी अस्पताल में उपचार करा रहे कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की दूसरी कोविड-19 जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। उन्हें बृहस्पतिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। सिद्धरमैया के कार्यालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। वहीं, विधानसभा में विपक्ष के नेता ने बुधवार को अपना 72वां जन्मदिन मनाया। एक बयान में बताया गया कि सिद्धरमैया अब पूरी तरह से स्वस्थ हो गए हैं। बयान में कहा गया, चिकित्सकों के अनुसार दूसरी बार गले से लार के नमूनों की और रक्त की जांच की गई और रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। सिद्धरमैया को चार अगस्त को मणिपाल अस्पताल में भर्ती किया गया था। उन्हें सिर्फ शुरुआती दो दिनों तक बुखार रहा और इसके बाद उनमें संक्रमण के कोई लक्षण नहीं थे। बयान के अनुसार, चिकित्सकों ने बताया कि सिद्धरमैया को कल अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। उनके बेटे और वरुणा से कांग्रेस के विधायक डॉक्टर यतींद्र सिद्धरमैया भी सात अगस्त को संक्रमित पाए गए थे। वहीं, कोविड-19 की चपेट में आए मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा को भी उपचार के लिए मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। वह अभी घर में पृथक-वास में हैं।

यूपी में जंगलराज से बदतर स्थिति : संजय सिंह

नोएडा (उ्र)। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति जंगलराज से भी बदतर है। यहां बेटियां, नेता, पत्रकार, वकील व मानवता सुरक्षित नहीं हैं। गांव डेयरी स्कनर की छात्रा सुदीक्षा भाटी की मौत के बाद उसके परिजन से मिलने पहुंचे सिंह ने मंगलवार रात को यह बातें कहीं। सिंह ने कहा कि सुदीक्षा की मौत उत्तर प्रदेश सरकार के लिए एक कलंक है और प्रदेश में कानून-व्यवस्था का आलम यह है कि मनचले 3 किलोमीटर तक होनहार बेटी का पीछा करते रहे, जिसकी वजह से वह सड़क हादसे का शिकार हुई। उन्होंने कहा कि इस घटना के दोषियों को पकड़ने के बजाय बुलंदशहर की पुलिस मृतका के परिजन पर गलत आरोप लगाने में जुट गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में लूट, हत्या, बलात्कार की घटनाएं आम हो गई हैं। यहां पर नेता, पत्रकार, वकील, बेटियां व समाज के संभ्रांत लोग सुरक्षित नहीं है। व्यापारियों से रंगदारी वसूली जा रही है। आप नेता ने मांग की है कि छात्रा के परिजन को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए, तथा उनके परिवार के अन्य बच्चों को सरकार पढ़ाई की मुफ्त सुविधा दे।

हिमाचल के किन्नौर में नाला उफनाया, अस्थाई पुल बहा

किन्नौर (हिमाचल प्रदेश)। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में बुधवार को स्किबा गांव के निकट पानी के तेज बहाव से नाला उफना गया। इससे एक अस्थाई पुल बह गया। एक अधिकारी ने बताया कि यह पुल अकपा क्षेत्र के निकट था। पूह तथा काजा की ओर भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। जिला अधिकारी ने बताया कि स्किबा गांव में पुल के अलावा एक सड़क का तीन मीटर लंबा हिस्सा भी बह गया। हालांकि इस घटना में किसी के मारे जाने की खबर नहीं है।

सुकमा में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में चार नक्सली मार गिराए

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराया है। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बुधवार को भाषा को बताया कि सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत फुलमपार गांव के जंगल में सुरक्षा बलों ने चार नक्सलियों को मार गिराया। सुंदरराज ने बताया कि जगरगुंडा थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना के बाद डीआरजी और सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को गश्त के लिए रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि दल जब फुलमपार गांव के जंगल में था तब नक्सलियों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ देर तक दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। बाद में जब सुरक्षा बलों ने घटनास्थल की तलाशी ली। तब वहां से चार नक्सलियों के शव, एक .303 रायफल, देशी बंदूक और विस्फोटक सामग्री बरामद की।

नोएडा में मॉडल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नोएडा। नोएडा के गढ़ी चौखंडी गांव में एक सोसाइटी में रहनेवाले 22 वर्षीय एक मॉडल ने पंखे से फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अपर उपायुक्त (जोन द्वितीय) अंकुर अग्रवाल ने बताया कि थाना फेज-3 क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी गांव में एक बहुमंजिला सोसाइटी है। इसी सोसाइटी में रहने वाले 22 वर्षीय राहुल ने बुधवार सुबह पंखे से फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि पुलिस को घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अपर उपायुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान मृतक की मां ने पुलिस को बताया कि वह फिल्म व ऐड एजेंसी के लिए मॉडलिंग का काम करता था। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि उसके एक लड़की से संबंध थे। प्रथमदृष्टया पुलिस का मानना है कि लड़की से झगड़ा होने की वजह से मॉडल ने आत्महत्या कर ली।

नींद और दिनचर्या स्वस्थ रहने के सरल समाधान

स्वयं की और अपनी दिनचर्या की यथार्थवादी अपेक्षाएं निर्धारित करें। भरपूर प्रयास करने के बजाय वो करें, जो संभव है। इस तनावपूर्ण दौर में अच्छी सेहत व मनोरंजन की दावेदारी के तरीके सुझाती सिमरन चोपड़ा की रिपोर्ट

कभी महसूस किया कि यह लगभग डिनर का समय है और आप अभी तक नहाया नहीं है? देश में हममें से अधिकांश के सामने तालाबंदी होने से, घर से काम करने का दबाव तथा ऑनलाइन क्लासेज के साथ स्कूल की शुरुआत होने से, हर कोई, बतौर माता-पिता, शिक्षक, मनोरंजनकर्ता, क्लीनर, शेफऔर भूलें नहीं कर्मचारी तक दोहरे दबाव में हैं। बहुत सारी भूमिकाओं में कूंदफांद करना डराने वाला हो सकता है और आपको परेशान व अनियंत्रित महसूस करा सकता है।

मन एक शक्तिशाली कारक है और जब यह अनियंत्रित और भ्रमित महसूस करता है, तो आपके इर्दगिर्द हर चीज बिखरी नजर आती है। आप ऐसा महसूस करते हैं मानो आप जिम्मेदारियों में डूबते हुए किसी तरह से तैरते रहने के लिए तिनक पे टिके हुए हैं। जबकि आपको चाहिए एक लाइफ जैकेट। मैं आपकी ओर एक फेंकती हूं। क्या होगा यदि आप अपनी निराशा पर नजर रखने में अक्षम हैं और उसके कारण समूचा नियंत्रण खोया महसूस करते हैं? क्या हो, अंततोगत्वा, आप सचमुच उत्पादक महसूस करते हैं, मानो आपने कुछ पा लिया है? आप ऐसे अतिरेक आवेगों से कैसे निपटते हैं ?

समय प्रबंधन

आइए किसी ऐसी चीज से शुरुआत करते हैं जिससे हम आम तौर पर अंजान रहते हैं या उसे हल्के में लेते हैं हमारा समय। विशेष रूप से, आइए हम अपनी प्राथमिकताओं पर नजर डालते हैं और यह कि हमें अपना समय कैसे प्रबंधित करना चाहिए। जागरूकता बढ़ाने के लिए सरल अभ्यास से शुरुआत करते हैं समय डायरी। एक कागज, पन्ना या जो कुछ भी आपको पसंद है, और एक घड़ी लें। आपके फोन पर स्टॉपवाच बढ़िया कारगर होगी। अब, लिखना शुरू करें कि जागने से लेकर सोने तक आप अपना दिन कैसे बिताते हैं। फोन, आराम या सोशल मीडिया पर बिताए समय समेत हर काम को दर्ज करें। वो समय जो आपने चाय पीते, काटते, पकाते या सफाई करते हुए बिताया है।

हम समय 'सोख्ताओं' या ऊर्जा नष्ट करने वालों को तलाश रहे हैं, मेरा समय कहां जा रहा है? मैं अपना समय कहां बर्बाद करता हूं? क्या मैं सचमुच शौचालय में चालीस मिनट अपने फोन में इधर उधर की तलाश करता हूं? अपने समय को खाने वालों को तलाशें और उन्हें हटाएं। खुद से पूछें मैं किस चीज को कम कर सकता हूं, जिससे कि मैं वो काम ज्यादा कर सकूं, जो मेरे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्व रखते हैं? अपनी सक्रिय सोशल मीडिया उपस्थिति से, मैं सुनिश्चित करता हूं कि मैंने प्रत्येक गतिविधि के लिए समयावधि बना ली है क्योंकि इसके बिना, मैं मूर्खतापूर्ण स्थिति में फंस जाऊंगा।

हम किसी प्रतियोगिता में नहीं हैं, हम यूजर इंटरफेस डिजाइन में डाक्टरेट के साथ इससे बाहर निकलने का प्रयास नहीं कर रहे हैं। अगर आप सुरक्षित और स्वस्थ हैं तो आप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। आदर्शतया दिन में तीन बड़े काम करने का प्रयास करें। तीन तो अनिवार्यतया करें और यदि आप उन्हें पूरा कर लेते हैं, तो कुछ और काम करें। स्वयं व दूसरों से यथार्थवादी अपेक्षाएं रखना फिलहाल आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाजिम है।

अभिभावकत्व का दायित्व निभाना

इस दौर में, माता पिता, खासतौर पर मांओं ने खुद को काम में डूबा हुआ और पस्त पाया है। घर संभालने और घर से काम करते हुए बच्चे को बड़ा करने का दबाव भारी दबाव वाला हो सकता है। यहां कुछ कारक हैं जिन्होंने पूर्णकालिक कामकाजी मां के रूप में सचमुच मेरी सहायता की है।

- बैच कुंकिंग। अनेक प्रकार का भोजन पकाना साथ ही साथ समय और ऊर्जा बचाता है।
- एक बर्तन में भोजन खाना पकाने को सरल व त्वरित बनाता है। आपको प्रत्येक भोजन पर बुफे की आवश्यकता नहीं है।
- दिन की शुरुआत से ही अपने तीन प्रमुख कामों की सूची बनाएं। लक्ष्य निर्धारित करना व्यक्ति को एकाग्रचित्त होने में सहायता करता है।
- खुद को शांतचित्त करने के लिए दस मिनट दें। इस समय को आराम करने में लगाएं और कोई काम न करें। यह अपार ताजगी देने का काम करता है।
- काम बांटें। अपने मंगेतर, बच्चों, परिवार, पार्टनर, रूममेट का साथ लें या किसी भी ऐसे व्यक्ति को ढूंढ़े, और उससे अपने काम का बोझ बांटें। यदि आप खाना बनाती हैं, कोई दूसरा सफाई कर सकता है। यदि आप कपड़े प्रेस करती है, तो कोई दूसरा उन्हें तह लगा सकता है।
- तुलना न करें। यदि कोई कहता है कि वे इस समय बुलंदी पर हैं तो यह अच्छा है। लेकिन वो आपका जीवन नहीं है और न आपके हालात हैं। इसलिए आपके जीवन में जो घट रहा है उसके साथ दूसरों से, उस मामले में किसी चीज से तुलना न करें।
- खुद के प्रति उदार हों। खुद से बात करें क्योंकि आप अपने परममित्र होंगे। हम अक्सर खुद का बेरूखी से आंकलन करते हैं। जान लें कि यह सर्वोत्तम तरीका है जिसे आप संभाल सकते हैं।
- देखे कि आप किसी अनावश्यक काम में 15 मिनट बर्बाद करते हुए किसी महत्वपूर्ण काम में 15 मिनट लगा सकें। आप यह जानकर चकित होंगे कि हमारा मन या खास आदतें कितना समय नष्ट करने वाले हो सकते हैं।

निद्रा प्रबंधन

तरोताजा, एकाग्र और शांतचित्त रहने का मेरा प्रमुख नुस्खा है, रात में अच्छी नींद लेना! मोटापे, सुस्ती और आम तौर पर आलस की समस्याओं से जूझते लोगों के लिए सबसे बड़ा कारण है पर्याप्त नींद की कमी। यहां कुछ संकेतक हैं जो इशारा करते हैं कि आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहे हैं:

- आपके मन हल्की सी धुंध में भी अस्पष्टता महसूस करता है। कम सजगता, विभ्रम क्षमाशीलता के साथ सोचें।
- आप सुस्ती महसूस करते हैं या खुश नहीं हैं। शायद आप ज्यादा तनाव, या मूड के स्तर पर निराश महसूस कर रहे हैं। जब हम सोते हैं तो हम पुनः ऊर्जावान होते हैं और पर्याप्त नींद न लेना तेजी से प्रकट होने लगता है।
- आप बिमारियों, वायरसों, बैक्टीरिया का अधिक शिकार हो सकते हैं। जो कुछ ऐसा है जिसे आप फिलहाल नहीं चाहते हैं।
- कम ऊर्जा, आलसीपन और सुस्ती के साथ प्रतिक्रिया करना।

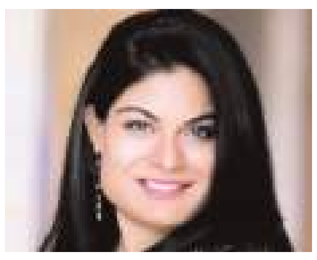

तुलना न करें। यदि कोई कहता है कि वे इस समय बुलंदी पर हैं तो यह अच्छा है। लेकिन वो आपका जीवन नहीं है और न आपके हालात हैं। इसलिए आपके जीवन में जो घट रहा है उसके साथ दूसरों से, उस मामले में किसी चीज से तुलना न करें।

इनमें से कुछ विटामिन की कमी के संकेतक भी हो सकते हैं, लेकिन आप इसकी जांच कराने की कोशिश करने से पहले, ज्यादा सोने का प्रयास करते रहते हैं। कम से कम सात घंटे नींद लेने का लक्ष्य बनाएं। मैं जानती हूं कि आप शायद सोच रहे हैं 'आपको बिलकुल नहीं पता कि मैंने इसकी कितनी ज्यादा कोशिश की है।' लेकिन हमारा ईमानदार होना एक मूल्यांकन का प्रयास कर रहा है। यहां समय डायरी आपकी दोस्त है। सारे शोध दिखाते हैं कि देरी से सोना स्वेच्छापूर्वक विलंब से होता है, जो टीवी टाइम या ऑनलाइन वीडियो देखने तक विस्तारित होता है। जब तक आप अभिभावक नहीं बनते हैं। आदर्शतया, सोने और जागने का समय एक समान बनाएं। सात से आठ घंटे आदर्श है। यदि आपको नहीं लगता कि यह प्राथमिकता है, तो पुनः विचार करें। कम सोना आपके लिए वजन बढ़ने, इंसुलिन प्रतिरोध और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ाता है। समय है कि उचित नींद लेने पर ध्यान दें।

ठहरें, कुछ बातें और

बीस साल की आयु वाले 10 स्वस्थ व्यक्तियों पर एक अध्ययन कराया गया था। उन्हें लगातार छह रातों के लिए, रात में केवल चार घंटों सोने का अवसर दिया गया। इसके बाद, यह पाया गया कि उन्हें सत्तर साल पुरानी प्रीडायबिटीज की इंसुलिन संवेदना के आसार पाए गए! यह तब हुआ जब केवल एक पैमाने को बदला गया। हालांकि यह एक छोटा नमूना है, मगर यह सांकेतिक है। समाधान सस्ता और करने में आसान है।

यदि आपको सोने में कोई समस्या होती है तो तालिका में दर्ज उपायों में से कुछ को आजमाने का प्रयास करें। देखें कि उनसे कोई सहायता मिल जाए।

जीवन हमारे सामने अनेक घूमती गेंदें फेंकता है और साल 2020 उनमें से सिर्फ एक है। आपको उस बाल को मारना सीखने की जरूरत है। इसे सर्वोत्तम शाट बनाने की कोई आवश्यकता नहीं है और आपको हर बार छक्का लगाने की जरूरत नहीं है। आपको बस बाल को मारना सीखने की जरूरत है। यह भी इतना ही सरल है। अपने लिए और अपनी दिनचर्या से यथार्थवादी अपेक्षाएं रखें। भरपूर प्रयास करने के बजाय वो करें, जो संभव है। जहां आप सहजतापूर्वक हों, आपको फिलहाल यही आवश्यक है।

- लेखक लाइफस्टाइल और ट्रांसफार्मेशन कोच हैं।

सेहत को खराब कर सकता हैं रात के समय का भोजन

हर कोई अपनी सेहत को लेकर फिक्रमंद रहता हैं और इसके लिए वह अपने भोजन में स्वस्थ आहार को शामिल करता हैं। लेकिन अक्सर अनजाने में आप आहार के दौरान कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो आपकी सेहत के लिए परेशानी का कारण बन सकती हैं। आयुर्वेद में रात के समय भोजन के दौरान कुछ ऐसे नियम बताए गए हैं जो सेहत से जुड़े होते हैं। तो आइये जानते हैं रात में किन चीजों को भोजन में शामिल करना चाहिए और किन्हें नहीं।

- आयुर्वेद के अनुसार रात में दही का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। रात में इसकी जगह पर छाछ ले सकते हैं। दही शरीर में कफ की समस्या को बढ़ा सकता है, जिसके चलते नाक में बलगम की गांठ बन सकती हैं।
- रात के खाने में प्रोटीन युक्त भोजन ही करें। इसमें आप दाल, हरी सब्जियां, करी पत्ते और फल को शामिल कर सकते हैं। इससे आपका पाचन तंत्र काफी हल्का और हेल्दी रहेगा।
- अगर आप अपना वजन घटाना चाहते हैं तो रात में कम खाना खाएं। जो भी खाएं उसको ठीक से चबा चबाकर खाएं। इससे आप स्वस्थ रहेंगे और नींद भी अच्छी आएगी। रात में हमारा पाचन तंत्र निष्क्रिय होता है, जिससे हमारे शरीर के लिए भारी भोजन पचाना मुश्किल हो जाता है।
- अगर आप रात में दूध पीते हैं तो आपको कम फैट वाला दूध पीना चाहिए। लेकिन याद रखें कि रात में आपको ठंडा दूध नहीं पीना। हमेशा दूध को उबाल कर पिएं क्योंकि गर्म दूध और कम फैट वाला दूध पचाने में आसान होता है।
- रात के भोजन में उन मसालों का प्रयोग करना चाहिए जो सेहत के लिए अच्छे हों। ऐसा करने से शरीर में गर्माहट बढ़ेगी और भूख भी बनी रहेगी। भोजन में दालचीनी, सौंफ, मेथी और इलायची को शामिल कर सकते हैं। इनको खाने के कई तरह के फायदे हैं।

जीवन चक्र

भारत भूषण पद्मदेव

ईश्वर जीवन है

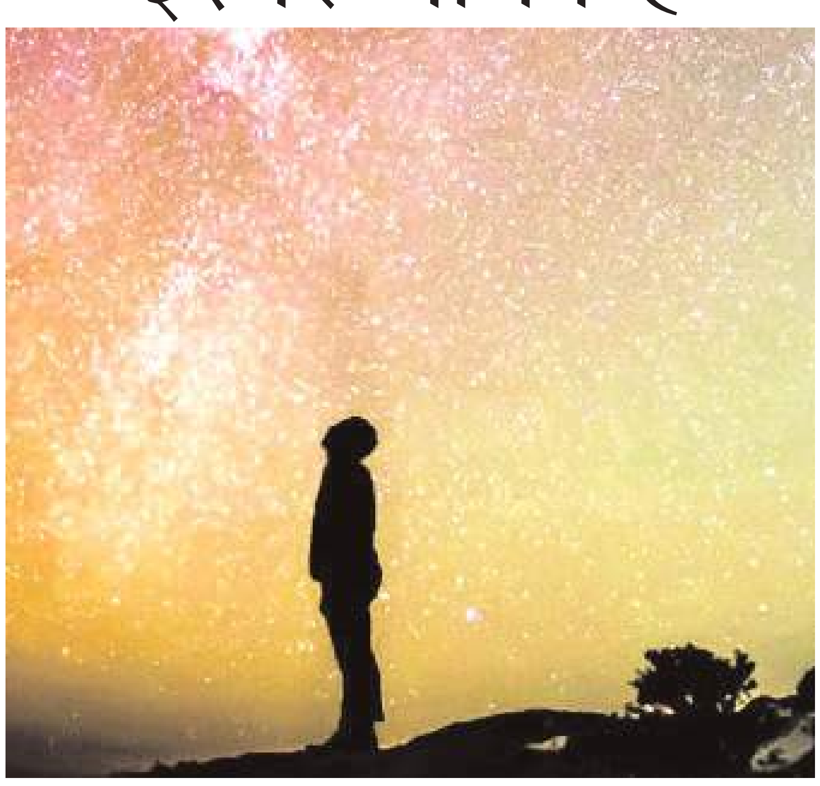

ज्यादातर लोग ईश्वर के अस्तित्व में विश्वास रखते हैं, जिसे विभिन्न दर्शन अपने-अपने ढंग से समझते हैं। वे मानते हैं कि उनका जीवन एक परम वास्तविकता है, जो जीवन चक्र रचता है, उसे बनाए रखता है और पुनर्चक्रित करता है। साथ ही, समूची दुनिया का नियंता है, जो हमारे व्यक्तिगत एवं सामूहिक आचरण पर नजर रखता है। यह, मानो, हमसे बहुत दूर मौजूद एक वास्तविकता है, जो हमारे व्यवहार का फैसला करती है, और गुणात्मक रूप से हमारे भविष्य के नियम निर्धारित करती है और वो भी व्यक्ति जिस लायक होता है, उसके मुताबिक।

अनेक प्रकार के दर्शन हैं जो ईश्वर की अवधारणा को मान्यता नहीं देते हैं, भारतीय दर्शन में भी सांख्य, जैन धर्म और बौद्धधर्म भी। स्वयंभू तर्कवादी तो अस्तित्व से ही इंकार करते हैं, भले ही उनके पास अपने पक्ष को उचित ठहराने का कोई दर्शन नहीं है। उनकी अवधारणा के आधार पर, अनेक वैज्ञानिक, ईश्वर के अस्तित्व को नकारते हैं। स्टीफन हॉकिंग और ल्योनार्ड म्लोदिनोवा अपनी किताब, 'द ग्रेट डिजाइन' में कहते हैं कि 'ईश्वर ने सृष्टि को नहीं रचा है और बिगबैंग भौतिकी के सिद्धांतों का अपरिहार्य परिणाम था। तथ्य है कि गुरुत्वाकर्षण जैसा एक नियम है, ब्रम्हांड शून्य से खुद को गढ़ सकता है और गढ़ेगा। स्वतः सृजन कारण है, शून्य के अलावा कोई कारण होता है, ब्रम्हांड क्यों मौजूद है, हम क्यों हैं।' मेरे खयाल से उसके मन में, उसके अस्तित्व को नकारने के लिए ईसाई अवधारणा थी क्योंकि उसकी अवधारणा में, ईश्वर और जीवन दो भिन्न वास्तविकताएं हैं। जिसने उनके लिए ईश्वर की अवधारणा को वैज्ञानिक अवधारणा के साथ सामंजस्य बनाना कठिन बना दिया। हॉकिंस ने सृष्टि की अवधारणा पर काफी कुछ लिखा है, लेकिन वह समग्रतापूर्वक जीवन को आयामों को समझ नहीं पाए, हालांकि उनके रोजमर्रा जीवन में इंसानी गतिविधियों में उनके कष्टों पर मुझे कुछ नहीं कहना है। 'ईश्वर है या नहीं है' की बात से इनकार नहीं है, मगर एक व्यवस्था है जो एक निर्बाध रचनात्मकता में शामिल है, जो लगभग स्वसंचालित अवस्था में व्यक्तिगत व सामूहिक जगत को चलाती आई है। देखें कि किस तरह ब्रहमांड में सूर्य, चंद्रमा के कामकाज और प्रकृति में सभी कार्यकलाप, जो हमारे जीवन चक्र के लिए महत्वपूर्ण होते चले आए हैं जो कि स्वेच्छापूर्वक अपने लिए आदेशित तयशुदा पैमानों, तथा सटीक पूर्वानुमान के मुताबिक विकसित हुए। कोई ईश्वर को मान सकता है या नकार सकता है, लेकिन क्या कोई प्रकृति आधारित सदाबहार संसाधनों के सहयोग के बिना जीवित रह सकता है? और ये संसाधन मानव निर्मित नहीं हैं। और इसी रूप में ईश्वरीय सृजन का वास्तविक अर्थों में महत्व है।

वेदांत कहता है कि ईश्वर निराकार और निर्गुण है, बिना दूसरे के 'एक' का, सृष्टि के मूल तत्वाकें में संरक्षित होना, अपने आपमें सभी प्रकट करने की क्षमता लिए हुए है। यह एक परम चेतना है जो सर्वव्यापी है, सबके लिए उपलब्ध। चेतना तत्व हमारी ज्ञान शक्ति समेत हमारे सभी कामकाज में प्रकट होता है। यह सभी प्रकृति आधारित कामकाज के अनिवार्य बुद्धिमानी भी देता है ताकि सटीक पूर्वानुमान के साथ सुव्यस्थित ढंग से आगे बढ़ा जा सके। चेतना, इस प्रकार, समूची दूनिया में एक एकीकृत संरचना में बुन जाती है जहां किसी भी अकेले का समग्र से स्वतंत्र अस्तित्व संभव नहीं होता है। यह अवधारणा सृष्टि की वैज्ञानिक अवधारणा के साथ गहन पुष्टि पाती है। इसलिए प्रतिष्ठित आस्टेर्अलियाई भौतिकशास्त्री, पॉल डेविस ने कहा था, 'भले यथार्थवादी के लिए, दुनिया वस्तुओं का संग्रह है। क्वाटंम भौतिकविद के लिए, यह तरंगित शैली का एक गुंथा संजाल है, जहां किसी भी अकेले तत्व का समष्टि के इतर कोई अस्तित्व नहीं है, और उस समष्टि में खुद पर्यवेक्षक भी शामिल है।'

इसीलिए यह अनुमान लगाना बेहतर होगा कि एक व्यवस्था कायम है जो अनिवार्यतया परम स्त्रोत की मौजूदगी होगी, जिसमें सृष्टि के बुनियादी तत्व संरक्षित होंगे, जिसमें चेतना के मूल तत्व गुंथे हैं। जिसमें दुनिया को उसकी समग्र विविधता व विकरालता के साथ प्रकट करना शामिल है। अनेक हस्तक्षेपकारी आयाम हैं जो दरमियान में प्रत्यक्ष व गूढ़ स्तरों पर अपनी भूमिका निभाते हैं। सभी ने एक साथ एक एकीकृत संरचना के रूप में गतिमान रहकर, दुनिया को व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से संचालित कर रखा है। इस वस्तु परियोजना में, चेतना तत्व की वजह से, हमेशा परम स्त्रोत के बीच संबंध बना रहता है और प्रकट होता है। ऋषि अरबिन्दो, की आध्यात्मिक संगिनी, मिरा अल्फासा, जिन्हें आम तौर पर मां कहकर बुलाया जाता है, ने कहा था 'उसके बिना, मैं नहीं होती हूं, मेरे बिना वह अनभिव्यक्त है।' वेदांत के अनुसार, मौजूदा दुनिया एक दिन खत्म हो सकती है, सृष्टि के बीजों को साथ में लिए हुए, जब मैं ईश्वर के पास वापस जाती हूं। इन बीजों में से, एक नयी दुनिया अस्तित्व में आती हैं। इसलिए, जीवन एक रूप से दूसरे रूप में हमेशा मौजूद है। इसलिए 'जीवन एक वास्तविकता है।' हमारी समझ के नाम पर, व्यवस्था को नाम की आवश्यकता होगी। यदि हम अपनी व्यक्तिवादी सोच को त्याग दें तो ईश्वर के नाम के बेहतर शब्द क्या होगा।

सीएसके को धोनी के 2021 और 2022 आईपीएल का हिस्सा होने की उम्मीद

एजेंसी। नई दिल्ली

चेन्नई सुपरकिंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कासी विश्वनाथन को लगता है कि उनके करिश्माई खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी 2021 और 2022 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहेंगे। धोनी पिछले साल विश्वकप सेमीफाइनल के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेले हैं और 39 वर्षीय खिलाड़ी के आगामी आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की उम्मीद है, जो 19 सितंबर से 10 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा।

सीईओ कासी विश्वनाथन बोले, हमें कप्तान के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है

विश्वनाथन ने कहा कि हमें एमएस धोनी के दोनों (2020 और 2021 आईपीएल) में हिस्सा होने की उम्मीद है और शायद इसके अगले साल 2022 में भी। उन्होंने कहा कि मुझे मीडिया से ही अपडेट मिल रहा है कि वह झारखंड में इंडोर नेट में ट्रेनिंग कर रहे हैं। लेकिन हमें कप्तान के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। हम उसके बारे में बिलकुल चिंता नहीं करते। विश्वनाथन ने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारियों को जानता है और वह अपनी और टीम की देखभाल कर लेगा। इंडिया सीमेंट्स के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) फ्रेंचाइजी के मालिक एन श्रीनिवासन ने जनवरी में कहा था कि धोनी को 2021 आईपीएल की नीलामी में टीम द्वारा बरकरार रखा जाएगा। पिछले साल विश्वकप के बाद से धोनी के भविष्य को लेकर अटकलों का दौर जारी था, क्योंकि उन्हें भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने केंद्रीय अनुबंध नहीं दिया था।

रांची में इंडोर स्टेडियम में अभ्यास कर रहे है

धोनी को अपने गृहनगर रांची में झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के इंडोर स्टेडियम में अभ्यास करते हुए देखा गया था। सीएसके ने अपने बेस में 16 से 20 अगस्त तक छोटा सा ट्रेनिंग शिविर लगाने की योजना बनाई है। टीम के 21 अगस्त को यूएई रवाना होने की उम्मीद है और विश्वनाथन ने पुष्टि की कि सभी खिलाड़ी 14 अगस्त को चेन्नई में इकट्ठा होंगे।

सीनियर खिलाड़ियों को लय में आने में मुश्किल नहीं होगी: बालाजी

सी श्याम सुंदर। चेन्नई

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कोच एल बालाजी ने बुधवार को कहा कि उनकी टीम में कई खिलाड़ी 30 साल से ऊपर की उम्र के हैं, लेकिन यह उनके लिए नुकसानदेह नहीं बल्कि फायदेमंद ही साबित होगा। कोरोना वायरस के कारण लंबे ब्रेक के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीमें 13वें चरण की तैयारी में जुटी हैं। महेंद्र सिंह धोनी (39 वर्ष) आगामी आईपीएल चरण में तीन बार की विजेता सीएसके की अगुआई करने को तैयार हैं, जिसका आयोजन 19 सितंबर से 10 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में किया जाएगा।

यह पूछने पर कि क्या सीनियर खिलाड़ियों को लय में आने में मुश्किल होगी, तो बालाजी ने इससे इनकार करते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह इतना मुश्किल होगा क्योंकि आपने पूरी जिंदगी यह खेल खेला है। इतने साल से इस खेल को समझते हो, जो सर्वश्रेष्ठ वापसी के लिए काम आएगा। उन्होंने कहा कि अनुभव निश्चित रूप से महत्वपूर्ण होगा। यह आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में साबित हो चुका है। कप्तान के अलावा फ्रेंचाइजी में शेन वाटसन और ड्वेन ब्रावो जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं। बालाजी ने कहा कि धोनी ऐसे खिलाड़ी हैं, जो एक प्रक्रिया का पालन करते हैं, जिसमें वह बदलाव और बाहर करने के बजाय मौका और एक्सपोजर देने में भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा कि धोनी हमेशा समर्थन करने वाले कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में कोई शार्ट कट नहीं हैं, लेकिन बदलाव और बाहर करने के बजाय मौका देने और एक्सपोजर में भरोसा करते हैं। यूएई जाने से पहले फ्रेंचाइजी ने 16 अगस्त से एक संक्षिप्त शिविर की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि हां, अगर सबकुछ योजना के अनुरूप होता है, तो हम 16 अगस्त से एक शिविर शुरू करेंगे।

राजस्थान रायल्स के क्षेत्ररक्षण कोच दिशांत याग्निक कोरोना संक्रमित

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी राजस्थान रायल्स ने बुधवार को घोषणा की कि उनके क्षेत्ररक्षण कोच दिशांत याग्निक को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया है। यह लीग फ्रेंचाइजी में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला है। लुभावनी टी-20 लीग में हिस्सा लेने के लिए टीम को अगले हफ्ते संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए रवाना होना है, जो 19 सितंबर से 10 नवंबर तक खेली जाएगी। भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए आईपीएल के 13वें चरण को यूएई में कराने का फैसला किया गया।

फ्रेंचाइजी ने बयान में कहा कि राजस्थान रायल्स यह सूचित करना चाहता है कि उनके क्षेत्ररक्षण कोच दिशांत याग्निक को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है। इसके कहा गया, यह परीक्षण यह ध्यान में रखते हुए किया गया कि टीम सदस्यों को यूएई के लिए फ्लाइट पकड़ने के लिए अगले हफ्ते मुंबई में इकट्ठा होना है। इसमें कहा गया, फ्रेंचाइजी ने यूएई की यात्रा करने वाले सभी खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और प्रबंधन के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा सिफारिश की गई दो जांच के अलावा एक अतिरिक्त परीक्षण कराने का फैसला किया था। आईपीएल दल में यह पहला मामला है। याग्निक इस समय अपने गृहनगर उदयपुर में हैं और उन्हें 14 दिन के अनिवार्य पृथकवास के लिए अस्पताल में भर्ती किए जाने की सलाह दी गई है। दो हफ्ते के पृथकवास को पूरा करने के बाद याग्निक के बीसीसीआई कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार दो परीक्षण कराए जाएंगे और इनमें नेगेटिव पाए जाने की स्थिति में ही उन्हें टीम के साथ जुड़ने की अनुमति दी जाएगी। यूएई में पहुंचने के बाद याग्निक को अगले छह दिनों तक अलग रहना होगा और तीन कोविड-19 जांच करानी होंगी। फ्रेंचाइजी ने बयान में कहा कि दो नेगेटिव रिपोर्ट आने के बाद उन्हें यूएई में पहुंचने के बाद छह दिन अलग रहने और तीन परीक्षण में नेगेटिव आने के बाद टीम से जुड़ने की अनुमति दी जाएगी।

फ्रेंचाइजी ने यह भी पुष्टि की कि कोई भी खिलाड़ी पिछले 10 दिन में याग्निक के संपर्क में नहीं था। घरेलू सर्किट में राज्य टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके याग्निक और फ्रेंचाइजी दोनों ने इसके बारे में ट्वीट किया और उनसे पिछले 10 में करीबी संपर्क में आने वाले सभी लोगों से अलग रहने और कोविड-19 जांच कराने का अनुरोध किया।

पिछले 10 दिन से कोई खिलाड़ी नहीं रहा करीबी संपर्क में

रायल्स ने बयान में कहा कि पिछले 10 दिन में दिशांत के साथ करीबी संपर्क में रहने वाले सभी लोगों से हम पृथक में रहने और कोविड-19 जांच कराने का अनुरोध करते हैं। हम पुष्टि कर सकते हैं कि राजस्थान रायल्स या अन्य आईपीएल के खिलाड़ी पिछले 10 दिन में उनके करीबी संपर्क में नहीं थे। इसमें कहा गया, हम उनके जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं और जल्द ही यूएई में रायल्स शिविर में जुड़ने की उम्मीद लगाए हैं। बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज याग्निक ने 25 आईपीएल मैचों में 170 रन बनाए। 37 साल के याग्निक ने 2004 में प्रथम श्रेणी पदार्पण किया था और 50 मैचों में 1754 रन बनाए थे। 41 लिस्ट ए मैचों में उन्होंने 945 रन बनाए।

पांच अन्य कोरोना पॉजिटिव हॉकी खिलाड़ियों को भी अस्पताल में भर्ती कराया

एजेंसी। नई दिल्ली

स्ट्राइकर मनदीप सिंह के बाद कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए पांच अन्य हॉकी खिलाड़ियों को भी एहतियात के तौर पर बेंगलुरू के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने बुधवार को यह जानकारी दी। मनदीप में इस बीमारी के लक्षण नहीं दिख रहे थे, लेकिन खून में आक्सीजन का स्तर कम होने पर उन्हें सोमवार रात एसएस स्पर्श मल्टी स्पेशिएलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। टीम के उनके पांच साथियों को भी मंगलवार को इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

साइ ने कहा कि भारतीय खेल प्राधिरकण ने पांच अन्य खिलाड़ियों को भी एहतियाती तौर पर एसएस स्पर्श मल्टी स्पेशिएलिटी अस्पताल में भर्ती कराने का फैसला किया है। बीस अगस्त से शुरू हो रहे राष्ट्रीय शिविर के लिए बेंगलुरू पहुंचने पर पिछले हफ्ते भारतीय टीम के छह खिलाड़ियों को कोरोना वायरस पॉजिटिव पाया गया था। इन छह खिलाड़ियों में कप्तान मनप्रीत सिंह, स्ट्राइकर मनदीप सिंह, डिफेंडर सुरेंदर कुमार और जसकरण सिंह, ड्रैगफ्लिकर वरूण कुमार और गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक शामिल हैं। साइ ने कहा कि खिलाड़ियों को अस्पताल में भर्ती कराने का फैसला यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया कि हर समय उनकी देखदेख की जा सके और उन्हें सर्वश्रेष्ठ उपचार दिया जा सके। सभी छह खिलाड़ियों का स्वास्थ्य अच्छा है और वे अच्छी तरह उबर रहे हैं। साइ के अनुसार पूरी संभावना है कि एक महीने के ब्रेक के बाद देश के विभिन्न हिस्सों से बेंगलुरू की यात्रा करने के दौरान खिलाड़ी संक्रमित हुए। साइ ने कहा कि खिलाड़ियों की दिन में चार बार जांच की जा रही है। सभी महिला खिलाड़ी हालांकि नेगेटिव पाई गई हैं और ट्रेनिंग शुरू करने की राह पर हैं।

मनदीप को पहले ही अस्पताल में कराया गया था भर्ती

सभी महिला खिलाड़ी नेगेटिव, ट्रेनिंग शुरू करने की राह पर

संक्षिप्त समाचार

चेन्नईयिन एफसी ने एली सेबिया का अनुबंध बढ़ाया

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम चेन्नईयिन एफसी ने ब्राजील के डिफेंडर एली सेबिया का अनुबंध 2020-21 सत्र के लिए बढ़ा दिया है। क्लब ने यह जानकारी दी। चेन्नईयिन एफसी के बयान में सेबिया के हवाले से कहा गया, चेन्नईयिन एफसी के साथ जुड़े रहने को लेकर मिली खुशी को मैं शब्दों को बयां नहीं कर सकता। मेरे परिवार और मुझे क्लब, प्रशंसकों और चेन्नई शहर से जो प्यार मिला है उसकी बराबरी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि पिछले सत्र में हम फाइनल में हार गए थे। नए सत्र में हम चेन्नई को तीसरा आईएसएल खिताब दिलाने की नई उम्मीद और प्रतिबद्धता के साथ उतरेंगे। इस अनुभवी सेंटर बैक ने पिछले सत्र में चेन्नईयिन एफसी के 21 मैचों में से 19 में शुरुआती एकादश में जगह बनाई और टीम ने लगातार आठ मैचों के अजेय अभियान के साथ फाइनल में प्रवेश किया। सेबिया अब तक चेन्नईयिन की ओर से सभी तरह की प्रतियोगिताओं में 59 मैच खेल चुके हैं। आगामी सत्र टीम के साथ उनका चौथा सत्र होगा।

एलपीजीए ने बुइक शंघाई टूर्नामेंट रद्द करने की पुष्टि की

शंघाई। लेडीज पीजीए टूर (एलपीजीए) ने कोरोना वायरस महामारी के कारण 2020 बुइक एलपीजीए शंघाई गोल्फ टूर्नामेंट को रद्द करने की पुष्टि की है। चीन की सरकार ने पिछले महीने घोषणा की थी कि साल के अंत तक देश में सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं रद्द रहेंगी। शंघाई में 15-18 अक्टूबर तक होने वाले टूर्नामेंट के आयोजकों ने बुधवार को इस महिला गोल्फ टूर्नामेंट को आधिकारिक रूप से रद्द करने की घोषणा करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण मौजूदा स्वास्थ्य चिंताओं और यात्रा पाबंदियों के कारण टूर्नामेंट रद्द किया जाता है।

कोरोना वायरस के कारण पेरिस मैराथन रद्द

पेरिस। पेरिस मैराथन के आयोजकों ने बुधवार को कहा कि नई तारीख को ढूंढने के लगातार प्रयासों के बावजूद कोरोना वायरस के कारण इसे रद्द कर दिया गया। इस मैराथन का आयोजन पहले अप्रैल में होना था लेकिन फिर इसे अक्टूबर में कराने का फैसला किया गया। आयोजकों ने कहा कि उन्होंने हाल में इस रेस को नवंबर में आयोजित करने की कोशिश की लेकिन यात्रा पाबंदियों के कारण इसे कराना संभव नहीं था। आयोजकों ने बयान में कहा, विदेश से आने वाले कई धावकों के लिए 14-15 नवंबर के लिए उपलब्ध कराना मुश्किल था, जिसे देखते हुए फैसला किया गया कि बेहतर यही होगा कि हम श्नेडर इलेक्ट्रिक मैराथन डि पेरस का आयोजन 2021 में करें। अब उनका ध्यान 2021 चरण की मैराथन पर होगा। इस साल की रेस के लिए पंजीकरण कराने वाले धावक स्वत: ही अगले साल की रेस के लिए पंजीकृत हो जाएंगे।

कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी चैंपियंस लीग टीम का हिस्सा नहीं

बार्सिलोना। बार्सिलोना फुटबॉल क्लब ने बुधवार को कहा कि उसका एक खिलाड़ी कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाया गया है और वह उसकी चैंपियंस लीग टीम का हिस्सा नहीं है। बार्सिलोना ने खिलाड़ी के नाम का खुलासा नहीं किया लेकिन कहा कि वह, सीनियर टीम के किसी भी खिलाड़ी के संपर्क में नहीं था जिन्हें लिस्बन की यात्रा करनी है। बार्सिलोना का सामना पुर्तगाल में शुक्रवार को चैम्पियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में बायर्न म्यूनिख से होगा। क्लब ने कहा कि संक्रमित खिलाड़ी के कोविड-19 के कोई लक्षण नहीं हैं और उसका स्वास्थ्य अच्छा है। उसे घर पर पृथकवास में रहने को कहा गया है और जो भी उसके संपर्क में आया था, उसकी जांच की जाएगी।

एलपीजीए प्रतियोगिता में पहली बार तीन भारतीय हिस्सा लेंगी

नॉर्थ बेरविक (स्कॉटलैंड)। भारत की तीन महिला गोल्फर अदिति अशोक, दीक्षा डागर और त्वेसा मलिक गुरुवार से शुरू हो रहे लेडीज स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के साथ पहली बार एलपीजीए टूर्नामेंट में एक साथ हिस्सा लेंगी। लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) की शीर्ष प्रतियोगिता लेडीज स्कॉटिश ओपन को 2017 से एलपीजीए की संयुक्त मान्यता हासिल है और यह चौथी बार है जब दोनों टूर मिलकर प्रतियोगिता का आयोजन कर रहे हैं। पहले दौर में दीक्षा को स्टेफनी काइरियाकू और यू ल्यू के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करनी है, जबकि अदिति को स्कॉटलैंड की स्टार कार्ली बूथ और दक्षिण अफ्रीका की ली आन पेस के साथ खेलना है। त्वेसा अपने अभियान की शुरुआत ईलिमी नोह और एमिली क्रिस्टीन पेडरसन के साथ करेंगी। दीक्षा और त्वेसा शुक्रवार को ब्रिटेन पहुंचे थे और इसके बाद सोमवार को एडिनबर्ग पहुंचे। अदिति और उनकी मां सोमवार को यहां पहुंची। दीक्षा के पिता और कैडी कर्नल नरेन डागर ने कहा, हवाई अड्डे पर हमारा परीक्षण हुआ और टूर ने स्कॉटलैंड में भी हमारा परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह अलग तरह की यात्रा थी। कागजी कार्रवाई और यात्रा के लिए स्वीकृति दिलाने में भारत में कई लोगों ने हमारी मदद की।

एशिया के फीफा विश्वकप क्वालीफायर स्थगित

एजेंसी। नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी के कारण 2022 फीफा विश्वकप के एशियाई क्वालीफाइंग मुकाबले 2021 के लिए स्थगित होने के बाद भारतीय फुटबॉल टीम इस साल कोई मैच नहीं खेलेगी। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने 2022 विश्वकप और 2023 एशियाई कप के अक्टूबर और नवंबर में होने वाले सभी पुरुष क्वालीफायर मुकाबलों को स्थगित कर दिया है। भारत ने पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला पिछले साल नवंबर में मस्कट में ओमान के खिलाफ खेला था, जो संयुक्त क्वालीफाइंग मैच था। भारत यह मैच 0-1 से हार गया था।

भारत विश्वकप क्वालीफायर के अगले दौर में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुका है, लेकिन अब भी 2023 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में बना हुआ है। टीम को आठ अक्टूबर को स्वदेश में कतर से भिड़ना था, जबकि इसके बाद नवंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ स्वदेश में और बांग्लादेश के खिलाफ उसकी सरजमीं पर मुकाबले खेलने थे। भारत अगर ग्रुप में तीसरे स्थान तक रहता है, तो 2023 एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में सीधे प्रवेश कर जाएगा। खेल की वैश्विक संस्था फीफा और एएफसी ने संयुक्त बयान जारी करके कहा कि कई देशों में कोरोना वायरस महामारी से जुड़ी मौजूदा स्थिति को देखते हुए फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने संयुक्त रूप से फैसला किया है कि फीफा विश्वकप कतर 2022 और एएफसी एशियाई कप चीन 2023 के आगामी क्वालीफाइंग मुकाबलों को 2021 में खेला जाएगा। ये मुकाबले अक्टूबर-नवंबर 2020 की अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की विंडो के दौरान होने थे। फीफा और एएफसी ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया।

इस साल नहीं खेलेगी भारतीय फुटबॉल टीम

न्यूजीलैंड में स्टेडियमों में लग सकती है दर्शकों की मौजूदगी पर पाबंदी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में दर्शकों की मौजूदगी में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं पर नई पांबदी लगाई जा सकती है क्योंकि आकलैंड में कोविड-19 के चार नए मामले सामने आए हैं। न्यूजीलैंड में 102 दिन से सामुदायिक संक्रमण का एक भी मामला दर्ज नहीं किया गया था, जिसके बाद ये संक्रमण के नए चार मामले मिले हैं। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने घोषणा की कि आकलैंड में बुधवार को 72 घंटे का लेवल थ्री लॉकडाउन शुरू होगा जबकि बाकी जगह पर तीन दिन के लिए लेवल टू का लॉकडाउन लगेगा। लेवल थ्री में बड़ी खेल गतिविधियों पर पांबदी, जबकि लेवल टू में 100 लोगों के एक साथ इकट्ठा होने पर रोक लगाई जाती है। दोनों लॉकडाउन हफ्ते के अंत से पहले खत्म हो जाएंगे जब सुपर रग्बी आटिरोआ में अंतिम दौर के मैच शुरू होंगे। ज्यादातर स्वास्थ्य विशेषज्ञों को उम्मीद है कि संक्रमण के मामले कहां से आए, इसकी जानकारी मिलने के बाद पांबदियां बढ़ाई जा सकती हैं।

कोरोना के छह पॉजिटिव मामलों के बावजूद 19 से शुरू होगा राष्ट्रीय हॉकी शिविर

एजेंसी। नई दिल्ली

पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह सहित छह खिलाड़ियों के कोविड-19 जांच में पॉजिटिव होने से अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीमों के लिए ट्रेनिंग शिविर तय समयानुसार 19 अगस्त से बेंगलुरू में शुरू हो जाएंगे। पुरुष और महिला टीमें बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के दक्षिण केंद्र में ट्रेनिंग बहाल करेंगी। साइ के बुधवार को जारी बयान के अनुसार, भारतीय पुरुष और भारतीय महिला टीमें 14 दिन के पृथकवास को पूरा करने के बाद 19 अगस्त 2020 से खेल गतिविधियां शुरू करेंगी।

हॉकी इंडिया के अधिकारियों और दोनों टीमों के मुख्य कोचों सहित खेल के हितधारकों के बीच चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। इसके अनुसार, सभी खिलाड़ियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सबसे बड़ी प्राथमिकता मानते हुए यह फैसला किया गया कि साइ के बेंगलुरू स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में खेल गतिविधियां शुरू की जाएंगी, जो पहले निर्धारित किया गया था। छह खिलाड़ियों के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद पुरुष हॉकी खिलाड़ियों का शिविर लगना अनिश्चित था। महिला शिविर के आयोजन पर हालांकि कोई संदेह नहीं था क्योंकि सभी कोरोन वायरस की जांच में नेगेटिव आई थीं। कप्तान मनप्रीत, स्ट्राइकर मनदीप सिंह, डिफेंडर सुरेंद्र कुमार, जसकरण सिंह, ड्रैग फ्लिकर वरूण कुमार और गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक को पॉजिटिव पाए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। ये छह पॉजिटिव खिलाड़ी (ज्यादातर पंजाब से) 10 सदस्यीय समूह का हिस्सा थे जो एक साथ नई दिल्ली से पहुंचे थे। इस समय 33 पुरुष और 24 महिला खिलाड़ी शिविर के लिए बेंगलुरू में हैं। राष्ट्रीय शिविर के 30 सितंबर तक जारी रहने की उम्मीद है। साइ ने कहा कि शिविर लगाने का फैसला सर्वसम्मति से लिया गया और कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल के अंतर्गत ही इसका आयोजन किया जाएगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ का स्वास्थ्य शिविर के दौरान पहली प्राथमिकता होगा। रीड ने कहा कि यह जानकार अच्छा लगा कि हर कोई उत्साहित है जबकि हमारी पहली प्राथमिकता उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा होगी। छह संक्रमित खिलाड़ी जब वायरस से उबर जाएंगे तो उन्हें ग्रुप में शामिल किया जाएगा।

खिलाड़ियों व सहयोगी स्टाफ का स्वास्थ्य पहली प्राथमिकता

अनअकैडमी आईपीएल टाइटल प्रायोजक अधिकार हासिल करने को बोली लगाएगी

कुशान सरकार। नई दिल्ली

शिक्षा प्रोद्यौगिकी कंपनी अनअकैडमी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्रायोजकों में से एक है और अब उसकी निगाहें लीग के टाइटल प्रायोजन अधिकार हासिल करने पर लगी हैं और वह इस साल चीनी मोबाइल फोन कंपनी वीवो की जगह लेने के लिए अपनी बोली सौंपने को तैयार है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि अनअकैडमी ने बोली लगाने के लिए फार्म लिया है, लेकिन इसके आगे कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

सीनियर अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर एजेंसी से कहा कि मैं यह पुष्टि कर सकता हूं कि अनअकैडमी ने दिलचस्पी दिखाई है और बोली लगाने के लिए पेपर लिए हैं। मैंने सुना है कि वे बोली सौंपेंगे और इस बारे में गंभीर हैं। इसलिए पंतजलि अगर बोली लगाता है तो उसे प्रतिस्पर्धा मिलेगी। भारत और चीन की सीमा पर सैनिकों के बीच हुई भिंड़त के कारण इस साल वीवो ने टाइटल प्रायोजन अधिकार से हटने का फैसला किया जो सालाना 440 करोड़ रुपये देता था। बीसीसीआई अब चार महीने 13 दिन के लिए इससे कम कीमत 300 से 350 करोड़ के बीच के करार के लिए कंपनी ढूंढ रहा है। अधिकारी ने कहा कि अनअकैडमी आईपीएल के केंद्रीय प्रायोजन पूल का हिस्सा है जिसमें अन्य कंपनी जैसे ड्रीम11 और पेटीएम शामिल हैं। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, हां, अनअकैडमी 2020 से 2023 तक आईपीएल के केंद्रीय प्रायोजन पूल में शामिल है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में, जर्सी लोगो सिर्फ टाइटल प्रायोजक का ही हो सकता है, भले ही टीम के विभिन्न प्रायोजक हों।

बासेल को हराकर शख्तार डोनेस्क सेमीफाइनल में

गेलसेनकिरचेन (जर्मनी)। शख्तार डोनेस्क ने एकतरफा मुकाबले में बासेल को 4-1 से हराकर यूरोपा लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना इंटर मिलान से होगा। जूनियर मोरेस ने दूसरे ही मिनट में शख्तार को बढ़त दिलाई जबकि तेसोन ने 22वें मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया। एलेन पैट्रिक ने 75वें मिनट में यूक्रेन की टीम की ओर से पेनल्टी पर तीसरा गोल दागा जबकि डोडो ने स्कोर 4-0 किया। रिकी वान वोल्फ्सविंकेल ने इसके बाद बासेल की ओर से सांत्वना गोल दागा। कोरोना वायरस महामारी के कारण टूर्नामेंट को जर्मनी में कम टीमों के साथ खेला जा रहा है। शख्तार की टीम 17 अगस्त को डसेलडोर्फ में इंटर मिलान के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी। फाइनल इसके चार दिन बाद कोलोन में होगा।

ओकामपोस के गोल से सेविला यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में

डुइसबर्ग (जर्मनी)। अंतिम लम्हों में लुकास ओकामपोस के हैडर से दागे गोल की बदौलत सेविला ने वोल्वरहैम्पटन को 1-0 से हराकर यूरोपा लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेविला की टीम भाग्यशाली रही जब वोल्व्स के राउल जिमिनेज शुरुआत में ही पेनल्टी को गोल में बदलने में नाकाम रहे। सेविला ने इसके बाद धीरे धीरे मैच पर नियंत्रण बनाया और 88वें मिनट में एडर बेनेगा के क्रॉस पर हैडर से ओकामपोस के गोल की मदद से 1-0 की बढ़त बना ली जो निर्णायक साबित हुई। सेविला की टीम रविवार को कोलोन में होने वाले सेमीफाइनल में मैनचेस्टर यूनाईटेड से भिड़ेगी जिसने सोमवार को अतिरिक्त समय में कोपेनहेगन को 1-0 से हराया।

मध्य प्रदेश बेहद खूबसूरत प्रदेश है। पर्यटन के लिहाज से यहां अनेक ऐसे मनोरम स्थल हैं, जहां पहुंचना हर सैलानी चाहता है। आइए, आज हम आपको मध्य प्रदेश के कुछ ऐसे ही सुंदर और ऐतिहासिक स्थलों से परिचय करा रहे हैं।

कभी तो दिन गुजारिए मध्य प्रदेश में

खजुराहो

अपने मंदिरों की मूर्तिकला की महिमा से खजुराहो दुनिया को स्तब्ध कर देता है। चंदेल तथा राजपूत कुलों द्वारा 950 से 1100 ई. के बीच निर्मित यह मंदिर अनुपम हैं, जो हिंदू वास्तुकला और मूर्तिकला के कुछ सबसे उत्तम नमूनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे मंदिर, भारत का दुनिया के लिए अनोखा उपहार हैं। यहां, परमात्मा से मिलन के आसन में गढ़े पुरुष-महिला जोड़ों की मूर्तियों, शिल्पकला के शिखर का अनुभव दिलाती है। यह शिल्प जीवन का, खुशी का, प्यार का जय गान है, जो निष्पादन में परिपूर्ण और अभिव्यक्ति में उदात्त हैं। रचनात्मकता की एक सच्ची प्रेरित लहर में यह शिल्प बनाए गए थे। ऐसे कुल 85 मंदिरों में से आज, केवल 22 मंदिर टिक पाए हैं, जो दुनिया के महान कलात्मक आश्चर्यों में से एक है। वास्तुकला की दृष्टी से भी वे अद्वितीय हैं, क्योंकि अपनी अवधि के मंदिर प्रोटोटाइप से वे बहुत अलग रहे हैं। हर मंदिर एक ऊंचे, पक्के मंच पर, उर्ध्व दिशा में उच्च संरचना पर, भव्यता और चमक के जादुई प्रभाव के साथ खड़ा है। इसके हर प्रमुख हिस्से की अपनी छत है, जो इस तरह एक-दूजे से जुड़े हुए हैं, कि उनमें से सबसे ऊंचा हिस्सा मध्य स्थान पर तथा निचला बरामदे के स्तर पर है, जो देवताओं के निवास हिमालय की बढ़ती चोटियों समान, एक बेहद मनोरंजक कल्पना सा प्रतीत होता है।

चंदेल इतिहास की उत्कृष्ट अवधि के दौरान निर्मित यह मंदिर, पूरी तरह से बलुआ पत्थर में बने हुए हैं, जो केन नदी के पूर्वी तट की पन्ना खदानों से लाया गया था। चूने का उपयोग मालूम न होने के कारण पत्थर की सिल्ली को एक साथ जोड़ा जाता था। खजुराहो के सभी मंदिर एक सजातीय शैली और एक विशिष्ट वास्तुकला के साथ शैव, वैष्णव और जैन संप्रदायों से संबंधित हैं। चौसठ योगिनी, ब्रह्मा और लालगुआन महादेव, इन तीन मंदिरों का अपवाद है, जिनके निर्माण में ग्रेनाइट और बलूआ पत्थर का आंशिक रूप से प्रयोग किया गया है। सभी मंदिर तीन भौगोलिक डिवीजनों में अर्थात पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी में बंटे हुए हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत खजुराहो के स्मारक एक विश्व विरासत स्थल हैं।

कैसे पहुंचे

दिल्ली, भोपाल, रायपुर और मुंबई से नियमित उड़ानें उपलब्ध हैं। भारतीय रेलवे के नक्शे में अब खजुराहो रेलवे स्टेशन भी है। हरपालपुर (99 किमी), सतना (120 किमी) और झांसी (175 किमी) अन्य निकटतम रेलवे स्टेशन हैं। यह सड़कों से भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

मांडू

मांडू का दौरा करने के बाद भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने टिप्पणी करते हुए कहा था की, 'मांडू के अवशेष और खंडहर रोम की तुलना में बेहतर हैं और यह स्थान दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता रखता है।' राज्य सरकार भारत के एक महान व्यक्ती के इन प्रसिद्ध शब्दों को सच कर दिखलाने की कोशिश में जुटी हुई है।

अपने स्मारकों, प्राकृतिक परिवेश और इतिहास के अलावा, राजसी सत्ता और धर्म के दायरे से परे प्रेम और भक्ति की कहानी, 'मांडू' को अन्य मध्य युगीन शहरों से अलग कर देती है। मांडू मालवा के वीर राजा बाज बहादुर और अद्वितीय सौंदर्य की मलिका, रानी रूपमती की प्रेम कहानी बयान करता है। रीवा का अद्भुत कुंड इस महान प्रेम कहानी का गवाह बना हुआ है। इस जगह पर हर तरफ अफगान वास्तुकला के खंडहर फैले हुए हैं। स्मारकों के समूह में शामिल है।

होशांग शाह का मकबरा
मांडू की जामी मस्जिद
अशर्फी महल
बाज बहादुर का महल
रानी रूपमती का खेमा
नीलकंठ तीर्थ
नीलकंठ महल
जहाज महल
हिंदोला महल

इको पाइंट, लोहानी गुफा और उनसे जुड़े मंदिर, गुफाएं और सनप्वाइंट अन्य पर्यटक स्थल हैं।

कैसे पहुंचे: मांडू के लिए निकटतम हवाई अड्डा इंदौर (100 किमी) है, जो मुंबई, दिल्ली और भोपाल से जुड़ा है। निकटतम रेलवे स्टेशन मुंबई-दिल्ली मैन लाइन पर, रतलाम (124 किमी) और इंदौर (100 किमी) हैं।

चाचाई फॉल्स

रीवा जिले के सिरमौर तहसील में बीहड़ नदी के पानी से बना, यह भारत के सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। 115 मीटर गहरा, 175 फीट चौड़ा और 500 फीट की ऊंचाई से गिरते इस झरने का पानी अपनी चारों ओर धुंधले कोहरे की एक छाया बनाता है और दर्शकों को अपनी असीम सुंदरता से मंत्रमुग्ध कर देता हैं। यह रीवा से सड़क मार्ग से 45 किमी दूर है।

भीमबेटका

भीमबेटका में नवपाषाण युग से संबंधित 600 से अधिक चट्टान आश्रयों को/ गुफाओं को पाया गया है। यहां, एक उज्ज्वल, मनोरम विस्तार में, 500 से अधिक गुफाओं के चित्र, प्रागैतिहासिक समय में गुफा में रहने वाले लोगों के जीवन को दर्शाते हैं, जो भीमबेटका समूह को मानव जाति के इतिहास का मूल्यवान पुरातात्विक खजाना बना देती है। भीमबेटका एक यूनेस्को विश्व विरासत स्थल भी बन गया है। यहां की सैकड़ों गुफाओं में से चित्रों वाली 12-15 गुफाएं यात्रियों के लिए खुली हैं। भीमबेटका के अद्वितीय मूल्यों के बावजूद यह स्थान अभी भी पर्यटकों के बीच कम लोकप्रिय है।

1957 में, भारतीय पुरातत्वविद् डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ने ट्रेन की खिड़की से ओबेदुल्लागंज की दक्षिण में बहुत ही प्रभावशाली परिदृश्य देखा। वे गुफाओं की शानदार विशाल चट्टानें और प्रवेश द्वार थे। इन गुफाओं में न सिर्फ प्रागैतिहासिक युग की पत्थर की कलाकृतियां थीं, बल्कि, गुफाओं की दीवारों और छतों पर चित्र भी बने हुए थे। बाद में वाकणकर और उनके छात्रों ने चित्रों की अच्छी नकल की और उन्हें फ्रांस तथा अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया। हालांकि 1970 के दशक में जब अधिक पुरातत्वविदों ने भीमबेटका का दौरा किया, तब दुनिया को इस खोज के वास्तविक मूल्य का एहसास हुआ।

कैसे पहुंचे: भीमबेटका भोपाल से भोपाल-होशंगाबाद रोड पर 40 किमी दूर है और भोपाल परिवहन के सभी साधनों द्वारा दिल्ली-ग्वालियर-इंदौर-मुंबई जैसे प्रमुख शहरों के साथ जुड़ा हुआ है।

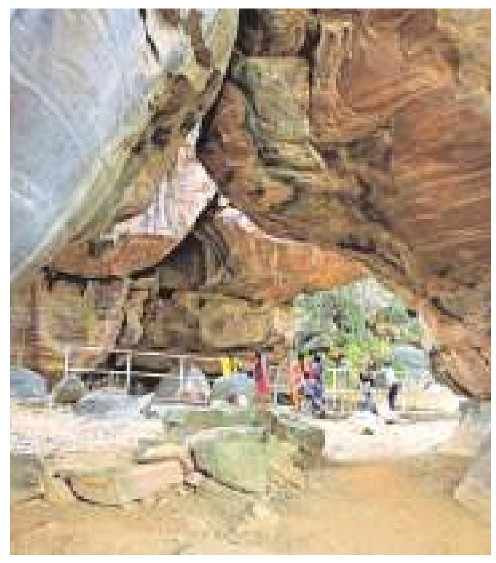

पचमढ़ी

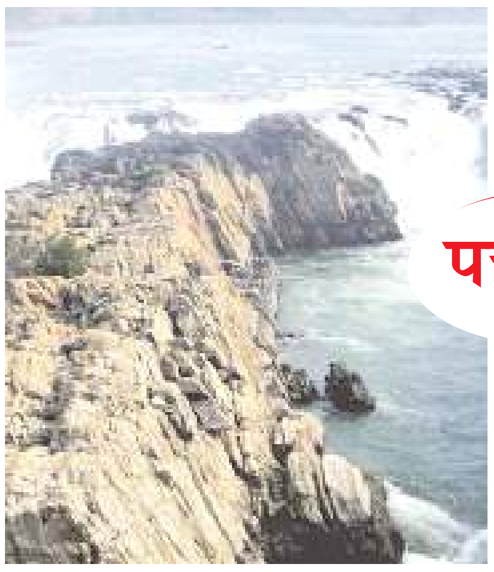

यह सदाबहार सतपुड़ा पर्वतमाला में बसा एक सुंदर हिल स्टेशन है, जो 1067 मीटर की ऊंचाई पर है। पचमढ़ी को पूरे वर्ष उत्कृष्ट मौसम का वरदान प्राप्त है। तथापि, अपनी महान प्राकृतिक सुंदरता और शांति तथा एकांत इसकी सबसे अद्भुत विशेषताएं हैं। किंवदंतियों के अनुसार कहा जाता है कि पचमढ़ी प्राचीन चट्टानों को काटकर बनी गुफाएं हैं, जहां पांच पांडव भाइयों ने शरण ले रखी थी। वर्ष 1857 में पचमढ़ी की खोज और विकास कैप द्वारा किया गया। बाद में, यह एक अद्भुत यात्रा स्थल में बदल गया।

शांत सैर के लिए पचमढ़ी में वन समान उद्यान और वनमार्ग उपलब्ध है, जिनके छायादार रास्ते जंगलों के परिदृश्य दिखाते हुए गुजरते हैं और पठार के छोर पर स्नान के लिए नदियों और झरनों का शीतल बहाव और रॉक क्लाइम्बिंग के लिए चुनौती देनेवाली बीहड़ पहाड़ियों के लुभावने दृश्य दिखाई देते हैं। एक और खास आकर्षण है, लाल बलूआ पत्थर की सीधी ढाल का वैभव, जो शाम के वक्त चमकीले गुलाबी और बैंगनी जैसे शानदार रंगों में डूबा दिखाई देता है। इसके साथ, पचमढ़ी में कम खर्चीले आरामदेह पर्यटक आवास और गोल्फ कोर्स, स्केटिंग रिंग तथा प्राच्य संगीत के एक स्कूल के साथ मनोरंजन केंद्र जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं।

पचमढ़ी में पर्यटकों के आकर्षण: प्रियदर्शिनी प्वाइंट, झरने, तीर्थ, जटाशंकर, रॉक शेल्टर, धूपगढ़, पांडव गुफाएं

कैसे पहुंचे: निकटतम हवाई अड्डे भोपाल (210 किमी) और नागपुर (259 किमी) हैं। मुंबई-हावड़ा लाइन पर इटारसी के पास पिपरिया (53 किमी) सबसे सुविधाजनक रेलवे स्टेशन है। सड़क मार्ग से यह स्थान भोपाल, नागपुर, होशंगाबाद और पिपरिया के साथ जुड़ा हुआ है।

पातालकोट

यह जगह प्रकृति का एक स्थलाकृतिक आश्चर्य है। यह 1700 फुट गहरी घाटी छिंदवाड़ा जिले में स्थित है और यह भरीयां जनजाति का निवास स्थान है। पातालकोट अपनी भौगोलिक और विशाल प्राकृतिक सुंदरता और अंदरूनी रहस्यवादी दुनिया की वजह से बाहर की दुनिया के लोगों के लिए अत्यधिक आकर्षक प्रतीत होता है। यहां के मूल निवासी अभी भी प्रकृति के बहुत करीब है और स्वयं के और बाहर की दुनिया के बीच एक सहज संतुलन बनाए रखे हुए हैं। यह स्थान छिंदवाड़ा से 78 किमी दूर है।

इस खूबसूरत जगह पर पूरे साल होती है बारिश, पर नहीं आती बाढ़

इस मानसून दिल्ली में जहां लोग अच्छी बारिश के लिए तरस रहे हैं वहीं दूसरे प्रदेशों में बारिश ने विकराल रूप ले लिया है। केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित दक्षिण भारत में कई प्रदेशों बाढ़ के हालात हैं। सोचिए कि इन प्रदेशों में केवल मानसून की बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो जाते हैं, अगर यहां हमेशा बारिश होती रहे तो क्या होगा? यकीनन हालात काफी खराब हो जाएंगे, लेकिन भारत में एक ऐसी जगह है जहां रोज बारिश होती है।

> **मेघालय में रेलमार्ग का एकमात्र मार्ग मेहंदीपत्थर तक है, जहां से गुवाहाटी तक नियमित रेल सेवा चलती है। दिल्ली से गुवाहाटी तक जाया जा सकता है। शिलांग से 103 किलोमीटर पर गुवाहाटी निकटतम रेलवे स्टेशन है।**

क्या है खास

नोहकलिकाई वॉटरफॉल्स : नोहकलिकाई वॉटरफॉल्स चेरापूंजी यानी कि सोहरा से केवल 8 किमी की दूरी पर है और ये झरना भारत का सबसे ऊंचे झरनों में से एक है। दूध की तरह पहाड़ी से गिरता पानी देख कर अकसर लोगों के मन में ये सवाल उठता हैं कि आखिर ये पानी कहां से आ रहा है? तो आपको बता दें की इस झरने के पानी का स्रोत कोई बड़ी नदी नहीं, बल्कि चेरापूंजी में होने वाली लगातार बारिश है। ये झरना काफी खूबसूरत है साथ ही झरने के पानी में मस्ती करने के लिए झरने के नीचे पर्यटकों के लिए खास व्यवस्था की गई है।

कम बारिश का महीना: साल के कुछ महीने ऐसे होते हैं, जिसमें चेरापूंजी में बारिश की संभावना कम होती है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बारिश कम होती है। इन दो महीनों में मौसम साफ होता है, लेकिन बीच-बीच में बारिश हो सकती है। नोहकलिकाई वॉटरफॉल्स में भी बारिश न होने का असर पड़ता है और ये झरना दो महीने तक लगभग सूखा रहता है।

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय में बसा चेरापूंजी में पूरे साल बारिश होती है। साल में शायद ही ऐसा कोई दिन होता हो जब बारिश न हुई हो। ऐसे में भी वहां के लोग बहुत ही सामान्य जीवन जीते हैं। बारिश की वजह से इस जगह की रफ्तार कभी नहीं थमती। चेरापूंजी बारिश के लिए केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं।

सड़क मार्ग से यात्रा के दौरान रखनी होगी महत्वपूर्ण सावधानियां

निरंकुश सड़क यात्रा अब एक अतीत की बात हो गई है। आज के समय में यात्रा करने के लिए आपको पहले की अपेक्षा अधिक सावधानी के साथ प्लानिंग और तैयारी करनी होगी। मसलन, सड़क पर निकलने से पहले नक्शे का अध्ययन करें।

क्या आप कोरोना कारावास से बहुत अधिक ग्रसित हो गए हैं और अब कहीं बाहर निकलने के लिए सोच रहे हैं? आखिर क्यों न हों। कोरोना महामारी को भारत में पंख पसारे चार महीने से ज्यादा हो गए हैं, जिसने सभी लोगों को घर के अंदर कैद कर रखा है। जहां कुछ लोग घर से बाहर रहते हुए बहुत ज्यादा खिन्न (homesick) रहने लगे हैं, वहीं कुछ लोग भ्रमण की लालसा (wanderlust) से व्याकुल हुए जा रहे हैं। और अब अंततः कहीं किसी खूबसूरत शहर या स्थान की यात्रा के बारे में धीरे धीरे सोचना शुरू कर रहे हैं।

थोड़ी राहत की बात ये है कि चूंकि सरकार ने अब यात्रा प्रतिबंधों में काफी ढील दे दी है, तो आप इस बारे में अब सोच सकते हैं। हालांकि, सार्वजनिक परिवहन सेवाएं जैसे बस, टैक्सी और बहुत सारी ट्रेन देश के अधिकांश हिस्सों में सुचारु रूप से चलनी शुरू हो गई हैं, लेकिन सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए काफी संख्या में लोग सार्वजनिक वाहनों की अपेक्षा अपने निजी वाहनों से ही यात्रा करना पसंद रहे हैं, क्योंकि आज जब किसी को भी इस बात का अंदाजा नहीं है कि कोविड-19 महामारी का कब अंत होगा, लिहाजा निश्चित रूप से अपने निजी वाहन से ही यात्रा करना श्रेयस्कर होगा और यही एक सुरक्षित विकल्प भी है। तो अगर आप कहीं किसी छोटी दूरी की यात्रा पर अपने निजी वाहन से जाने का विचार बना रहे हैं तो आपको इन बातों की ध्यान अवश्य रखना होगा।

सबसे पहले अपने मार्ग का निर्धारण करें

निरंकुश सड़क यात्रा अब एक अतीत की बात हो गई है। आज के समय में यात्रा करने के लिए आपको पहले की अपेक्षा अधिक सावधानी के साथ प्लानिंग और तैयारी करनी होगी। मसलन, सड़क पर निकलने से पहले नक्शे का अध्ययन करें, सही और सुरक्षित मार्ग निर्धारित करें जिस पर आवागमन थोड़ा कम हो और उस मार्ग के बारे में सभी आवश्यक जानकारी जैसे पेट्रोल पंप, खाने-पीने और आराम करने की सुविधा इत्यादि हासिल करें। ये भी ध्यान रखें कि कोविड-19 की निरंतर बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए और इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से कुछ ने बाहर के लोगों के आवागमन पर सख्त दिशा-निर्देश लागू किए हैं। हालांकि, अधिकांश राज्यों ने यात्रा पास की आवश्यकता को खत्म करने की अपनी सहमति प्रदान की है, लेकिन फिर भी आपको उस राज्य के यात्रा निर्देशों को अच्छी तरह से जान लेना चाहिए जहां आप जा रहे हैं।

कार को साफ-सुथरा रखें

दस्ताने पहनें और डैशबोर्ड, स्टीयरिंग व्हील, सीट बेल्ट और गियर शिफ्ट की सफाई के लिए अल्कोहल-आधारित वाइप्स का उपयोग करें, क्योंकि ये एक कार में सबसे अधिक स्पर्श वाली जगह हैं। यदि आपकी कार अच्छी तरह से साफ और सैनिटीजेड नहीं है, तो यह बहुत आसानी से रोगाणुओं का एक डिब्बा बन जाएगी। यात्रा पर निकलने से पहले अपनी कार की सर्विसिंग करना कभी न भूलें। और सबसे महत्वपूर्ण बात अपने फर्श मैट को जितनी बार संभव हो सके, धोते रहे ताकि आपके जूते की गंदगी अधिक समय तक कार में बंद न रहे। डिस्पोजेबल टिश्यू, अल्कोहल युक्त सैनिटाइजर और दस्ताने की पर्याप्त मात्रा रखें और पीने का पानी भी साथ अवश्य रखें।

मास्क हमेशा लगा के रखें

चूंकि सड़क की यात्रा आपको कई यात्रियों और स्थानीय लोगों के साथ निकट संपर्क में लाती हैं, इसलिए मास्क को हमेशा पहन कर रखें और यात्रा के दौरान हर 10 घंटे में इसे जरूर बदलते रहें। इसके अलावा, निकटतम अस्पतालों, कोविड-19 परीक्षण केंद्रों और आपातकालीन नंबरों की जानकारी भी अपने पास रखें। अपने आसपास के किसी संक्रमित व्यक्ति को जानने लिए आरोग्य सेतु ऐप का उपयोग अवश्य करें। शारीरिक दूरी हमेशा बनाये रखिये।

इसके अलावा आप इन बातों की भी ध्यान जरूर रखें

- अपनी नाक, आंख और मुंह को अंगुलियों से छूने से बचें। हालांकि कभी-कभी खुजली हो सकती है, लेकिन हाथ को अच्छी तरह से साफ करके ही खुजली करें।
- टिश्यू पेपर या फिर अपनी कुहनी के अंदर छींके। अपने साथ कुछ डिस्पोजेबल बैग ले जाएं, ताकि गंदगी को उसमें रख सकें।
- भुगतान के लिए डिजिटल मोड का उपयोग करें, क्योंकि डिजिटल भुगतान खरीदारों और विक्रेताओं के बीच शारीरिक संपर्क को कम करता है।
- घर से पर्याप्त मात्रा में भोजन पैक करें और जहां तक संभव हो सके, बाहर खाने से बचें, क्योंकि कभी कभी पता नहीं चलता की सड़क के किनारे रेस्तरां या होटल आवश्यक स्वच्छता का पालन कर भी रहे हैं या नहीं।
- हालांकि हम सभी जानते हैं कि यात्रा के शौकीन लोगों के लिए अभी यह एक मुश्किल समय हैं, लेकिन अगर हम सभी एक साथ मिलकर आपस में एक दूसरे की सुरक्षा का ध्यान रखें तो हम निश्चित रूप से अपनी यात्रा का भरपूर आनंद ले सकेंगे।